निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

नवबिहार टाइम्स

लगभग 19 वर्षों बाद शुक्रवार को कोलकाता लौटीं बांग्लादेश की निर्वासित लेखिका तस्लीमा नसरीन

• बोकारो, शनिवार 1 अगस्त 2026 • वर्ष : 10 • अंक : 76 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो, पटना व औरंगाबाद से प्रकाशित

संक्षिप्त समाचार

सुप्रीम कोर्ट से विनय चौबे को मिली जमानत

रांची(नबिटा ब्यूरो)। शराब घोटाला मामले में राज्य के पूर्व अपर मुख्य सचिव विनय चौबे को सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिल गई है। विनय चौबे करीब एक साल से शराब घोटाले समेत कई मामलों में रांची के बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा में बंद हैं। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश अरविंद कुमार और न्यायाधीश विपुल एम पंचोली की पीठ ने हजारीबाग वन भूमि घोटाला मामले में विनय चौबे की जमानत याचिका पर सुनवाई के बाद यह आदेश दिया है। वह हजारीबाग वन भूमि घाटाले में दर्ज प्राथमिकी 11/2025 में नवंबर 2025 से जेल में हैं।

फिजियोथैरेपिस्ट ने की आत्महत्या

बोकारो(नबिटा ब्यूरो)। सदर अस्पताल में कार्यरत फिजियोथेरेपिस्ट डॉ वीरेंद्र महतो ने बीती रात आत्महत्या कर ली। घटना के बाद पूरे अस्पताल परिसर में सनसनी फैल गई। मौके से एक सुसाइड नोट भी बरामद हुआ है जिसे सिटी थाना पुलिस ने अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। वहीं परिजनों ने आत्महत्या पर सवाल उठाते हुए अस्पताल में साजिश की आशंका जताते हुए मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। जानकारी के अनुसार डॉ वीरेंद्र महतो का शव अस्पताल परिसर में मिला है। फिलहाल पुलिस आत्महत्या के कारणों का पता लगाने में जुटी है।

तेज रफ्तार बाइक से महिला की मौत

गिरिडीह(नबिटा ब्यूरो)। नगर थाना क्षेत्र के कोलड़ीहा में गुरुवार रात तेज रफ्तार बाइक की चपेट में आने से एक महिला की मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल महिला को स्थानीय लोगों की मदद से गिरिडीह सदर अस्पताल पहुंचाया गया जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतका की पहचान कोलडीहा निवासी पप्पू खान की 47 वर्षीय पत्नी रिफत प्रवीण के रूप में हुई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

हाथी के हमले में वृद्ध की मौत

हजारीबाग(नबिटा ब्यूरो)। जिले के चलकुशा थाना क्षेत्र के बेडमक्की गांव में शुक्रवार सुबह हाथियों के हमले में एक वृद्ध की मौत हो गई। मृतक की पहचान 71 वर्षीय शंकर पंडित के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार शंकर पंडित शुक्रवार सुबह शौच के लिए घर से निकले थे। इसी दौरान हाथियों ने उन्हें कुचल दिया जिससे उनकी मौके पर ही मृत्यु हो गई।

युवक की मौत

रामगढ़(नबिटा ब्यूरो)। जिले के पतरातू में अज्ञात वाहन की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। यह हादसा पीवीयूएनएल अस्पताल के सामने हुआ। पुलिस ने घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचकर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। मृतक की पहचान गयाछूरा के रूप में हुई है। वह पीवीयूएनएल के एच कैंटीन में कार्यरत था और सुबह अपनी ड्यूटी पर जा रहा था तभी यह दुर्घटना हुई।

गांवों तक पहुंची डिजिटल भारत की सोच : मंत्री

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड की ग्रामीण विकास, ग्रामीण कार्य एवं पंचायती राज मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) के माध्यम से सरकारी सेवाएं अब गांव-गांव तक पहुंच रही हैं। इससे ग्रामीणों को अपने घर के पास ही विभिन्न सरकारी सुविधाएं मिल रही हैं और समय, धन व श्रम की बचत हो रही है। मंत्री शुक्रवार को हेहल स्थित सेंट्रल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट में आयोजित कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) के 17वें स्थापना दिवस समारोह का उद्घाटन करने के बाद संबोधित कर रही थीं। इस अवसर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले ग्राम स्तरीय उद्यमियों (वीएलई) को सम्मानित किया गया। साथ ही सीएससी ई-स्टोर और झारखंड राज्य आजीविका प्रोत्साहन सोसाइटी (जेएसएलपीएस) के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर भी किए गए। मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि भारत रत्न एवं पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने 21वीं सदी के भारत के लिए डिजिटल विकास की जो परिकल्पना की थी, उसे आगे बढ़ाते हुए यूपीए सरकार के कार्यकाल में कॉमन सर्विस सेंटर जैसी महत्वपूर्ण

पहल शुरू की गई। आज उसका सकारात्मक परिणाम पूरे देश में दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि अब सीएससी और वीएलई के माध्यम से ग्रामीणों को विभिन्न सरकारी सेवाएं उनके घर के निकट उपलब्ध हो रही हैं जिससे लोगों का जीवन अधिक सुविधाजनक हुआ है। मंत्री ने कहा कि सीएससी ई-स्टोर और जेएसएलपीएस के बीच हुए समझौते से ग्रामीण क्षेत्रों के उत्पादों को नया बाजार मिलेगा। उन्होंने बताया कि स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा तैयार उत्पादों की बिक्री ई-कॉमर्स नेटवर्क के माध्यम से की जाएगी। राज्य सरकार 'पलाश' और 'अदिवा' जैसे ब्रांडों को बढ़ावा देकर ग्रामीण महिलाओं की आय बढ़ाने और महिला उद्यमिता को मजबूत करने की दिशा में काम कर रही है। दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि सरकार का लक्ष्य 15 नवंबर तक राज्य की सभी पंचायतों में आधार सेवाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि इसके बाद आधार से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए लोगों को प्रखंड या जिला कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। पंचायत स्तर पर ही अधिकांश सेवाएं उपलब्ध हो जाएंगी। मंत्री ने कहा कि पंचायती राज विभाग और सीएससी मिलकर राज्य सरकार के डिजिटल पंचायत के विजन को साकार करने की दिशा में कार्य कर रहे हैं। बैंकिंग, ई-गवर्नेंस और आधार सेवाओं के पंचायत स्तर तक विस्तार से ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल शासन को नई मजबूती मिलेगी। समारोह में पंचायती राज विभाग की निदेशक राजेश्वरी बी, यूआईडीएआई रांची के निदेशक नीरज कुमार, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के अपर सचिव राज कुमार गुप्ता सहित कई अधिकारी और सीएससी से जुड़े प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

ट्रक ने स्कूटी सवार दंपति को कुचला

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

लोहरदगा। शहर के बरवाटोली में शुक्रवार को दर्दनाक सड़क हादसे में स्कूटी सवार पति-पत्नी की मौके पर ही मौत हो गई। दोनों स्कूटी से अपने रिश्तेदार के घर सेरेंगहातु जा रहे थे। हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन लेकर फरार हो गया। हालांकि पुलिस ने बाद में ट्रक को बीएस कॉलेज स्थित पुलिस पिकेट के पास से बरामद कर लिया। मौके से चालक फरार हो गया है। बताया जाता है कि लोहरदगा सदर थाना क्षेत्र के कुरसे गांव निवासी इम्तियाज अंसारी के पुत्र 24 वर्षीय वारिश अंसारी अपनी पत्नी 21 वर्षीय सानिया खातून के साथ स्कूटी से सेरेंगहातु गांव स्थित अपने साढ़ू अली अंसारी के घर जा रहे थे। इसी दौरान बरवाटोली में साहू साइकिल के समीप एक ट्रक ने उनकी स्कूटी को अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। दुर्घटना के बाद ट्रक चालक वाहन लेकर मौके से

फरार हो गया। बाद में पुलिस ने ट्रक को लोहरदगा-भंडरा रोड पर बीएस कॉलेज स्थित पुलिस पिकेट के पास से जब्त कर लिया। चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। सूचना मिलने के बाद सदर थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और दोनों शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है और फरार ट्रक चालक की तलाश में जुटी है। दोनों की एक साल पहले ही शादी हुई थी और महिला गर्भवती थी। इस घटना से मृतकों के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। इस दर्दनाक हादसे से कुरसे गांव सहित आसपास में शोक की लहर है। सड़क हादसे में युवा दंपति की मौत ने परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया है। पुलिस दुर्घटना के कारणों की जांच के साथ ट्रक चालक के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई में जुटी है।

परीक्षा से जुड़े मामले में जेपीएससी के पूर्व चेयरमैन से फिर शुरू हुई पूछताछ

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड की भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं को लेकर सीआईडी की कार्रवाई जारी है। इस मामले में अब तक 11 गिरफ्तार हो चुके हैं। वहीं 14वीं जेपीएससी पीटी परीक्षा से जुड़े मामले में झारखंड लोक सेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष एल ख्यांग्ते सीआईडी के रडार पर हैं। सीआईडी के समन पर जेपीएससी के पूर्व अध्यक्ष एल ख्यांग्ते तीसरे दिन भी सीआईडी कार्यालय पहुंचे हैं जहां उनसे पूछताछ की जा रही है। इससे पहले एल ख्यांग्ते से लगातार दो दिनों तक पूछताछ की गई थी। झारखंड लोक सेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष एल ख्यांग्ते से शुक्रवार को भी सीआईडी की टीम पूछताछ कर रही है। सीआईडी परीक्षा संचालन, टेंडर आवंटन और कथित गड़बड़ियों से जुड़े कई अहम बिंदुओं पर एल ख्यांग्ते से पूछताछ कर रही है। सीआईडी अफसरों के अनुसार जांच का फोकस इस बात पर है कि टीडीपीएल को परीक्षा संचालन का जिम्मा किन परिस्थितियों में दिया गया। सीआईडी यह भी जानना चाहती है कि यदि एजेंसी को ब्लैक लिस्ट कर दिया गया था तो उसे जेपीएससी जैसी संवैधानिक चयन संस्था की परीक्षा का टेंडर कैसे मिला। इसके अलावा परीक्षा प्रक्रिया की निगरानी, ओएमआर शीट में कथित हेराफ़ेरी रोकने के लिए उठाए गए कदम और शिकायतों पर कार्रवाई जैसे मुद्दों पर भी लगातार दूसरे दिन पूर्व अध्यक्ष से जवाब मांगा जा रहा है। पूरे मामले में जांच के दायरे में परीक्षा संचालन एजेंसी टीडीपीएल का कार्यालय भी है जहां से परीक्षा प्रक्रिया से जुड़े दस्तावेज और अन्य रिकॉर्ड जब्त किए गए हैं। वहीं जेपीएससी कार्यालय से भर्ती परीक्षाओं से संबंधित दस्तावेज, ओएमआर शीट और डिजिटल साक्ष्य भी सीआईडी ने अपने कब्जे में लिए हैं।

सरकारी तालाब के नाले से दंपति का शव बरामद

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

चाईबासा। पश्चिमी सिंहभूम जिले के कुमारडुंगी थाना क्षेत्र में पति-पत्नी के शव बरामद हुए हैं। गांडकीदा गांव के बिश्रामपुर टोला निवासी डोंका सिंकु (44) और उनकी पत्नी गोरवारी सिंकु (42) के शव शुक्रवार सुबह एक सरकारी तालाब के नाले से मिले। दोनों के सिर पर धारदार हथियार से वार के निशान पाए गए हैं। पुलिस ने इसे प्रथम दृष्टया हत्या का मामला मानते हुए जांच शुरू कर दी है। यह घटना गुरुवार शाम की बताई जा रही है जिसका खुलासा शुक्रवार सुबह हुआ। ग्रामीण जब शौच के लिए सरकारी तालाब के पास पहुंचे तो उन्होंने तालाब के नाले में लगभग 20 फीट की दूरी पर पति-पत्नी का शव देखा। ग्रामीणों ने तत्काल गांव के मुंडा कमल किशोर हेम्ब्रम को इसकी सूचना दी। मुंडा ने फिर कुमारडुंगी थाना पुलिस को मामले से अवगत कराया। सूचना मिलते ही कुमारडुंगी थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल, चाईबासा भेजने की प्रक्रिया शुरू की। घटनास्थल पर इंस्पेक्टर और अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी रफायल मुर्मू भी मौजूद थे जिन्होंने बारीकी से निरीक्षण किया। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ कर साक्ष्य जुटाने का काम भी शुरू कर दिया है। प्रारंभिक जांच में दोनों की हत्या धारदार हथियार से किए जाने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि हत्या के पीछे का वास्तविक कारण अभी स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस पारिवारिक विवाद, आपसी रंजिश और अन्य संभावित पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। इस दोहरे हत्याकांड से इलाके में तनाव का माहौल है। ग्रामीण जल्द से जल्द आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं। पुलिस ने बताया कि मामले के हर पहलू की गहन जांच की जा रही है और जल्द ही घटना का खुलासा किया जाएगा।

कार-स्कूटी की टक्कर में तीन लोगों की मौत

सिमडेगा(नबिटा ब्यूरो)। जिले के ठेठईटांगर थाना क्षेत्र के टुकूपानी में एक कार और स्कूटी की भीषण टक्कर में दो महिलाओं और एक बच्ची सहित तीन लोगों की मौत हो गई। इस घटना से इलाके में हड़कंप मच गया। पुलिस के अनुसार टापूडेगा निवासी गीता देवी अपनी स्कूटी पर एक बच्ची और एक अन्य महिला को लेकर कोनमेजरा की ओर जा रही थीं। इसी दौरान, सिमडेगा से राउरकेला की तरफ जा रही एक तेज रफ्तार कार ने टुकूपानी के पास गलत दिशा में आकर स्कूटी को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद कार सड़क किनारे एक पेड़ से जा टकराई। हादसे में स्कूटी सवार गीता देवी, बच्ची संजीता कुमारी और मंगरी देवी गंभीर रूप से घायल हो गईं। स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को सदर अस्पताल पहुंचाया गया। अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने गीता देवी को मृत घोषित कर दिया। इलाज के दौरान बच्ची संजीता कुमारी ने भी दम तोड़ दिया। कुछ देर बाद तीसरी घायल महिला मंगरी देवी की हालत बिगड़ने पर उन्हें रेफर किया गया लेकिन रास्ते में उनकी भी मौत हो गई। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त कार और स्कूटी को जब्त कर लिया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि सिमडेगा से आ रही तेज रफ्तार कार के चालक ने नियंत्रण खो दिया था जिसके कारण वह गलत दिशा में चला गया और स्कूटी को टक्कर मार दी। घटना के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश पुलिस कर रही है।

भाजपा सांसदों ने संसद परिसर में किया मौन उपवास

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची/नई दिल्ली। झारखंड में जेपीएससी,जेएसएससी-सीजीएल, उत्पाद सिपाही भर्ती परीक्षा समेत कई भर्ती परीक्षाओं में कथित गड़बड़ियों और पेपर लीक मुद्दे पर झारखंड भाजपा के सांसदों ने शुक्रवार को संसद भवन परिसर में महात्मा गांधी की प्रतिमा के सामने एक घंटे का मौन उपवास किया। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदित्य साहू के नेतृत्व में सुबह 10 बजे से 11 बजे तक चले इस कार्यक्रम में भाजपा सांसदों ने भर्ती परीक्षाओं की सीबीआई जांच की मांग दोहराई और कहा कि छात्रों और युवाओं के साथ हुए अन्याय के खिलाफ उनकी लड़ाई जारी रहेगी। मौन उपवास के बाद मीडिया से बातचीत में आदित्य साहू ने कहा कि भाजपा झारखंड के छात्रों और युवाओं के साथ पूरी मजबूती से खड़ी है।

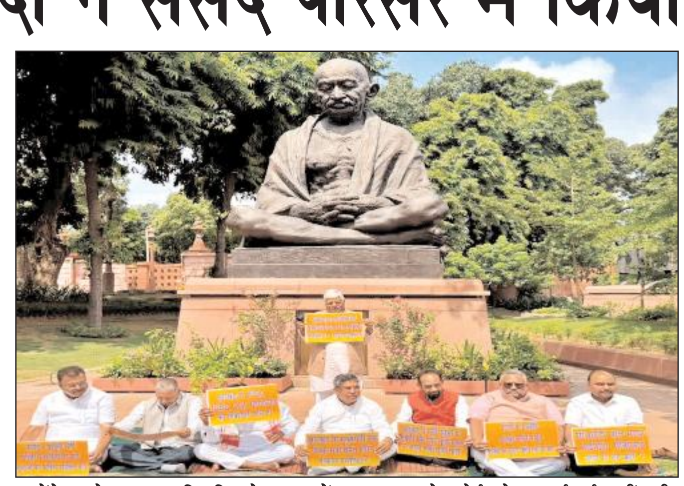

उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले 6 सालों से झारखंड में कांग्रेस के समर्थन से सरकार चल रही है। इस दौरान राज्य में हुई कई भर्ती परीक्षाओं में लगातार अनियमितताओं और पेपर लीक की घटनाएं सामने आई हैं लेकिन राज्य सरकार ने कोई ठोस कार्रवाई नहीं की। उन्होंने कहा कि जेपीएससी,जेएसएससी-सीजीएल और उत्पाद सिपाही भर्ती समेत सभी विवादित मामलों की एउक्र से जांच कराई जानी चाहिए। आदित्य साहू ने यह भी घोषणा की छात्रों के आंदोलन के समर्थन में आज1 अगस्त को सभी जिलों में भाजपा धरना देगी। उन्होंने कहा कि उद्देश्य यह संदेश देना है कि झारखंड के छात्र अपनी लड़ाई में अकेले नहीं हैं और भाजपा उनके साथ हर कदम पर खड़ी है। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए आदित्य साहू ने कहा कि जो पार्टी दिल्ली में अलग-अलग मुद्दों पर जोरदार प्रदर्शन करती है वही झारखंड में भर्ती परीक्षाओं में कथित घोटालों पर चुप्पी साधे हुए है। उन्होंने इसे कांग्रेस की दोहरी राजनीति बताते हुए कहा कि भाजपा इस मुद्दे को लगातार उठाती रहेगी और जब तक छात्रों को पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया एवं न्याय नहीं मिलेगा तब तक आंदोलन जारी रहेगा। संसद परिसर में हुए इस मौन उपवास में भाजपा सांसद बीडी राम, विद्युत वरण महतो, डॉ. प्रदीप वर्मा, ढुल्लू महतो, मनीष जायसवाल और कालीचरण सिंह भी शामिल रहे।

मलेरिया से दो बच्चों की मौत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

चाईबासा। पश्चिमी सिंहभूम जिले के नोवामुंडी प्रखंड में मलेरिया का प्रकोप जारी है। यहां एक सप्ताह के भीतर दो बच्चों की मौत हो गई है जबकि ताड़ेया गांव के हमसदा टोला में कई अन्य बच्चे अभी भी संक्रमित हैं। यह घटना आनंदपुर प्रखंड में पहले से जारी मलेरिया के मामलों के बाद सामने आई है। जानकारी के अनुसार 24 जुलाई को दो वर्षीय दामू सिरका की मलेरिया से मौत हो गई थी। इसके चार दिन बाद 28 जुलाई को ढाई वर्षीय रासी सिरका ने भी इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। ग्रामीणों के मुताबिक दोनों बच्चों की तबीयत बिगड़ने पर गांव की स्वास्थ्य सहिया ने मेडिकल किट से जांच की थी जिसमें उनमें मलेरिया संक्रमण की पुष्टि हुई थी। ग्रामीणों का कहना है कि गांव में अब भी आधा दर्जन से अधिक बच्चे बुखार और मलेरिया से पीड़ित हैं। गुरुवार को स्वास्थ्य विभाग की एक टीम ने गांव का दौरा किया और 10 लोगों की जांच की। इस जांच में एक ही परिवार के तीन सदस्य मलेरिया पॉजिटिव पाए गए जिनका इलाज शुरू कर दिया गया है। लगातार सामने आ रहे मामलों के कारण ग्रामीणों में चिंता का माहौल है। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग से गांव में नियमित मेडिकल कैंप लगाने, दवाएं और मच्छरदानियां उपलब्ध कराने तथा फॉगिंग कराने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय पर प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो स्थिति और गंभीर हो सकती है। स्वास्थ्य विभाग की टीम गांव में निगरानी कर रही है और बुखार से पीड़ित लोगों की जांच के साथ आवश्यक दवाएं उपलब्ध करा रही है। अधिकारियों ने बताया कि मलेरिया की रोकथाम के लिए सर्वेक्षण, जांच और उपचार अभियान तेज कर दिया गया है, ताकि संक्रमण को फैलने से रोका जा सके।

युवाओं को स्वरोजगार के नए अवसर प्रदान करेगा यह प्रशिक्षण : अशोक कुमार सहगल

पीवीयूएनएल प्रायोजित ट्रांसफॉर्मर रिपेयर एवं मेंटेनेंस प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन समारोह आयोजित

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पतरातू(रामगढ़)। पतरातू विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (पीवीयूएनएल) द्वारा प्रायोजित चार माह के आवासीय ट्रांसफॉर्मर रिपेयर एवं मेंटेनेंस प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन समारोह जमशेदपुर स्थित जेएनटीवीटीआई में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पीवीयूएनएल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) अशोक कुमार सहगल ने समारोह की अध्यक्षता करते हुए सफल प्रशिक्षुओं को प्रमाण-पत्र प्रदान किए तथा उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। आस पास के गाँव से चयनित 20 वॉलंटियर्स को सेलेक्ट कर के भेजा गया था जिसमे हर महीने 9000 स्टाइपेंड भी पीवीयूनएल की तरफ़ से दिया गया था। चार महीने के ट्रेनिंग के बाद समापन समारोह किया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम पीवीयूएनएल की सामुदायिक विकास पहल के अंतर्गत संचालित किया गया, जिसका उद्देश्य झारखंड सरकार के उस विजन को

साकार करना है जिसके तहत विद्युत वितरण एवं आपूर्ति के क्षेत्र में कुशल मानव संसाधन की उपलब्धता सुनिश्चित करते हुए कौशल अंतराल को कम किया जा सके। पीवीयूएनएल भविष्य में भी राज्य के समग्र विकास एवं युवाओं के कौशल संवर्धन हेतु ऐसे जनहितकारी कार्यक्रमों के माध्यम से सक्रिय सहयोग जारी रखेगा। अपने संबोधन में सीईओ अशोक कुमार सहगल ने सभी प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण करने पर बधाई देते हुए कहा कि वे अपने अर्जित ज्ञान एवं तकनीकी कौशल का उपयोग समर्पण, अनुशासन और ईमानदारी के साथ करें तथा आत्मनिर्भर एवं सफल भविष्य का निर्माण करें। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह प्रशिक्षण युवाओं के लिए बेहतर रोजगार एवं स्वरोजगार के नए अवसर प्रदान करेगा और राज्य के विद्युत क्षेत्र को भी सुदृढ़ बनाएगा। समारोह में टाटा स्टील की चीफ लर्निंग एंड डेवलपमेंट एवं चीफ डाइवर्सिटी ऑफिसर सुश्री जया सिंह पांडा सहित जेएनटीवीटीआई के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित रहे। पीवीयूएनएल की ओर से मानव संसाधन प्रमुख (एचओएचआर) ज़ियाउर रहमान सहित कोठामासु सुरेश, अमर दयाल सिंह एवं संतोष कुमार सिंह ने भी कार्यक्रम में सहभागिता की।

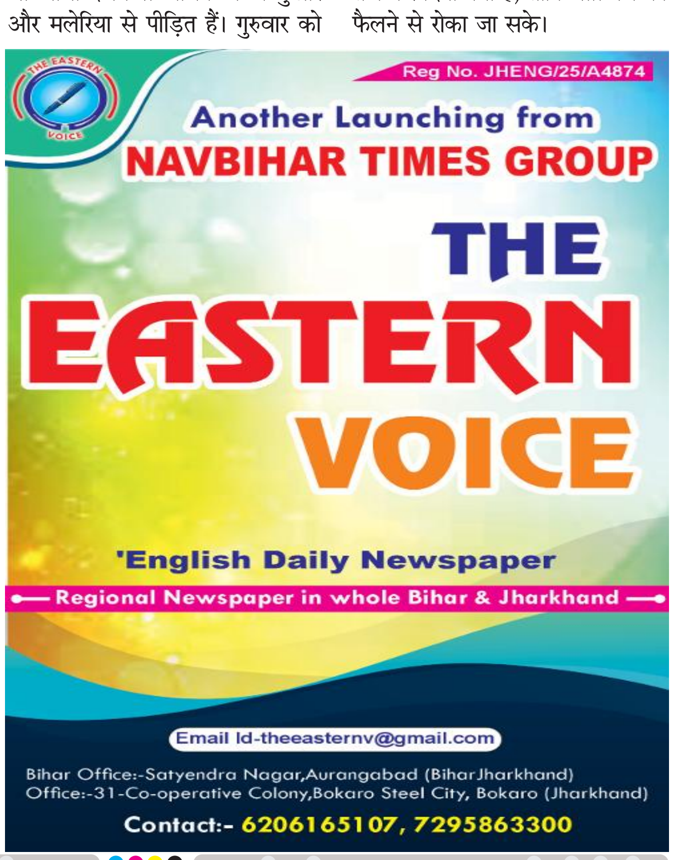

C M Y K

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत पौधारोपण, साइबर व बाल संरक्षण कार्यशाला

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय जमुआ में शुक्रवार को जिला समाज कल्याण शाखा गिरिडीह द्वारा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ बीबीबीपी अभियान के तहत पौधारोपण साइबर जागरूकता एवं बाल संरक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया कार्यक्रम में विद्यालय की छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया कार्यक्रम की शुरूआत विद्यालय परिसर में पौधारोपण से हुई छात्राओं एवं अधिकारियों ने पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया तथा पौधों की देखभाल का संकल्प लिया वक्ताओं ने कहा कि जिस प्रकार पौधों का संरक्षण आवश्यक है उसी प्रकार प्रत्येक बालिका की शिक्षा सुरक्षा और सशक्तिकरण भी समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है

इसके बाद आयोजित साइबर जागरूकता कार्यशाला में छात्राओं को ऑनलाइन ठगी फर्जी कॉल फर्जी लिंक साइबर बुलिंग सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग तथा ओटीपी साझा नहीं करने जैसी महत्वपूर्ण जानकारियां दी गई साथ ही मजबूत पासवर्ड के इस्तेमाल निजी जानकारी सुरक्षित रखने और साइबर अपराध होने पर 1930 साइबर हेल्पलाइन एवं राष्ट्रीय साइबर अपराध पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया से भी अवगत कराया गया कार्यशाला में बाल विवाह बाल मजदूरी मानव तस्करी बाल अधिकार एवं बच्चों की सुरक्षा से जुड़े विषयों पर भी विस्तार से जानकारी दी गई छात्राओं को किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना संबंधित विभाग एवं चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 पर देने के लिए प्रेरित किया गया इस दौरान बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना सहित महिला एवं बाल विकास विभाग की विभिन्न योजनाओं की जानकारी भी दी गई और छात्राओं को शिक्षा सुरक्षा तथा आत्मनिर्भरता के लिए प्रेरित किया गया कार्यक्रम में जिला समाज कल्याण शाखा के बिक्कु कुमार यादव विकास कुमार नीलम मंडल एवं अर्चना कुमारी उपस्थित रहे। उन्होंने छात्राओं से पर्यावरण संरक्षण सुरक्षित डिजिटल व्यवहार अपनाने तथा बाल विवाह बाल मजदूरी और मानव तस्करी जैसी सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ जागरूक रहने की अपील की कार्यक्रम के अंत में छात्राओं ने पौधों के संरक्षण पर्यावरण संवर्धन साइबर सुरक्षा बाल विवाह एवं बाल मजदूरी उन्मूलन मानव तस्करी की रोकथाम और बालिका सशक्तिकरण का सामूहिक संकल्प लिया।

13 अगस्त तक पूरी होंगी स्वतंत्रता दिवस की सभी तैयारियां

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। स्वतंत्रता दिवस समारोह को भव्य, गरिमामय और सुव्यवस्थित बनाने के लिए जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी रामनिवास यादव की अध्यक्षता में शुक्रवार को समाहरणालय सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक में सभी विभागों को 13 अगस्त तक आवश्यक तैयारियां पूरी करने का निर्देश दिया गया बैठक में बताया गया कि 15 अगस्त को सुबह 9 बजे झंडा मैदान में जिला स्तरीय मुख्य समारोह आयोजित होगा, जिसमें 12 परेड टुकड़ियां हिस्सा लेंगी। परेड का नियमित पूर्वाभ्यास 9 से 13 अगस्त तक कराया जाएगा। वहीं सुबह 7 बजे प्रभात फेरी तथा शाम 5 बजे नगर भवन में भव्य सांस्कृतिक संध्या का आयोजन होगा उपायुक्त ने झंडा मैदान की साफ सफाई रंग रोगन मंच बैरिकेडिंग पेयजल मेडिकल टीम एंबुलेंस अग्निशमन वाहन और अन्य नागरिक सुविधाओं की समय पर व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। नगर निगम को प्रमुख चौक चौराहों और महापुरुषों की प्रतिमाओं की सफाई एवं सौंदर्यीकरण का कार्य शीघ्र पूरा करने को कहा गया स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर स्वतंत्रता सेनानियों शहीदों के परिजनों झारखंड आंदोलनकारियों प्रगतिशील किसानों उत्कृष्ट चिकित्सकों स्वयं सहायता समूह एसएचजी की महिलाओं तथा विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले व्यक्तियों को सम्मानित किया जाएगा इसके अलावा उत्पाद विभाग को 15 अगस्त को ड्राई डे का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करते हुए जिले में शराब बिक्री पूर्णत प्रतिबंधित रखने का निर्देश दिया गया बैठक में उप विकास आयुक्त स्मृता कुमारी नगर आयुक्त विजय सिंह बीरूआ अपर समाहर्ता वैभव कुमार सिंह एसडीएम धीरेंद्र कुमार सहित सभी संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

बकिया सुखाय में गंगा का कटाव तेज, 55 एकड़ जमीन नदी में समाई

बरारी/कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। प्रखंड के बकिया सुखाय पंचायत क्षेत्र में गंगा नदी का कटाव लगातार तेज होता जा रहा है। कटाव की रफ्तार से किसानों और ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों का आरोप है कि काढ़ागोला बाढ़ नियंत्रण विभाग की ओर से कटाव रोकने के लिए अब तक कोई प्रभावी पहल नहीं की गई है।जिससे स्थिति दिन-प्रतिदिन गंभीर होती जा रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार कटाव की वजह से अब तक करीब 55 एकड़ कृषि भूमि गंगा नदी में

समा चुकी है।इसमें बड़ी मात्रा में लगी मक्के की फसल भी बर्बाद हो गई है।किसानों को लाखों रुपये के नुकसान की आशंका है।लगातार हो रहे कटाव से आसपास के ग्रामीणों में भविष्य को लेकर चिंता बढ़ गई है।बकिया सुखाय पंचायत के उप मुखिया शेख हिदायत तथा समाजसेवी उपेंद्र राय ने बताया कि यदि समय रहते कटाव निरोधी कार्य शुरू नहीं किया गया तो बकिया गांव भी कटाव की चपेट में आ सकता है।उन्होंने कहा कि गंगा नदी का कटाव तेजी से आबादी की ओर बढ़ रहा है।जिससे लोगों में भय का माहौल बना हुआ है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि कई बार संबंधित अधिकारियों को स्थिति से अवगत कराया गया।लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।उनका कहना है कि समय पर बचाव कार्य शुरू नहीं होने से हर दिन उपजाऊ जमीन नदी में विलीन होती जा रही है।ग्रामीणों ने स्थानीय विधायक विजय सिंह निषाद एवं कटिहार के जिलाधिकारी से अविलंब हस्तक्षेप कर बाढ़ नियंत्रण विभाग को कटाव रोकने के लिए आवश्यक सुरक्षात्मक कार्य शुरू कराने की मांग की है।ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो बकिया गांव का अस्तित्व भी खतरे में पड़ सकता है।

बागेश्वरी गुमटी के पास आरओबी निर्माण में बाधा, जर्जर पुलिया क्षतिग्रस्त

गया (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। बागेश्वरी गुमटी के पास निमार्णाधीन रेल ओवर ब्रिज (आरओबी) परियोजना के कार्य में गुरुवार देर रात उस समय बाधा आ गई, जब निर्माण कंपनी के प्लांट सह बेस कैंप कार्यालय से जुड़े मार्ग पर स्थित एक पुरानी और जर्जर पुलिया भारी वाहनों के दबाव से क्षतिग्रस्त हो गई। जानकारी के अनुसार स्टोन चिप्स से लदे भारी वाहनों के लगातार आवागमन के कारण पुलिया टूट गई। घटना की जानकारी मिलते ही निर्माण कंपनी ने बड़े ह्यूम पाइप डालकर अस्थायी मार्ग तैयार कराया, जिससे वाहनों का आवागमन फिर से सुचारू हो सका। प्रोजेक्ट मैनेजर संजय कुमार वर्मा ने बताया कि पुलिया काफी पुरानी थी और भारी दबाव के कारण क्षतिग्रस्त हो गई। उन्होंने कहा कि मरम्मत का कार्य तत्काल शुरू करा दिया गया है तथा शुक्रवार शाम से आरओबी का निर्माण कार्य दोबारा शुरू कर दिया जाएगा। इधर, बागेश्वरी रोड पर पिलर के फाउंडेशन निर्माण के दौरान जलापूर्ति पाइप लाइन भी क्षतिग्रस्त हो गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पाइप टूटने से कई घरों में पानी की आपूर्ति बाधित हो गई है। निर्माण कंपनी ने पाइप लाइन की जल्द मरम्मत कराने का आश्वासन दिया है। निर्माण कंपनी से जुड़े लोगों ने बताया कि निर्माण स्थल के आसपास अतिक्रमण और ई-रिक्शा का अवैध पड़ाव भी कार्य में बाधा बन रहा है। कंपनी ने जिला प्रशासन से अतिक्रमण हटाने और अवैध पड़ाव पर कार्रवाई करने की मांग की है, ताकि रेल ओवर ब्रिज का निर्माण कार्य निर्धारित समय पर पूरा किया जा सके।

बस स्टैंड नहीं होने से राहगीर और यात्री परेशान, सड़क पर ही लग रहीं बसें

डुमरिया/गया (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। डुमरिया प्रखंड मुख्यालय में स्थायी बस स्टैंड नहीं होने के कारण आम लोगों को प्रतिदिन भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बस, टेंपो और टोटो चालक खुलेआम मुख्य सड़क पर ही अपने वाहन खड़े कर यात्रियों को बैठाते और उतारते हैं, जिससे सड़क पर अक्सर जाम की स्थिति बन जाती है। यात्रियों को सड़क किनारे खड़े होकर वाहन का इंतजार करना पड़ता है, वहीं राहगीरों और अन्य वाहन चालकों को भी आवागमन में कठिनाई होती है। सड़क पर अव्यवस्थित तरीके से वाहनों

के खड़े रहने से दुर्घटना की आशंका भी बनी रहती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई वर्षों से बस स्टैंड निर्माण की मांग की जा रही है, लेकिन अब तक इस दिशा में कोई ठोस पहल नहीं की गई है। स्थानीय नागरिकों ने जिला प्रशासन एवं संबंधित विभाग से जल्द से जल्द डुमरिया में एक व्यवस्थित बस स्टैंड का निर्माण कराने की मांग की है। ताकि यातायात व्यवस्था सुचारु हो सके और लोगों को रोजाना होने वाली परेशानी से राहत मिल सके।

मास्टर सोबरन मांझी जिला पुस्तकालय को मिलेगा नया स्वरूप

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत की अध्यक्षता में शुक्रवार को समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में मास्टर सोबरन मांझी जिला पुस्तकालय, पलामू की प्रबंधन समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में पुस्तकालय के सुचारु संचालन, आधुनिकीकरण, आधारभूत संरचना के विकास एवं पाठकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा करते हुए आवश्यक निर्णय लिए गए। बैठक की शुरूआत पिछली बैठक की कार्यवाही की पुष्टि के साथ हुई। इसके बाद समिति ने पुस्तकालय में एक पद पर आउटसोर्सिंग के माध्यम

से नियुक्ति किए जाने के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की, ताकि पुस्तकों का वर्गीकरण एवं सूचीकरण कार्य अधिक व्यवस्थित एवं प्रभावी ढंग से किया जा सके। बैठक के दौरान यह जानकारी दी गई कि राष्ट्रीय मिशन ऑन लाइब्रेरीज, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा मास्टर सोबरन मांझी जिला पुस्तकालय, पलामू को मॉडल लाइब्रेरी के रूप में विकसित करने के लिए 87 लाख की राशि स्वीकृत कर उपलब्ध करा दी गई है। उपायुक्त श्री शेखावत ने निर्देश दिया कि राशि का उपयोग पूरी पारदर्शिता एवं गुणवत्ता के साथ किया जाए। उन्होंने कहा कि स्वयं पुस्तकालय का निरीक्षण करने के उपरांत कार्ययोजना को अंतिम स्वीकृति प्रदान की जाएगी, ताकि विकास कार्य समयबद्ध तरीके से प्रारंभ हो सके। बैठक में पुस्तकालय परिसर में 25 ड्श्अ रूफटॉप सोलर प्लांट स्थापित करने के प्रस्ताव पर भी चर्चा हुई। उपायुक्त ने संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश दिए, जिससे पुस्तकालय को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाया जा सके।उपायुक्त श्री शेखावत ने कहा कि आधुनिक सुविधाओं से युक्त पुस्तकालय विद्यार्थियों, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले युवाओं एवं शोधार्थियों के लिए ज्ञान का सशक्त केंद्र बनेगा। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ योजनाओं को समयबद्ध ढंग से क्रियान्वित करने का निर्देश दिया। बैठक में उप विकास आयुक्त सादात अनवर, सदर अनुमंडल पदाधिकारी संजय पांडे, सहायक समाहर्ता (प्रशिक्षु आईएएस) ऋत्विक मेहता, जिला शिक्षा पदाधिकारी संदीप कुमार, सूचना विज्ञान पदाधिकारी, रणवीर सिंह, पुस्तकालयाध्यक्ष मंजीत सिन्हा, भवन निर्माण विभाग के प्रतिनिधि तथा नगर निगम एवं अन्य संबंधित विभागों के पदाधिकारी एवं समिति के सदस्य उपस्थित थे।

मदरसा शिक्षकों को पांच महीनों से नहीं मिला वेतन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बारसोई (कटिहार)। बारसोई प्रखंड क्षेत्र स्थित सरकारी मदरसों में कार्यरत मदरसा शिक्षकों को पांच महीने से वेतन का भुगतान नहीं हुआ है। इसके चलते क्षेत्र के मदरसा शिक्षकों के समक्ष बड़ी आर्थिक तंगी की समस्या उत्पन्न हो गयीं हैं। पांच महीनों से वेतन के लाले पड़े रहने से मदरसा शिक्षकों को जीवन यापन करना मुहाल हो गया है। उनके परिवार वाले आर्थिक कठनाइयों से जूझ रहे हैं। इस संबंध में ऑल मदरसा युवा शिक्षक संघ जिला इकाई कटिहार के सचिव नकिब इस्लाम तथा ऑल बिहार मदरसा टीचर्स एंड वेलफेयर एसोसिएशन के जिला सचिव शम्स तबरेज ने बताया कि जांच के नाम पर सूबे के समस्त मदरसा शिक्षकों को मार्च माह से ही वेतन से महरूम रखा गया है जो कि बेहद ही चिंतजानक है। लंबे समय से वेतन से महरूम रहने से मदरसा शिक्षक मानसिक तनाव से जूझ रहे हैं बावजूद इसके सभी मदरसा शिक्षक अब भी पूरी ईमानदारी के साथ सेवा दे रहे हैं।मदरसा शिक्षकों के हित में नकिब इस्लाम एवं शम्स तबरेज ने शिक्षा विभाग व राज्य सरकार से अविलम्ब वेतन भुगतान की मांग की है।

मनातू में अवैध अल्ट्रासाउंड केंद्र पर जिला प्रशासन का छापा, केंद्र सील

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। पलामू जिला प्रशासन ने अवैध चिकित्सीय गतिविधियों के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई करते हुए मनातू में संचालित एक अवैध अल्ट्रासाउंड केंद्र पर छापेमारी कर उसे सील कर दिया।सदर अनुमंडल पदाधिकारी संजय पांडे के नेतृत्व में गुरुवार को गठित टीम ने जब केंद्र पर दबिश दी तो मुख्य द्वार पर ताला लटका मिला। केंद्र संचालक से संपर्क का प्रयास किया गया, लेकिन उसका मोबाइल स्विच ऑफ मिला। भवन मालिक द्वारा सूचना दिए जाने के बावजूद संचालक मौके पर नहीं पहुंचा। विधिसम्मत प्रक्रिया का पालन करते हुए

प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में केंद्र का ताला खुलवाकर निरीक्षण किया गया। कार्रवाई के दौरान अल्ट्रासाउंड मशीन, मरीजों के अभिलेख, रजिस्टर तथा अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेज बरामद किए गए। पूरी कार्रवाई की वीडियोग्राफी भी कराई गयी।प्रारंभिक जांच में उपलब्ध भौतिक साक्ष्यों एवं अभिलेखों से प्रथम दृष्टया बिना वैध अनुमति के अल्ट्रासाउंड केंद्र का संचालन किए जाने के प्रमाण मिले हैं। रजिस्टरों के अवलोकन से यह भी संकेत मिला कि केंद्र पर पिछले कई महीनों से अनधिकृत रूप से अल्ट्रासाउंड किए जा रहे थे।निरीक्षण टीम में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, मनातू के चिकित्सा पदाधिकारी, थाना प्रभारी मनातू, प्रखंड विकास पदाधिकारी-सह-अंचल अधिकारी सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।जिला प्रशासन ने संबंधित संचालक के विरुद्ध ढउ & ढठउ़ठ अ़ू३, 1994 की सुसंगत धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। साथ ही पूरे मामले की विस्तृत जांच भी की जा रही है ताकि यदि इस अवैध गतिविधि में अन्य लोगों की संलिप्तता सामने आती है तो उनके विरुद्ध भी नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जा सके।

मनिहारी स्टेशन के उन्नयन कार्य की धीमी रफ्तार पर डीआरएम नाराज

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनिहारी (कटिहार)। कटिहार रेल मंडल के मंडल के डीआरएम किरेन्द्र नरह ने शुक्रवार को मनिहारी रेलवे स्टेशन एवं रेलवे कॉलोनी का निरीक्षण कर चल रहे विकास एवं उन्नयन कार्यों की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान निर्माण कार्य की धीमी प्रगति पर उन्होंने नाराजगी जताते हुए संबंधित निर्माण एजेंसी एवं रेल अधिकारियों को गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय सीमा के भीतर कार्य पूरा कराने का निर्देश दिया। डीआरएम ने स्टेशन परिसर में साफ-सफाई, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था तथा यात्रियों की सुरक्षा व्यवस्था का भी जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को इन सभी व्यवस्थाओं को बेहतर बनाए

रखने और यात्रियों को हर संभव सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान रेलवे ट्रैक के किनारे हुए अतिक्रमण पर डीआरएम ने कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने संबंधित आईडब्ल्यू वर्क्स शाखा के अधिकारियों को फटकार लगाते हुए शीघ्र कार्रवाई करने का निर्देश दिया। साथ ही केटी-11 रेलवे फाटक के समीप बने अतिक्रमण को तत्काल हटाने के आदेश दिए।इसके बाद डीआरएम ने रेलवे कॉलोनी का भी निरीक्षण किया। उन्होंने रेलवे क्वार्टरों में अवैध रूप से रह रहे लोगों की जांच कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिया।सावन माह में मनिहारी गंगा स्नान के लिए रेल मार्ग से आने वाले श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या के संबंध में पूछे जाने पर डीआरएम ने कहा कि भीड़ प्रबंधन के लिए रेलवे ने व्यापक कार्ययोजना तैयार की है। स्थानीय प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित कर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि पूर्व वर्षों की भांति इस वर्ष भी सावन के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विशेष ट्रेनों का परिचालन किया जा रहा है। पिछले वर्षों के अनुभवों के आधार पर भीड़ नियंत्रण, सुरक्षा और यात्रियों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए रेलवे ने पर्याप्त तैयारियां की हैं, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

एनएच-139 अरवल फोरलेन बाईपास निर्माण के लिए निविदा जारी : मनोज शर्मा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

अरवल। एनएच-139 अरवल फोरलेन बाईपास निर्माण परियोजना की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय (एमओआरटीएच) ने सभी आवश्यक प्रक्रियाएं और बाधाएं दूर होने के बाद परियोजना के निर्माण के लिए शुक्रवार को निविदा जारी कर दी है। इससे लंबे समय से प्रतीक्षित फोरलेन बाईपास निर्माण का मार्ग प्रशस्त हो गया है। अरवल के विधायक मनोज शर्मा ने इसे जिले के विकास के लिए ऐतिहासिक कदम बताते हुए कहा कि बाईपास के निर्माण से यातायात व्यवस्था में सुधार होगा, शहर में वाहनों का दबाव कम होगा और क्षेत्र के आर्थिक एवं आधारभूत ढांचे को मजबूती मिलेगी। मनोज शर्मा ने इस परियोजना के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी, बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी तथा बिहार सरकार के पथ निर्माण मंत्री ई. कुमार शैलेन्द्र के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सभी के सहयोग और प्रयासों से परियोजना को आगे बढ़ाने में सफलता मिली है। परियोजना के लिए निविदा जारी होने के साथ ही निर्माण कार्य शुरू होने की प्रक्रिया तेज होने की उम्मीद है।

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के लिए नगर निगम का अभियान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। नगर निगम कटिहार की ओर से ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम - 2026 के प्रभावी अनुपालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बाटा चौक से न्यू मार्केट होते हुए गुरुद्वारा तक विशेष स्वच्छता एवं प्रवर्तन अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान सार्वजनिक स्थानों पर कचरा फैलाने

तथा स्वच्छता नियमों का उल्लंघन करने वाले व्यक्तियों एवं प्रतिष्ठानों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए कुल ₹1,700 का जुमार्ना वसूला गया। साथ ही आम नागरिकों एवं दुकानदारों से अपील की गई कि वे निर्धारित स्वच्छता नियमों का पालन करें। कचरे का उचित निस्तारण करें तथा नगर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखने में नगर निगम का सहयोग करें। इस अभियान में सहायक अभियंता विवेक कुमार,एपीएसडब्ल्यूएमओ पदाधिकारी नूर अली खान, कनीय अभियंता अजय कुमार सिंह सहित नगर निगम के अन्य पदाधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। नगर निगम ने स्पष्ट किया कि स्वच्छता नियमों के उल्लंघन के विरुद्ध आगे भी नियमित रूप से ऐसे अभियान जारी रहेंगे।

डीएम ने छह सदस्यीय टीम के साथ महानंदा रिंग बांध का किया निरीक्षण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

अमदाबाद /कटिहार। भूमि अधिग्रहण एवं मुआवजा भुगतान के मामले में जिला पदाधिकारी आशुतोष द्विवेदी ने छह सदस्यीय टीम के साथ भोलामारी स्थित महानंदा रिंग बांध का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने किसानों की समस्याएं सुनीं और भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया में तेजी लाने का भरोसा दिया। विगत 10 वर्ष पूर्व पुराना बांध महानंदा नदी में कट जाने के कारण विभाग द्वारा भूमि अधिग्रहण कर नया रिंग बांध का निर्माण कराया था। एवं विभाग के द्वारा यह आश्वासन दिया गया था कि बहुत जल्द मुआवजा दिया जाएगा। हालांकि, एक दशक बीत जाने के बावजूद किसानों को अब तक मुआवजा नहीं मिला।मुआवजा नहीं मिलने से नाराज किसानों ने मिलकर बांध पर बन रही पक्की सड़क का कार्य रोक दिया है।निरीक्षण के दौरान डीएम ने बताया कि भूमि अधिग्रहण

के मामले में एसआईए की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। छह सदस्यीय टीम द्वारा स्थल का निरीक्षण किया गया है और जल्द ही रिपोर्ट भेजी जाएगी। अधिसूचना जारी होने के बाद विशेष शिविर लगाकर आवश्यक दस्तावेजों की जांच की जाएगी तथा मुआवजा भुगतान की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूरा किया जाएगा।

चोरी की नीयत से घर में घुसे युवक की पिटाई से मौत

मृतक पर नशे का आदि होने का आरोप

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गयाजी। गया जिले के शेरघाटी थाना क्षेत्र के झौर गांव में गुरुवार की रात चोरी की नीयत से एक घर में घुसे कथित बदमाश युवक की ग्रामीणों द्वारा की गई पिटाई से बाद मौत हो गई।

मृतक की पहचान झौर गांव निवासी 20 वर्षीय पंकज उर्फ बंडा मांझी, पिता कुलेश्वर मांझी के रूप में हुई है। घटना के बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल, गया भेज दिया है। मामले की जांच जारी है।

खबर के अनुसार, पंकज उर्फ बंडा देर रात गांव के शैलेश मांझी के घर में घुसा था। घर के लोगों के शोर मचाने पर वह भागने लगा, लेकिन गिर जाने के कारण ग्रामीणों के हत्थे चढ़ गया। इसके बाद उसकी जमकर पिटाई की गई। गांव में घटना को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि मृतक नशे का आदी था और नशे की हालत में अक्सर गांव के घरों में घुस जाता था। उस पर महिलाओं से अभद्र व्यवहार और चोरी की घटनाओं में संलिप्त रहने के भी आरोप लगाए जा रहे हैं। हालांकि, इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि पुलिस ने नहीं की है।

मृतक की दादी शिवबासिया देवी ने बताया कि उनका पोता रात में घर पर सोया हुआ था, लेकिन कब बाहर निकल गया, इसकी जानकारी नहीं हुई। आधी रात में गांव में 'चोर-चोर' का शोर सुनाई दिया तो पता चला कि वह घर पर नहीं है। कुछ देर बाद गांव के लोग उसे पकड़कर घर के पीछे से ले गए।

परिजनों ने आरोप लगाया है कि कुछ लोगों ने युवक को रस्सी से बांधकर बंधक बनाया और बेरहमी से पीटा। बाद में उसे बेहोशी की हालत बताकर अनुमंडलीय अस्पताल शेरघाटी लाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

मामले में एसआई टुनटुन प्रसाद ने बताया कि पुलिस सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है। वहीं, थानाध्यक्ष प्रमोद कुमार ने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल है और पुलिस स्थिति पर नजर बनाए हुए है।

प्रेम प्रसंग में चाकूबाजी, तीन गंभीर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

समस्तीपुर। जिले के कल्याणपुर थाना क्षेत्र के तीरा पंचायत स्थित जटमलपुर गांव में एक युवती से कथित दोस्ती को लेकर दो युवकों के बीच शुरू हुआ विवाद खूनी संघर्ष में बदल गया। गुरुवार देर रात हुई इस घटना में चाकूबाजी के दौरान तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। कुछ ही मिनटों में गांव की गली रणक्षेत्र में बदल गई। चीख-पुकार और अफरा-तफरी के बीच परिजन घायलों को अस्पताल लेकर पहुंचे। घटना के बाद पूरे गांव में तनाव का माहौल है। पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की जांच में जुट गई है।

जानकारी के अनुसार, जटमलपुर गांव के दो युवकों के बीच गांव की ही एक युवती से कथित दोस्ती को लेकर काफी समय से विवाद चल रहा था। दोनों युवक युवती से अपने-अपने संबंध होने का दावा कर रहे थे। गुरुवार रात दोनों आमने-सामने आए तो पहले कहासुनी शुरू हुई। कुछ ही देर में बहस तेज हो गई और दोनों पक्षों के लोग भी मौके पर पहुंच गए। मामला धक्का-मुक्की से आगे बढ़कर मारपीट तक पहुंच गया। इसी दौरान एक युवक ने चाकू निकाल लिया और ताबड़तोड़ हमला कर दिया। देखते ही देखते पूरी गली चीख-पुकार से गूंज उठी।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, चाकू से हुए हमले में दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं, झगड़ा छुड़ाने पहुंचे एक अन्य युवक को भी चाकू लग गया। कुछ ही मिनटों में तीनों युवक खून से लथपथ होकर सड़क पर गिर पड़े। घटना के बाद आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया। लोगों की मदद से तीनों को पहले सीएचसी ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद दो युवकों की हालत गंभीर देखते हुए उन्हें सदर अस्पताल रेफर कर दिया।

भाजपा-कांग्रेस कार्यकर्ता भिड़े, चले ईंट और अंडे

पुलिस ने चटकाईं लाठियां

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। झारखंड की राजधानी रांची गुरुवार को राजनीतिक टकराव का गवाह बनी। हरमू रोड पर भाजपा और कांग्रेस कार्यकर्ता आमने-सामने आ गए, जिसके बाद दोनों पक्षों के बीच जमकर हंगामा हुआ। पहले नारेबाजी हुई, फिर धक्का-मुक्की शुरू हो गई और देखते ही देखते अंडेबाजी, पत्थरबाजी तथा डंडों से हमला होने लगा। हालात इतने बिगड़ गए कि पुलिस को भीड़ को नियंत्रित करने के लिए लाठीचार्ज करना पड़ा। इस दौरान एक मीडियाकर्मी के घायल होने की भी सूचना है। घटना के बाद पूरे इलाके को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया और सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई। इस घटना के बाद आम लोगों में अब खादीधारियों के विरूद्ध अलग-अलग तरह की भ्रांतियां फैलने लगी है। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ता नारे लगा रहे थे। वहीं, भाजपा कार्यकर्ता राहुल गांधी के खिलाफ जवाबी नारे लगा रहे थे। दोनों दलों के समर्थकों को अलग रखने के लिए पुलिस ने सड़क पर बैरिकेडिंग की थी, लेकिन तनाव बढ़ते तनाव के बीच दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए। कुछ ही देर में धक्का-मुक्की शुरू हुई और मामला हिंसक झड़प में बदल गया। कांग्रेस का यह प्रदर्शन पेपर लीक मामले में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर आयोजित किया गया था। बड़ी संख्या में यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ता हरमू मैदान में एकत्र हुए और वहां से जुलूस की शक्ल में भाजपा प्रदेश कार्यालय की ओर बढ़े। इसी दौरान भाजपा समर्थकों से उनका सामना हो गया, जिसके बाद दोनों पक्षों के बीच विवाद बढ़ता चला गया और सड़क पर बवाल मच गया।गौरतलब है कि इस घटना से एक दिन पहले भाजपा ने जेपीएससी और भर्ती घोटालों के विरोध में झारखंड प्रदेश कांग्रेस कार्यालय का घेराव किया था। इसके जवाब में कांग्रेस ने भाजपा प्रदेश कार्यालय का घेराव करने का ऐलान किया था। इसी राजनीतिक तनातनी के बीच गुरुवार को दोनों दलों के कार्यकर्ता आमने-सामने आ गए और स्थिति हिंसक हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दोनों पक्षों के बीच पहले तीखी नारेबाजी हुई। इसके बाद अंडे फेंके गए और फिर पत्थरबाजी शुरू हो गई। कुछ लोगों के हाथों में डंडे भी देखे गए, जिनका इस्तेमाल झड़प के दौरान किया गया। स्थिति पुलिस के नियंत्रण से बाहर होने लगी तो लाठीचार्ज कर दोनों पक्षों को तितर-बितर किया।

कांवरियों की सेवा के लिए टीम पथ प्रदर्शक तैयार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

देवघर। औरंगाबाद की रक्तदान एवं समाज सेवा के प्रति चर्चित स्वयं सेवी संस्था पथ प्रदर्शक का अब नया पहल शुरू हुआ। द्वादश ज्योतिर्लिंग बाबा बैद्यनाथ धाम देवघर श्रावणी मेला में कांवरियों की सेवा हेतु निःशुल्क एक माह के लिए कांवरिया सेवा शिविर शुरू किया गया है।देवघर क्षेत्र के कांवरिया पथ पर धावाघाट में पथ प्रदर्शक कांवरिया सेवा शिविर का गुरुवार को उद्घाटन किया गया।शिविर में निःशुल्क प्राथमिक चिकित्सा एवं दवा, शुद्ध पेय जल, नींबू का शरबत, सूचना केन्द्र एवं पैरों के मसाज की व्यवस्था की गई है। बता दें की श्रावण मास में बीस से पच्चीस लाख कांवरिया बिहार के सुल्तानगंज से गंगा जल लेकर 105 किलोमीटर की कांवड़ पद यात्रा कर झारखंड के देवघर में द्वादश ज्योतिर्लिंग बाबा बैद्यनाथ को जल अर्पण करते हैं।पथ प्रदर्शक के संस्थापक सह सचिव बमेंद्र कुमार सिंह ने जानकारी दी कि पहली बार कांवरियों के सेवार्थ सेवा शुरू की गई है जिसमें टीम का भरपूर सहयोग मिल रहा है।उन्होंने कहा कि अन्य संस्थाओं को भी ऐसे धार्मिक अनुष्ठान में बढ़ चढ़ कर भाग लेने की आवश्यकता है।रक्तसेवा से जुड़े अलग अलग प्रदेशों के कई भाई बहनों ने भी शिविर में भाग लेकर कांवरियों के सेवा की बात कही है।शिविर के शुभारंभ में डॉ बासुकीनाथ पाठक, धनंजय कुमार, साबिया परवीन ,पूजा कुमारी एवं पूनम देवी सेवा देने के लिए उपस्थित हैं।

बंटवारा 1947' के प्रमोशन के लिए 2 अगस्त को पटना पहुंचेंगे सनी देओल

गदर-2 को पटना में जबरदस्त प्यार मिला था और फिल्म बॉक्स ऑफिस पर हुई थी हिट

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। आमिर खान प्रोडक्शंस की फिल्म बंटवारा 1947, जिसमें शबाना आजमी, सनी देओल और प्रीति ज़िंटा मुख्य भूमिकाओं में हैं, इस साल की सबसे बड़ी फिल्मों में से एक मानी जा रही है। राजकुमार संतोषी के निर्देशन में बनी इस फिल्म के दमदार ट्रेलर के बाद पूरे देश में इसे लेकर जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। अब फिल्म की टीम अपने प्रमोशनल टूर के तहत 2 अगस्त 2026 को पटना, बिहार पहुंचेगी।

जयपुर में दर्शकों से मिले शानदार रिस्पॉन्स के बाद बंटवारा 1947 की टीम अब पटना आने के लिए तैयार है। यह सनी देओल का पहली बार पटना दौरा होगा। उनकी फिल्मों को हमेशा पटना के दर्शकों का भरपूर प्यार मिला है। गदर 2 ने पटना बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया था, और अब लंबे समय बाद सनी देओल एक और दमदार कहानी के साथ इस शहर में आ रहे हैं।

बंटवारे की दर्दनाक पृष्ठभूमि पर बनी बंटवारा 1947 एक भावुक और असरदार कहानी है, जो इंसानियत, उम्मीद और करुणा की ताकत को दिखाती है। फिल्म का ट्रेलर दर्शकों पर गहरा असर छोड़ता है और इसे साल की सबसे भावनात्मक फिल्मों में से एक बना देता है।

फिल्म में शबाना आजमी, सनी देओल, प्रीति जी ज़िंटा, करण देओल, अली फजल और अभिमन्यु सिंह अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह फिल्म लगभग तीन दशक बाद राजकुमार संतोषी और सनी देओल को फिर से साथ लेकर आ रही है।

आमिर खान प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी बंटवारा 1947 का निर्देशन राजकुमार संतोषी ने किया है। फिल्म का संगीत ए. आर. रहमान ने दिया है और गीत जावेद अख्तर ने लिखे हैं। फिल्म के निमार्ता आमिर खान और अपर्णा पुरोहित हैं। बंटवारा 1947 दुनिया भर के सिनेमाघरों में 14 अगस्त 2026 को रिलीज होगी।

गोली मारकर युवक की हत्या

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खगड़िया। जिले के अलौली थाना क्षेत्र में शुक्रवार को अपराधियों ने दिनदहाड़े एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी। घटना ज्वालापुर चौक पुल के पास की है, जिससे इलाके में दहशत का माहौल है। मृतक की पहचान ज्वालापुर वार्ड संख्या-23 निवासी पवन पटेल के 30 वर्षीय पुत्र जंगली पटेल के रूप में हुई है। वह स्टैंड किरानी का कार्य करता था।

जानकारी के अनुसार, जंगली पटेल किसी काम से ज्वालापुर चौक पुल के पास गया था। इसी दौरान पहले से घात लगाए अपराधियों ने उस पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी।

गोली लगने से वह गंभीर रूप से घायल होकर मौके पर गिर पड़ा। घटना के बाद हमलावर मौके से फरार हो गए। स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी।

सात वर्षीया के साथ दुष्कर्म, हालत गंभीर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जमुई। थाना क्षेत्र के एक गांव में इंसानियत को शर्मसार कर देने वाली एक घिनौनी वारदात सामने आई है। घर में अकेली पाकर गांव के ही जागेश्वर राय उर्फ डब्लू राय (28) ने एक सात वर्षीय मासूम बच्ची को अपनी दरिंदगी का शिकार बना डाला। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है, वहीं पीड़िता की हालत गंभीर बनी हुई है। पीड़ित पिता द्वारा थाने में दी गई लिखित शिकायत के अनुसार, घटना 30 जुलाई की दोपहर लगभग 12 बजे की है।

बताया गया है कि बच्ची के माता-पिता रोजाना की तरह मजदूरी करने गए हुए थे और बच्ची घर पर अकेली खेल रही थी। इसी बात का फायदा उठाकर उसी गांव के त्रिपेन राय के पुत्र जागेश्वर राय ने मासूम को बहला-फुसलाकर घर के पास स्थित झाड़ियों में ले जाकर दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया।

शाम को जब माता-पिता काम से वापस लौटे तो बच्ची की हालत देखकर उनके होश उड़ गए। पूछे जाने पर सहमी मासूम ने रो-रोकर आपबीती सुनाई। बच्ची की बिगड़ती स्थिति को देखते हुए उसे तत्काल सिमुलतला के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज जारी है।

वहीं, सिमुलतला पुलिस ने पीड़ित पिता के आवेदन पर भारतीय न्याय संहिता और पॉक्सो एक्ट की सुसंगत धाराओं के तहत केस दर्ज किया। इसके बाद पुलिस ने ताबड़तोड़ छापामारी कर आरोपित जागेश्वर राय को गिरफ्तार कर लिया।

घटना स्थल की बारीकी से जांच और साक्ष्य जुटाने के लिए एफएसएल की विशेष टीम भी गांव पहुंचकर जांच की। पुलिस कागजी प्रक्रिया पूरी कर बच्ची को बेहतर इलाज और मेडिकल जांच के लिए जमुई सदर अस्पताल ले जाने में जुटी है। मामले की जांच का जिम्मा महिला पुलिस अधिकारी नीलम कुमारी को सौंपा गया है।

डीएम ने महिलाओं संग की धान रोपनी

किसानों से की बातचीत, प्राकृतिक खेती पर दिया जोर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हाजीपुर। वैशाली की जिलाधिकारी वर्षा सिंह एक बार फिर अपने अलग अंदाज को लेकर चर्चा में हैं। प्रशासनिक दायित्वों के साथ आम लोगों के बीच सहज रूप से पहुंचने वाली डीएम वर्षा सिंह ने इस बार खेत में उतरकर ऐसा संदेश दिया, जिसकी पूरे जिले में चर्चा हो रही है।

कीचड़ से भरे धान के खेत में महिलाओं के साथ खुद रोपनी करते हुए उन्होंने न सिर्फ किसानों का उत्साह बढ़ाया, बल्कि प्राकृतिक खेती को अपनाने का भी आह्वान किया।

वैशाली में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने और किसानों को वैज्ञानिक एवं टिकाऊ कृषि पद्धतियों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से डीएम वर्षा सिंह शुक्रवार को बिदुपुर प्रखंड की शहदुल्लापुर धोबौली पंचायत के खजवत्ता गांव पहुंचीं।

यहां किसान उमेश राय के प्राकृतिक खेती (बीआरसी) मॉडल खेत में उन्होंने स्वयं श्रीविधि पद्धति से धान की रोपनी की और खेती की पूरी प्रक्रिया को करीब से देखा।

धान की रोपनी के दौरान डीएम ने खेत में काम कर रही महिलाओं के साथ श्रम किया। इसके बाद किसानों के बीच बैठकर उनकी समस्याएं, खेती से जुड़ी चुनौतियां और प्राकृतिक खेती के अनुभव भी सुने।

प्रशासन के मुखिया को अपने बीच इस तरह देखकर किसानों में उत्साह का माहौल रहा।डीएम ने कहा कि वैशाली की अर्थव्यवस्था का आधार कृषि है और किसानों की आय बढ़ाना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है।

उन्होंने किसानों से समय पर धान की रोपनी करने, प्रमाणित एवं उन्नत बीजों का उपयोग करने तथा वैज्ञानिक तकनीकों के साथ प्राकृतिक खेती अपनाने की अपील की।

वर्षा सिंह ने कहा कि प्राकृतिक खेती सिर्फ खेती करने का तरीका नहीं, बल्कि मिट्टी, जल, पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य की सुरक्षा का प्रभावी माध्यम है।इससे रासायनिक खाद और कीटनाशकों पर निर्भरता कम होती है, खेती की लागत घटती है और बेहतर गुणवत्ता वाला उत्पादन मिलता है। उनका कहना था कि आने वाले समय में प्राकृतिक खेती कृषि क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव का आधार बनेगी।

निरीक्षण के दौरान डीएम ने कृषि विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया कि अधिक से अधिक किसानों को प्राकृतिक खेती से जोड़ा जाए। किसानों को तकनीकी मार्गदर्शन, प्रशिक्षण, जैविक इनपुट, बीज, खाद और विभागीय योजनाओं का लाभ समय पर उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि किसी भी किसान को आवश्यक संसाधनों की कमी का सामना नहीं करना चाहिए।

ट्रक की चपेट में आने से युवक की मौत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

आरा। भोजपुर जिले के पीरो थाना क्षेत्र में शुक्रवार की तड़के सड़क पार कर रहे एक युवक की अज्ञात ट्रक की चपेट में आने से घटनास्थल पर ही मौत हो गई। हादसा आरा-सासाराम स्टेट हाईवे पर पीरो अनुसूचित जाति टोला के समीप हुई। हादसे के बाद चालक ट्रक लेकर फरार हो गया। मृतक की पहचान पीरो थाना क्षेत्र के नगर पंचायत इब्राहिमपुर वार्ड संख्या-25 निवासी अमावस साह के 40 वर्षीय पुत्र प्रेमचंद्र साह उर्फ पोतन के रूप में हुई है। स्वजन के अनुसार, शुक्रवार की तड़के करीब तीन बजे नींद खुलने के बाद प्रेमचंद्र साह चाय पीने के लिए पीरो बाजार जा रहे थे। इसी दौरान अनुसूचित जाति टोला के समीप सड़क पार करते समय तेज रफ्तार अज्ञात ट्रक ने उन्हें रौंद दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। चालक वाहन लेकर फरार हो गया। हादसे की सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए आरा सदर अस्पताल भेज दिया। प्रेमचंद्र साह दो भाइयों और तीन बहनों में दूसरे स्थान पर थे।

सफाईकर्मियों की हड़ताल से सफाई व्यवस्था चरमरायी

शहर में डेंगू और मलेरिया फैलने का बढ़ा खतरा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बिहारशरीफ। नगर निगम क्षेत्र में सफाईकर्मियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल का असर अब साफ दिखाई देने लगा है। हड़ताल के दूसरे दिन शहर की सफाई व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। जगह-जगह कचरे के ढेर लग गए हैं और लोगों को दुर्गंध व गंदगी का सामना करना पड़ रहा है। बिहार लोकल बॉडीज इम्प्लाइज फेडरेशन और बिहार राज्य स्थानीय निकाय कर्मचारी महासंघ के संयुक्त संघर्ष मोर्चा के आह्वान पर नगर निगम के करीब 600 से 700 सफाईकर्मी हड़ताल पर हैं। कर्मचारियों ने अपनी तीन सूत्री मांगों को लेकर नगर निगम कार्यालय के मुख्य द्वार पर धरना शुरू कर दिया है और साफ कहा है कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होंगी, वे काम पर वापस नहीं लौटेंगे।

हड़ताल के कारण नगर निगम का सफाई कार्य पूरी तरह प्रभावित हो गया है। सफाईकर्मियों का कहना है कि वे वर्षों से अपनी मांगों को सरकार के सामने रख रहे हैं, लेकिन अब तक कोई समाधान नहीं निकला। इसी वजह से उन्होंने अनिश्चितकालीन हड़ताल का रास्ता चुना है इस हड़ताल का असर अब पूरे शहर में दिखने लगा है और प्रशासन के सामने भी बड़ी चुनौती खड़ी हो गई है।

बिहारशरीफ नगर निगम क्षेत्र से प्रतिदिन लगभग 250 टन कचरा उठाया जाता है। हड़ताल के कारण यह काम पूरी तरह बंद हो गया है। बारिश के मौसम में कचरा सड़कों, गलियों, नालियों और मोहल्लों में जमा होने लगा है। शहर के कई हिस्सों में गंदगी का अंबार लग गया है। जगह-जगह से बदबू उठ रही है, जिससे लोगों का घर से निकलना भी मुश्किल हो रहा है। नगर निगम के पास फिलहाल कचरा उठाने की कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं है। ऐसे में लोग मजबूरी में घरों और दुकानों का कचरा खाली जगहों और सड़कों पर फेंक रहे हैं। डंपिंग प्वाइंट पर पहले से जमा कचरे की बदबू भी स्थानीय लोगों की परेशानी बढ़ा रही है। लगातार जमा हो रहे कचरे और बारिश के कारण डेंगू, मलेरिया और अन्य संक्रामक बीमारियों का खतरा बढ़ गया ह ै।

स्टेशन के उन्नयन कार्य की धीमी रफ्तार पर बिफरे डीआरएम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनिहारी। कटिहार रेल मंडल के मंडल के डीआरएम किरेन्द्र नरह ने शुक्रवार को मनिहारी रेलवे स्टेशन एवं रेलवे कॉलोनी का निरीक्षण कर चल रहे विकास एवं उन्नयन कार्यों की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान निर्माण कार्य की धीमी प्रगति पर उन्होंने नाराजगी जताते हुए संबंधित निर्माण एजेंसी एवं रेल अधिकारियों को गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय सीमा के भीतर कार्य पूरा कराने का निर्देश दिया। डीआरएम ने स्टेशन परिसर में साफ-सफाई, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था तथा यात्रियों की सुरक्षा व्यवस्था का भी जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को इन सभी व्यवस्थाओं को बेहतर बनाए रखने और यात्रियों को हर संभव सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान रेलवे ट्रैक के किनारे हुए अतिक्रमण पर डीआरएम ने कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने संबंधित आईडब्ल्यू वर्क्स शाखा के अधिकारियों को फटकार लगाते हुए शीघ्र कार्रवाई करने का निर्देश दिया। साथ ही केटी-11 रेलवे फाटक के समीप बने अतिक्रमण को तत्काल हटाने के आदेश दिए।इसके बाद डीआरएम ने रेलवे कॉलोनी का भी निरीक्षण किया। उन्होंने रेलवे क्वार्टरों में अवैध रूप से रह रहे लोगों की जांच कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिया। सावन माह में मनिहारी गंगा स्नान के लिए रेल मार्ग से आने वाले श्रद्धालुओं की

बढ़ती संख्या के संबंध में पूछे जाने पर डीआरएम ने कहा कि भीड़ प्रबंधन के लिए रेलवे ने व्यापक कार्ययोजना तैयार की है। स्थानीय प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित कर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि पूर्व वर्षों की भांति इस वर्ष भी सावन के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विशेष ट्रेनों का परिचालन किया जा रहा है। पिछले वर्षों के अनुभवों के आधार पर भीड़ नियंत्रण, सुरक्षा और यात्रियों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए रेलवे ने पर्याप्त तैयारियां की हैं, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। मौके पर डीआरएम के अलावे सीनियर डीसीएम अनूप कुमार सिंह,सीनियर डीएन प्रभात कुमार सिंह, सीनियर डी ईई पंकज पाल और सीनियर डीएमई आदि मौजूद रहे।

नशेड़ी ने पिता पर चलायी गोली

रोहतास। बड्डी थाना क्षेत्र के विश्रामपुर गांव में मंगलवार की देर शाम भूमि विवाद में शराब के नशे में धुत एक सख्श ने अपने पिता पर गोली चला दी, जिससे उसका खुद का बेटा गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच आरोपित पिता को दोनाली बंदूक के साथ गिरफ्तार कर लिया। गोली से जख्मी आस्थानंद सिंह का इलाज सदर अस्पताल के ट्रामा सेंटर में चल रहा है, जहां उनकी स्थिति गंभीर बताई जाती है।

जानकारी के अनुसार, विश्रामपुर निवासी सत्येंद्र सिंह और उनके पुत्र भूपेंद्र सिंह के बीच जमीन को लेकर विवाद हुआ। मंगलवार की दोपहर सत्येंद्र सिंह ने बड्डी थाना पहुंचकर भूपेंद्र सिंह के खिलाफ शराब के नशे में मारपीट करने तथा खेत रेहन पर रखने को लेकर प्राथमिकी कराई थी। पुलिस में शिकायत दर्ज होने की देर शाम में जानकारी मिलने पर भूपेंद्र सिंह आगबबूला हो गए। उसने शराब के नशे में अपने पिता सत्येंद्र सिंह पर गोली चलाई, लेकिन गोली बगल में खड़े पुत्र आस्थानंद को गोली लग गई।

सेवानिवृत्ति एवं स्थानांतरण पर शिक्षकों को भावभीनी विदाई

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

शिवाजीनगर। प्रखंड के उत्क्रमित मध्य विद्यालय, नंदेनगर में सेवानिवृत्त एवं स्थानांतरित शिक्षकों के सम्मान में भव्य विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन विद्यालय के प्रधानाध्यापक राम मिलन साहनी एवं विद्यालय परिवार के सभी शिक्षकों के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। समारोह में शिक्षा जगत से जुड़े अधिकारियों, प्रधानाध्यापकों एवं शिक्षकों की उपस्थिति रही।

समारोह में पूनम कुमारी के सेवा निवृत्ति के अवसर पर उन्हें भावभीनी विदाई दी गई। वहीं स्थानांतरित शिक्षकों निकिता चौहान, विमल कुमारी (प्रधान शिक्षक), चांदनी कुमारी, कीर्ति कुमारी, मनीष कुमार (प्रधान शिक्षक) एवं अनिल कुमार (प्रधान शिक्षक) को भी सम्मानित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।

कार्यक्रम की अध्यक्षता सेवानिवृत्त प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी शंभू शरण सिंह ने की। इस अवसर पर प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी शिवाजीनगर रामजन्म सिंह, पूर्व बीआरपी बालमुकुंद सिंह, प्रधानाध्यापक सत्यनारायण आर्य, राजकुमार राय, प्रमोद कुमार, प्रदीप कुमार, शिक्षक प्रमोद सिंह, मृत्युंजय कुमार सिंह, श्रवण कुमार पासवान एवं रामाशीष साहनी सहित प्रखंड के विभिन्न विद्यालयों से पहुंचे प्रधानाध्यापक एवं शिक्षक मौजूद रहे।

समारोह के दौरान विद्यालय परिवार की ओर से सभी सम्मानित शिक्षकों को अंगवस्त्र, पुष्पगुच्छ एवं स्मृति-चिह्न भेंटकर सम्मानित किया गया। इस दौरान कई वक्ताओं ने शिक्षकों के साथ बिताए गए संस्मरण साझा किए, जिससे कार्यक्रम भावुक हो उठा। अंत में विद्यालय परिवार ने सभी अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए सम्मानित शिक्षकों के उज्ज्वल भविष्य एवं स्वस्थ जीवन की कामना की।

दक्षिण पूर्व रेलवे-निविदा

ई-निविदा सूचना सं.: ई-डीआरएम-इंजी-आद्रा-65-68-26, दिनांक 30.07.2026; भारत के राष्ट्रपति के लिए तथा उनकी ओर से मंडल रेल प्रबंधक (इंजी.), दक्षिण पूर्व रेलवे, आद्रा द्वारा निम्नलिखित कार्यों के निष्पादन के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। **क्रमांक एवं ई-निविदा सूचना सं.; कार्य का विवरण; निविदा मूल्य: (1) ई-डीआरएम-इंजी-आद्रा-65-26, दिनांक 30.07.2026,** बोकारो स्टील सिटी (बीकेएससी) - आद्रा मंडल के बोकारो स्टेशन में आउटवार्ड यार्ड में लगभग 750 मीटर की 3 लूप लाइनों का प्रावधान; रु. 9,27,57,439.04। **(2) ई-डीआरएम-इंजी-आद्रा-66-26, दिनांक 30.07.2026,** आद्रा मंडल में बोकारो स्टील सिटी, भोजूडीह एवं महुदा सेटेलमेंट में कॉलोनी एवं सेवा सड़क का मैस्टिक एवं बिटूमिनस सड़क में उन्नयन एवं सुधार; रु. 2,60,09,470.30। **(3) ई-डीआरएम-इंजी-आद्रा-67-26, दिनांक 30.07.2026,** तुपकाडीह (टीकेएक्स)- तुपकाडीह स्टेशन में लाइन सं. 6 के बगल में लगभग 750 मीटर की दो नई पूरी लंबाई की लाइनों का प्रावधान; रु. 8,69,21,262.91। **(4) ई-डीआरएम-इंजी-आद्रा-68-26, दिनांक 30.07.2026,** (1) डीईएन/सेंट्रल/आद्रा के अधिकार क्षेत्र के अधीन गैंग टूल रूम का निर्माण। (2) अनारा-3-फेज इन मोशन सिमुलेटरों के प्रशिक्षु के रहने के लिए वर्तमान हॉस्टल/नई इमारत का नवीनीकरण/निर्माण। (3) डीईएन/सेंट्रल/आद्रा के अधिकार क्षेत्र के अधीन पीडब्ल्यूआई-डिपो का निर्माण। (4) आद्रा मंडल में 04 स्टेशनों-बराभूम, चाण्डिल, बॉकुड़ा एवं अनारा के एसएमआर चेम्बर का आधुनिकीकरण तथा मंडल कंट्रोल के शौचालय परिसर का नवीनीकरण तथा आधुनिकीकरण; रु. 6,10,63,986.37। **ई-निविदाओं के बंद होने की तारीख एवं समय:** प्रत्येक के लिए दिनांक 31.08.2026 को अपराह्न 3.00 बजे। ऊपरोक्त ई-निविदाओं के विस्तृत विवरण के लिए कृपया वेबसाइट **www.ireps.gov.in** देख सकते हैं। (PR-551)

ताला तोड़कर मंदिर से लाखों के आभूषणों की चोरी

घटना से श्रद्धालुओं और ग्रामीणों में आक्रोश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जामा। जामा थाना क्षेत्र के लगला पंचायत स्थित जिले के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल सिरसानाथ मंदिर में सोमवार रात्रि चोरों ने मंदिर का ताला तोड़कर लाखों रुपये मूल्य की चांदी की पूजन सामग्री व अन्य कीमती सामान की चोरी कर ली। घटना से क्षेत्र के श्रद्धालुओं और ग्रामीणों में आक्रोश है।

प्रतिदिन की तरह मंगलवार सुबह मंदिर के पुजारी शिवदत्त बाबा पूजा-अर्चना के लिए मंदिर पहुंचे। उन्होंने मंदिर के मुख्य द्वार का ताला टूटा हुआ देखा। संदेह होने पर जब वे मंदिर के अंदर गए तो पाया कि मंदिर में रखा कई कीमती सामान गायब है।

जिसमें भगवान भोलेनाथ को भोग लगाने में उपयोग होने वाला चांदी का कटोरा, चांदी की एक बड़ा छतरी, दो छोटा छतरी,चांदी का एक नाग, चांदी का त्रिशूल समेत अन्य पूजन सामग्री गायब था।

सूचना मिलते ही जामा थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर मामले की जांच की। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ करने के साथ चोरी की घटना से जुड़े साक्ष्य जुटाने में लगी है।

मंदिर के पुजारी शिवदत्त पंडा ने जामा थाना में आवेदन देकर चोरी की घटना का खुलासा करने, दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी व चोरी गए सामान की बरामदगी की मांग की है। शिवदत्त पंडा ने बताया कि शाम सात बजे तक पूजा अर्चना के उपरांत घर चले गए और महिलाओं ने ग्यारह बजे रात्रि तक शिवचर्चा करने के बाद मंदिर का पट बंद कर दिया गया।

मंगलवार सुबह जब मंदिर का पट खोलने आए तो मंदिर का ताला गायब मिला। अंदर जाकर देखा तो लाख रुपए से ज्यादा का चांदी से बना कीमती सामान की चोरी हो चुकी थी। फुलधारी भयंकर पंडा ने कहा कि पहले भी एक बार मंदिर में चोरी की घटना हो चुकी है। जामा थाना पुलिस को घटना के बारे में सारी जानकारी दे दी गई है।

स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि सिरसानाथ मंदिर क्षेत्र का लोक आस्था का केंद्र है, जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु पूजा-अर्चना के लिए पहुंचते हैं।

ऐसे धार्मिक स्थल में चोरी की घटना से लोगों की भावनाएं आहत हुई हैं। ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन से जल्द चोरों की गिरफ्तारी कर घटना का पदार्फाश करने तथा मंदिर परिसर की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है।

डालसा सचिव ने किया लीगल एड क्लिनिकों का औचक निरीक्षण

पीएलवी को जनसेवा और समयबद्ध उपस्थिति के दिए निर्देश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर, पलामू। झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार (झालसा) के निर्देश तथा पलामू के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश राम शर्मा के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डालसा) के सचिव राकेश रंजन ने शुक्रवार को सदर प्रखंड के सुआ, कौड़िया, सरजा एवं पोलपोल स्थित लीगल एड क्लिनिकों का औचक निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान सचिव ने सभी केंद्रों पर कार्यरत पारा लीगल वॉलंटियर (पीएलवी) को निर्धारित समय पर केंद्र में उपस्थित रहने तथा जरूरतमंद लोगों की पूरी संवेदनशीलता के साथ सहायता करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जो भी व्यक्ति कानूनी सलाह, आवेदन लिखवाने, विभिन्न सरकारी योजनाओं के फॉर्म भरवाने या अन्य विधिक सहायता के लिए केंद्र पर आए, उसे हरसंभव सहयोग उपलब्ध कराया जाए। श्री रंजन ने सभी लीगल एड क्लिनिकों में सूचना बोर्ड एवं बैनर

लगाने, ड्यूटी के दौरान निर्धारित यूनिफॉर्म पहनने तथा केंद्रों की कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ग्रामीण एवं आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को निःशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से ही लीगल एड क्लिनिकों में पीएलवी की तैनाती की गई है।

उन्होंने पीएलवी को राष्ट्रीय लोक अदालत, पीड़ित प्रतिकर योजना, मध्यस्थता (मेडिएशन), डालसा की विभिन्न योजनाओं तथा केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने और पात्र लाभुकों को उनका लाभ दिलाने में सक्रिय भूमिका निभाने का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि कोई भी व्यक्ति केवल आर्थिक अभाव के कारण न्याय पाने से वंचित नहीं रहना चाहिए।

निरीक्षण के दौरान सचिव ने पीएलवी के एक्टिविटी रजिस्टर का भी अवलोकन किया और अभिलेखों के संधारण सहित आवश्यक दिशा-निर्देश दिए.इस अवसर पर लीगल एड डिफेंस काउंसिल के डिप्टी चीफ संतोष कुमार पांडेय, पीएलवी महेंद्र नाथ सिंह, बसंती देवी सहित संबंधित लीगल एड क्लिनिकों के पीएलवी उपस्थित थे।

किडनी केयर अस्पताल मारपीट मामले में

रेखा झा ने आरोपों को बताया बेबुनियाद, निष्पक्ष जांच की मांग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। नावाडीह स्थित किडनी केयर अस्पताल में बुधवार रात हुई कथित मारपीट की घटना को लेकर दर्ज प्राथमिकी के बाद मामले ने नया मोड़ ले लिया है। अस्पताल संचालक डॉ. मिहिर झा की पत्नी रेखा झा ने उनके एवं उनके पति के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी को बेबुनियाद बताते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है।

रेखा झा ने जारी बयान में कहा कि बरामुड़ी निवासी रामानुज पांडेय एवं प्रताप कुमार पांडेय ने अस्पताल के मुख्य गेट पर उनके वाहन से उतरते ही अभद्र व्यवहार करना शुरू कर दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि दोनों ने उनके कार चालक पिंटू कुमार के साथ धक्का-मुक्की की तथा गलत इरादे से उनकी ओर बढ़ने का प्रयास किया।

रेखा झा के अनुसार, घटना को देखते हुए अस्पताल के सुरक्षा कर्मी ने बीच-बचाव किया। उनका आरोप है कि दोनों भाई शराब के नशे में थे। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना तत्काल टेलीफोन के माध्यम से पुलिस को दी गई। पुलिस के घटनास्थल पर पहुंचने के बाद भी दोनों व्यक्तियों ने कथित रूप से बदतमीजी जारी रखी, जिसके बाद पुलिस उन्हें धनबाद थाना ले गई। बाद में उन्हें और उनके पति डॉ. मिहिर झा को भी थाने बुलाया गया।

रेखा झा ने कहा कि उनके तथा उनके पति के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज किया जाना आश्चर्यजनक है। उन्होंने धनबाद पुलिस प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष एवं तथ्यों के आधार पर जांच कराने की मांग की है।

गौरतलब है कि इससे पूर्व बरामुड़ी निवासी रामानुज पांडेय ने धनबाद थाना में दर्ज कराई गई शिकायत में डॉ. मिहिर झा एवं अन्य पर मारपीट और छिनतई का आरोप लगाया है। मामले की जांच पुलिस द्वारा की जा रही है।

मनायी गयी मुंशी प्रेमचंद जयंती

बेलागंज। आज प्रखंड मुख्यालय बेलागंज स्थित रामेश्वर प्रसाद उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में मुंशी प्रेमचंद का जयंती हर्षोल्लास मनाया गया। स्कूल के प्रधानाध्यापक मोहम्मद अबरार आलम ने बच्चों को संबोधित करते हुए बताया कि मुंशी प्रेमचंद सच्चे रूप में एक सशक्त साहित्यकार, कथाकार और उपन्यासकार थे ।उन्होंने समाज में जो भी बुराइयां देखी चाहे बाल विवाह हो, विधवा विवाह, भ्रष्टाचार हो , किसानों मजदूरों का शोषण हो या फिर दलितों के साथ किया गया भेदभाव हो सब पर अपनी लेखनी चलाई और हिन्दी , उर्दू साहित्य में अमर हो गए ।विद्यालय के कुछ छात्र जिसमें खुशी, सोनाली , तेजस्विनी और आदित्य कुमार ने भी मुंशी प्रेमचंद पर अपने-अपने विचार व्यक्त किए।इसके साथ ही विद्यालय में मुंशी प्रेमचंद पर क्विज प्रतियोगिता भी कराया गया जिसमें बच्चों ने बढ़ चढ़ प्रतिभाग किया ।इस कार्यक्रम का संचालन नोडल शिक्षक प्रदीप कुमार मौर्य ने किया ।

इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक राजेश कुमार राजू , चन्द्रमणि प्रसाद , अनेश कुमार , मो. रिजवान , मानस , दीपक और रिंकू कुमारी सहित विद्यालय के सभी शिक्षक मौजूद थे।

जंगली हाथियों ने मुर्गी फार्म पर मचाया उत्पात

- मुर्गी दाना किया चट, मचायी तबाही
- लगातार तबाही से ग्रामीण दहशत में

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बिरनी। झारखंड के गिरिडीह जिले के बिरनी क्षेत्र में हाथियों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। गुरुवार रात पंदनाकला के निखिल बंसल अंडा उत्पादन फार्म में हाथियों के झुंड ने जमकर उत्पात मचाया और करीब पांच लाख रुपये की संपत्ति को नुकसान पहुंचाया।

हांलाकि मुर्गी -चूजा सुरक्षित हैं। इसके अलावा गांव के ग्रामीणों की फसल नष्ट कर दी। हाथियों के झुंड लेवरा व दलांगी के जंगल में डेरा जमाए है।

गुरुवार शाम करीब आठ बजे जंगल से निकल कर हाथी उक्त फर्म में पहुंचे। रातभर फार्म में विचरण करते हुए हाथियों ने शेड को तोड़ दिया और रखा हुआ मुर्गी दाना में मक्का ,खली ,सोयबड़ी, दवा चट कर गया। साथ ही फार्म की चारदीवारी और अन्य सामानों को भी क्षतिग्रस्त कर दिया।

फार्म की देखरेख करने वाला केदार यादव ने बताया कि इस घटना से उन्हें करीब पांच लाख रुपये का नुकसान हुआ है। उत्पात मचाने के बाद शुक्रवार सुबह हाथियों का झुंड दलांगी और लेवरा जंगल की ओर चला गया। वन विभाग की टीम हाथियों पर नजर रखी हुई है और उनके पीछे-पीछे चल रही है।

पिछले एक सप्ताह से बिरनी के विभिन्न गांवों में हाथियों ने जमकर तबाही मचा रखी है। हाथियों ने घर, चारदीवारी और खेतों में खड़ी फसल को नष्ट कर दी। मंगलवार शाम को जरीडीह गांव में हाथियों के हमले में उपेंद्र यादव नामक युवक की मौत भी हो गई थी।

लगातार हो रही घटनाओं से ग्रामीणों में दहशत है। लोग रातभर जागकर हाथियों को खदेड़ने को मजबूर हैं। ग्रामीण नरेश यादव , मोइन अंसारी,

कमलकांत सिंह, रियाज अंसारी ,आदि ने कहा कि वन विभाग के कर्मी हाथियों को निकालने के लिए पीछे जरूर चल रहे हैं लेकिन निकालने में सक्षम नहीं हो रहे है। उनके पास संसाधन की काफी कमी है।

वन विभाग के पास भरपूर मात्रा में संसाधन होता तो ग्रामीण उन कर्मियों से पूछ सकते थे कि संसाधन होने के बाद भी हाथियों को सुरक्षित बड़े जंगल क्यों नहीं ले जा रहे है। ग्रामीण के सहयोग से कर्मियों इतना कर पा रहे है। जिम्मेवार सरकार व विभाग के वरीय अधिकारी है। हाथियों को भगाने के नाम पर लाखों खर्च के बाद भी कारीडोर नहीं बन पाया।

वन विभाग के प्रभारी वनपाल योगेंद्र प्रसाद व अबोध महथा ने कहा कि हाथियों का झुंड पिछले एक सप्ताह से बिरनी में डेरा डाला हुआ है। बिरनी से निकालने के बाद भी हाथी पुनः लौट जाते हैं। लोगों से अपील की है कि वे हाथियों के पास न जाएं। नुकसान का आकलन कर पीड़ितों को मुआवजा विभाग से दिया जाएगा ।अंडा उत्पादन फार्म के अलावा ग्रामीण अनिता देवी ,ललिता देवी ,प्रभु रजक आदि की चारदीवारी व फसल नष्ट कर दी गई।

प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. एस. के. रवि का हुआ स्थानांतरण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पलामू। अनुमंडलीय अस्पताल छतरपुर के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. एस. के. रवि, जो वर्तमान में प्रतिनियुक्ति (डिप्टेशन) पर हुसैनाबाद अनुमंडलीय अस्पताल में अपनी सेवाएं दे रहे थे, उनका स्थानांतरण कर दिया गया है। उन्हें प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गड़बांध, गढ़वा में चिकित्सा पदाधिकारी के पद पर पदस्थापित किया गया है।

छात्रों के आंदोलन का किन्नर समाज ने भी किया समर्थन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। 14वीं जेपीएससी परीक्षा में कथित धांधली के खिलाफ अभ्यर्थियों का सत्याग्रह आंदोलन लगातार पांचवें दिन भी जारी रहा। राज्य के अलग-अलग जिलों से पहुंचे सैकड़ों अभ्यर्थियों ने सरकार के खिलाफ नारे लगाए और परीक्षा प्रक्रिया की निष्पक्ष जांच की मांग की। छात्रों का कहना है कि परीक्षाएं लंबे समय से विवादों में रही हैं। उनका आरोप है कि 14वीं संयुक्त सिविल सेवा परीक्षा में भी बड़े स्तर पर अनियमितताएं हुई हैं, जिससे मेहनती और योग्य अभ्यर्थियों का भविष्य प्रभावित हो सकता है। आंदोलन को शुक्रवार को किन्नर समाज का भी समर्थन मिला। किन्नर समाज के प्रतिनिधि सत्याग्रह स्थल पहुंचे और अभ्यर्थियों की मांगों का समर्थन करते हुए आंदोलन के लिए 50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी। इस सहयोग के लिए छात्रों ने उनका आभार जताया।

अभ्यर्थियों का कहना है कि सरकार ने मामले की जांच के लिए सीआइडी और एसआइटी को जिम्मेदारी दी है, लेकिन उन्हें इस जांच पर भरोसा नहीं है। छात्रों के मुताबिक, पूरे मामले की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच केवल उइकही कर सकती है। इसलिए सरकार को बिना देरी किए जांच केंद्रीय एजेंसी को सौंपनी चाहिए।

प्रदर्शन कर रहे छात्रों का कहना है कि केवल जेपीएससी के पूर्व अध्यक्ष एल. खियांग्ते का इस्तीफा लेने से पूरे

मामले की सच्चाई सामने नहीं आएगी। उन्होंने मांग की कि पूरी परीक्षा प्रक्रिया की स्वतंत्र एजेंसी से जांच कराई जाए। छात्रों ने साफ कहा कि जब तक उनकी मांग पूरी नहीं होगी, सत्याग्रह आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि उइकजांच का आदेश नहीं दिया गया तो मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से नैतिक आधार पर इस्तीफे की मांग की जाएगी।

इधर, 14वीं संयुक्त सिविल सेवा परीक्षा में कथित अनियमितता की जांच के तहत पूर्व अध्यक्ष एल. खियांग्ते शुक्रवार को लगातार तीसरे दिन मुख्यालय पहुंचे। अधिकारियों ने उनसे भर्ती प्रक्रिया और परीक्षा से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर पूछताछ की। जांच एजेंसी दस्तावेजों और डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई कर रही है। हालांकि, अब तक उनकी गिरफ्तारी की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

जनता दरबार में 87 मामलों की हुई सुनवाई

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

अररिया। बिहार सरकार के सात निश्चय-3.0 के अंतर्गत संचालित सबका सम्मान-जीवन आसान कार्यक्रम के तहत शुक्रवार को समाहरणालय परिसर स्थित परमान सभागार में जिला पदाधिकारी अररिया विनोद दूहन की अध्यक्षता में जनता दरबार का आयोजन किया गया।

जनता दरबार में जिले के विभिन्न प्रखंडों से पहुंचे लोगों ने अपनी व्यक्तिगत एवं सार्वजनिक समस्याओं से संबंधित आवेदन जिला पदाधिकारी के समक्ष प्रस्तुत किए।

इस दौरान कुल 87 मामलों की सुनवाई की गई। इस क्रम में जिला पदाधिकारी ने आमजनों की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना तथा संबंधित पदाधिकारियों को प्राप्त शिकायतों एवं आवेदनों का समयबद्ध, निष्पक्ष एवं प्रभावी निष्पादन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

दो और सीआरपीएफ जवान हुए मलेरिया संक्रमित

58 नए मरीजों की हुई पुष्टि

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। पूर्वी सिंहभूम में मलेरिया का खतरा लगातार बना हुआ है। शुक्रवार को दो और सीआरपीएफ जवानों को एमजीएम अस्पताल में भर्ती कराया गया। इनमें एक जवान में जांच के बाद मलेरिया की पुष्टि हुई है, जबकि दूसरे जवान को तेज बुखार और अन्य लक्षणों के आधार पर भर्ती किया गया है।

वहीं, एक जवान की हालत गंभीर होने पर उसे बेहतर इलाज के लिए रांची स्थित रिम्स रेफर करने की तैयारी की जा रही थी।

इससे पहले तीन जवानों को एमजीएम अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जिनमें से एक की मौत हो गई थी। लगातार सामने आ रहे मामलों के बाद सीआरपीएफ ने अपने कैंपों में स्वास्थ्य जांच, मच्छररोधी उपाय और निगरानी बढ़ा दी है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, गुरुवार को जिलेभर में 6,781 लोगों की मलेरिया जांच की गई। इनमें 6,436 रैपिड डायग्नोस्टिक टेस्ट (आरडीटी) और 345 स्लाइड जांच शामिल हैं।

जांच के दौरान 58 नए मरीजों में मलेरिया की पुष्टि हुई। इनमें 43 मरीज पी. फाल्सीपेरम (ब्रेन मलेरिया), 13 पी. विवैक्स और दो मिक्स संक्रमण के मरीज हैं।

सबसे अधिक 22 मरीज पोटका प्रखंड में मिले। इसके अलावा पटमदा में 9, घाटशिला और मुसाबनी में 7-7, दुमरिया में 6, सदर अस्पताल में 5, जबकि धालभूमगढ़ और जुगसलाई में एक-एक मरीज में संक्रमण की पुष्टि हुई।

राहत की बात यह रही कि बहरागोड़ा, चाकुलिया, अर्बन मानगो और अर्बन बिरसानगर में कोई नया मरीज नहीं मिला।

सिविल सर्जन डा साहिर पाल ने बताया कि मलेरिया प्रभावित क्षेत्रों में लगातार जांच, दवा वितरण और निगरानी अभियान चलाया जा रहा है। लोगों से अपील की गई है कि बुखार, ठंड लगना, सिरदर्द या कमजोरी जैसे लक्षण दिखाई देने पर तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में जांच कराएं।

पूर्व रेलवे

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, आसनसोल-713301 द्वारा संविदा प्रदान करने के लिए आईआरईपीएस पोर्टल वेबसाइट **www.ireps.gov.in** के जरिए खुली ई-नीलामी आमंत्रित की जाती है। जिसका विवरण नीचे उल्लेखित है : **नीलामी की श्रेणी:** पे एंड यूज शौचालय (सामान्य)। **ई-नीलामी सूचीपत्र सं.:** सी5-एएसएन-पीएनयू-यूडीएल; **नीलामी शुरू होने की तारीख:** 18.08.2026 को 14.15 बजे। **स्टेशन/स्थान का नाम:** (i) अंडाल स्टेशन की दक्षिणी ओर के सर्कुलेटिंग एरिया में पे एंड यूज शौचालय। (ii) अंडाल रेलवे स्टेशन की पुरानी स्टेशन बिल्डिंग में द्वितीय श्रेणी प्रतीक्षालय। (iii) सिमुलतला रेलवे स्टेशन में डाउन प्लेटफॉर्म पर उच्च श्रेणी प्रतीक्षा कक्ष। सभी प्रत्याशित बोलीदाताओं को सम्पूर्ण एवं विवरण तथा दिनांक 17.08.2026 को 14.15 बजे आयोजित होने वाली ऊपर उल्लेखित ई-नीलामी में भाग लेने के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** देखने की सलाह दी जाती है। (ASN-198/2026-27)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना सं.: ईएल/एचडब्ल्यूएच/25/21(नोटिस)/772, दिनांक 30.07.2026; मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा, डीआरएम बिल्डिंग, रेलवे स्टेशन के निकट, हावड़ा-711101 द्वारा नीचे उल्लेखित विद्युतीय कार्यों के निष्पादन के लिए खुली ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं: **क्रमांक 1, निविदा सं.:** ईएल-एचडब्ल्यूएच-25-21-3576; **कार्य का नाम:** (i) एईएन/बीडीसी के अधीन एलसी गेट सं. 41 के स्थान पर रेलवे के रिलिविंग गर्डर द्वारा नए एलएचएस के निर्माण के संबंध में विद्युतीय (सामान्य) कार्य। (ii) एईएन/बीडीसी के अधीन एलसी गेट सं. 30 के स्थान पर रेलवे के रिलिविंग गर्डर द्वारा नए एलएचएस के निर्माण के संबंध में विद्युतीय (सामान्य) कार्य। (iii) एईएन/बीडीसी के अधीन एलसी गेट सं. 26 के स्थान पर रेलवे के रिलिविंग गर्डर द्वारा नए एलएचएस के निर्माण के संबंध में विद्युतीय (सामान्य) कार्य। (iv) एईएन/बीडीसी के अधीन एलसी गेट सं. 35 के स्थान पर रेलवे के रिलिविंग गर्डर द्वारा नए एलएचएस के निर्माण के संबंध में विद्युतीय (सामान्य) कार्य। (v) एईएन/बीडीसी के अधीन एलसी गेट सं. 40 के स्थान पर रेलवे के रिलिविंग गर्डर द्वारा नए एलएचएस के निर्माण के संबंध में विद्युतीय (सामान्य) कार्य। **निविदा मूल्य:** रु. 46,34,222; **बोली सुरक्षा (बयाना राशि जमा):** रु. 92,700; **क्रमांक 2, निविदा सं.:** ईएल-एचडब्ल्यूएच-25-21-3433-आर1; **कार्य का नाम:** एईएन/आरपीएच के अधीन आरपीएच (4 अदद) एवं एनएचटी (1 अदद) में 50000 गैलन क्षमता की आरसीसी ओ.एच. टैंक द्वारा स्टील की ओ.एच. टैंक के प्रतिस्थापन के साथ पाइप लाइन एवं अन्य अनुषांगिक कार्यों के संबंध में विद्युतीय (सामान्य) कार्य। **निविदा मूल्य:** रु. 41,85,433; **बोली सुरक्षा (बयाना राशि जमा):** रु. 83,700; **क्रमांक 3, निविदा सं.:** ईएल-एचडब्ल्यूएच-25-21-3606-आर; **कार्य का नाम:** वाशिंग/सिक लाइनों में एलएचबी कोचों के रखरखाव के लिए लिलुआ सॉर्टिंग यार्ड कोचिंग कॉम्प्लेक्स में वर्तमान 750 वोल्ट बाहरी विद्युत आपूर्ति व्यवस्था के उन्नयन के साथ सहायक विद्युत की वृद्धि। **निविदा मूल्य:** रु. 1,41,40,135; **बोली सुरक्षा (बयाना राशि जमा):** रु. 2,82,800; **क्रमांक 4, निविदा सं.:** ईएल-एचडब्ल्यूएच-25-21-3487-आर2; **कार्य का नाम:** सीनि. डीईएन/1/एचडब्ल्यूएच अनुभाग में अमृत स्टेशन योजना के अधीन टीएके में विस्तारित स्टेशन बिल्डिंग (भूतल) के शेष बचे हुए कार्य तथा गुबंदनुमा ढांचे, स्टेशन भवन के साथ तीर्थयात्री शेड के साथ कनेक्शन सहित स्टेशन भवन के पोर्च के साथ अग्रभाग के विकास, बुकिंग कार्यालय, शौचालय एवं प्रतीक्षालय के भीतरी उन्नयन तथा मौजूदा स्टेशन भवन के अन्य आनुषंगिक कार्यों को पूरा करने के लिए विद्युतीय (सामान्य) कार्य। **निविदा मूल्य:** रु. 48,34,905; **बोली सुरक्षा (बयाना राशि जमा):** रु. 96,700; **समापन अवधि:** प्रत्येक के लिए 180 दिन। **बंद होने की तारीख एवं समय:** प्रत्येक के लिए 20.08.2026 को 15.00 बजे। निविदा आमंत्रण सूचना में उल्लेखित बंद होने की तारीख को किसी भी कारणवश छुट्टी का दिन/बंद/हड़ताल घोषित होने पर भी ऑनलाइन निविदा बंद होने की तारीख में कोई परिवर्तन नहीं किया जाएगा, क्योंकि आईआरईपीएस की वेबसाइट में एप्लीकेशन निविदा बंद होने की तारीख एवं समय के उपरांत कोई भी प्रस्ताव जमा करने की अनुमति नहीं देता है। हालांकि, निविदा के बंद होने की तारीख एवं समय के उपरांत किसी भी सुविधाजनक दिवस को ऑनलाइन निविदाएं खोली जाएंगी। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदाओं से अपने प्रस्ताव उपरोक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन जमा करने का अनुरोध किया जाता है। (HWH-245/2026-27)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

मानसून की बेरूखी से बालू कारोबारी संकट में

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

लातेहार। मानसून की दस्तक के बाद भी बरवाडीह क्षेत्र में अपेक्षित वर्षा नहीं होने का असर अब सिर्फ खेती तक सीमित नहीं रहा है। कोयल, धड़धड़ी समेत अन्य नदियों में अब तक सामान्य बाढ़ नहीं आने से बालू के प्राकृतिक पुनर्भरण की रफ्तार थम गई है। इसका असर अब बालू कारोबार पर भी साफ दिखाई देने लगा है। कारोबारियों का कहना है कि यदि आने वाले दिनों में अच्छी वर्षा नहीं हुई तो अगले सीजन में बालू की उपलब्धता घट सकती है। इसका सीधा असर निर्माण कार्यों के साथ इस व्यवसाय से जुड़े हजारों लोगों की आजीविका पर पड़ेगा।

लोगों के अनुसार इस वर्ष अब तक सामान्य से कम वर्षा हुई है। इसके कारण नदियों का जलस्तर अपेक्षित स्तर तक नहीं पहुंच सका और बाढ़ जैसी स्थिति भी नहीं बनी। हर वर्ष बरसात के दौरान तेज बहाव के साथ पहाड़ी क्षेत्रों से नई बालू नदी तल में जमा होती है। यही प्राकृतिक प्रक्रिया अगले सीजन के लिए बालू का प्रमुख आधार बनती है, लेकिन इस बार कम वर्षा के कारण इस प्रक्रिया पर असर पड़ा है। बालू कारोबार से जुड़े लोगों का कहना है कि नदियों से लगातार बालू का उठाव होता रहता है। यदि बरसात के मौसम में उसका प्राकृतिक पुनर्भरण नहीं हुआ तो आने वाले समय में बालू की कमी होना तय है। इससे निर्माण कार्य प्रभावित होंगे और इस व्यवसाय से जुड़े मजदूरों, वाहन चालकों तथा छोटे कारोबारियों की आय पर भी संकट गहरा सकता है।

कारोबारियों का कहना है कि उनकी रोजी-रोटी काफी हद तक इसी व्यवसाय पर निर्भर है।इसलिए सभी की निगाहें अब मानसून की अगली वर्षा पर टिकी हैं। उनका मानना है कि यदि आने वाले दिनों में अच्छी वर्षा हुई और नदियों में तेज बहाव आया तो प्राकृतिक रूप से नई बालू का जमाव होगा और संभावित संकट काफी हद तक टल जाएगा।

स्कूल का ताला तोड़कर लाखों की चोरी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कान्हाचट्टी (चतरा)। राजपुर थाना क्षेत्र की चिरीदिरी पंचायत स्थित रामनगर उच्च विद्यालय में अज्ञात चोरों ने गुरुवार रात धावा बोलकर लाखों रुपये मूल्य के सामान की चोरी कर ली। चोरों ने विद्यालय के मुख्य गेट का ताला तोड़कर परिसर में प्रवेश किया और कार्यालय सहित विभिन्न कमरों के ताले तोड़कर जमकर उत्पात मचाया। घटना का पता शुक्रवार सुबह उस समय चला, जब शिक्षक सुजीत कुमार राम विद्यालय पहुंचे। विद्यालय पहुंचने पर उन्होंने मुख्य द्वार का ताला टूटा देखा। अंदर जाने पर कार्यालय सहित कई कमरों के ताले टूटे मिले और सामान इधर-उधर बिखरा पड़ा था। प्रारंभिक जांच में विद्यालय से चार कंप्यूटर सेट, सीसीटीवी कैमरे का पूरा सेट, इनवर्टर, स्मार्ट क्लास के दो प्रोजेक्टर, सोलर बैटरी सहित अन्य शैक्षणिक उपकरण चोरी होने की पुष्टि हुई है। वहीं पुस्तकालय कक्ष में भी चोरों ने तोड़फोड़ कर सामान अस्त-व्यस्त कर दिया।

आईजी ने किया एसडीपीओ कार्यालय का निरीक्षण

लंबित मामलों के शीघ्र निष्पादन का दिया निर्देश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

फतुहा। पटना प्रक्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) जितेंद्र राणा ने शुक्रवार को फतुहा-2 एसडीपीओ कार्यालय का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अनुमंडल के अंतर्गत आने वाले खुशरूपुर, दनियावां और शाहजहांपुर थाना क्षेत्रों के लंबित कांडों एवं विभिन्न मामलों की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने संबंधित थानाध्यक्षों को सभी लंबित मामलों का त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

समीक्षा के दौरान आईजी ने फतुहा-2 के एसडीपीओ संजीव कुमार की कार्यशैली की सराहना करते हुए कहा कि उनके प्रभावी नेतृत्व और नियमित मॉनिटरिंग के कारण अनुमंडल के तीनों थाना क्षेत्रों में लंबित मामलों की संख्या काफी कम है। उन्होंने कहा कि समय-समय पर मामलों की समीक्षा और निगरानी से पुलिस कार्यों में पारदर्शिता और तेजी आई है, जो सराहनीय है।

आईजी ने पुलिस पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि अपराध नियंत्रण, लंबित कांडों के निष्पादन, वारंट तामिला और विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए लगातार अभियान चलाया जाए। उन्होंने आम लोगों की शिकायतों का त्वरित निस्तारण करने तथा पुलिसिंग को और अधिक प्रभावी एवं जनहितकारी बनाने पर भी बल दिया।

निरीक्षण के दौरान पटना ग्रामीण के पुलिस अधीक्षक (एसपी) कुंदन कुमार, फतुहा-2 के एसडीपीओ संजीव कुमार, खुशरूपुर थानाध्यक्ष संजीव कुमार, दनियावां थानाध्यक्ष खुशबू खातून, शाहजहांपुर थानाध्यक्ष बमबम कुमार तथा फतुहा थानाध्यक्ष श्रीमंत कुमार सुमन सहित अन्य पुलिस पदाधिकारी उपस्थित थे।

पटना में सात दिवसीय हस्तशिल्प कार्यशाला शुरू

लोक कलाओं के संरक्षण पर जोर

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। संस्कृति मंत्रालय के पूर्व क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, कोलकाता और बिहार विद्यापीठ द्वारा संचालित देशरत्न राजेन्द्र प्रसाद शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, सदाकत आश्रम के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार से सात दिवसीय हस्तशिल्प कार्यशाला शुरू हुई। कार्यशाला 7 अगस्त 2026 तक प्रतिदिन सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित होगी। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि बिहार विद्यापीठ के सचिव डॉ. राणा अवधेश (भा.प्र.से. सेवानिवृत्त) ने कहा कि हस्तशिल्प भारतीय लोकसंस्कृति, परंपरा और सांस्कृतिक विरासत का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि भारतीय हस्तशिल्प की वैश्विक पहचान युवाओं के लिए रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर सृजित कर रही है। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. पूनम वर्मा ने कहा कि संस्थान में वर्षों से ऐसी कार्यशालाएं आयोजित की जा रही हैं, जिससे विद्यार्थियों को व्यावहारिक प्रशिक्षण मिलता है। उन्होंने संस्कृति मंत्रालय और पूर्व क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र के प्रति आभार व्यक्त किया। बिहार विद्यापीठ के संयुक्त सचिव अवधेश के. नारायण ने हस्तशिल्प कार्यशालाओं का विस्तार जिला और ग्राम स्तर तक करने की आवश्यकता बताई। राज्य पुरस्कार प्राप्त कलाकार एवं एटीडीसी के प्रशिक्षक मुकेश कुमार कर्ण ने कहा कि राज्य सरकार लोककलाओं और हस्तशिल्प के संरक्षण के लिए लगातार कार्य कर रही है। सुजनी कला की राज्य पुरस्कार प्राप्त कलाकार कौशल्या देवी ने हस्तशिल्प उत्पादों के प्रभावी विपणन पर बल दिया। कार्यक्रम का संचालन टिकुली चित्रकला की कलाकार रुचि कुमारी ने किया। कार्यशाला में मिथिला चित्रकला, टिकुली चित्रकला, सुजनी कला, एप्लिक वर्क और खिलौना निर्माण कला सहित पांच प्रमुख हस्तशिल्प विधाओं का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रत्येक विधा में तीन विशेषज्ञ कलाकार प्रतिभागियों को प्रशिक्षण देंगे। प्रशिक्षण के दौरान साड़ी, दुपट्टा, चादर, छाता, पर्स, थैला, कुर्ता और मेजपोश सहित विभिन्न हस्तशिल्प उत्पाद तैयार किए जाएंगे, जिनके लिए आवश्यक कच्चा माल आयोजकों की ओर से उपलब्ध कराया जाएगा।

कर्मचारियों के हित के मुद्दे पर हुई चर्चा

पटना (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। मंडल रेल प्रबंधक विनोद कुमार की अध्यक्षता में दानापुर मंडल कार्यालय के सभागार में ईस्ट सेन्ट्रल रेलवे ईम्प्लाईज यूनियन (ईसीआरईयू) के प्रतिनिधियों के साथ रेल हित, कर्मचारी कल्याण संबंधी कार्यों पर विचार-विमर्श एवं सुझावों के आदान प्रदान हेतु स्थायी वार्ता तंत्र बैठक आयोजित हुई। बैठक में कर्मचारी हित से जुड़े कई मुद्दों पर गहन चर्चा एवं विचार विमर्श किया गया। विदित हो कि दानापुर मंडल ने यूनियन, कर्मचारियों और अधिकारियों के सहयोग से कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। मंडल रेल प्रबंधक ने कहा कि कर्मचारी हित अति महत्वपूर्ण है एवं रेल प्रशासन इसके लिए प्रतिबद्ध है। मंडल रेल प्रबंधक ने प्रशासन के साथ सहयोगात्मक व्यवहार के लिए यूनियन के प्रति आभार प्रकट करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि रेलकर्मियों के अथक परिश्रम से दानापुर मंडल आने वाले समय में और नई ऊंचाई प्राप्त करने में सफल रहेगा। आज के इस बैठक में अपर मंडल रेल प्रबंधक, राजीव कुमार, अपर मंडल रेल प्रबंधक (ओपी), वींरेंद्र कुमार एवं सभी विभागों के विभागाध्यक्ष तथा अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

किसानों को गुणवत्तापूर्ण बीज, उर्वरक एवं कीटनाशी उपलब्ध कराना राज्य सरकार की प्राथमिकता : मंत्री

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने आज रसायन भवन, पटना स्थित गुण नियंत्रण एवं बीज विश्लेषण प्रयोगशाला का निरीक्षण कर प्रयोगशालाओं की कार्यप्रणाली, उपलब्ध संसाधनों एवं विभिन्न नमूनों की जांच व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने प्रयोगशालाओं में संचालित परीक्षण कार्यों, आधुनिक उपकरणों, मानव संसाधन, परीक्षण क्षमता एवं गुणवत्ता नियंत्रण व्यवस्था का अवलोकन करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। समीक्षा के दौरान कृषि मंत्री ने कहा कि किसानों को गुणवत्तापूर्ण बीज, उर्वरक एवं कीटनाशी उपलब्ध कराना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए प्रयोगशालाओं द्वारा निर्धारित मानकों के अनुरूप निष्पक्ष एवं गुणवत्तापूर्ण जांच सुनिश्चित की की जाये। उन्होंने निदेश दिया कि गुणवत्ता एवं मानकों से किसी प्रकार का समझौता स्वीकार्य नहीं होगा तथा सभी नमूनों की जांच वैज्ञानिक एवं विधिसम्मत प्रक्रिया के अनुरूप की जाये। श्री सिन्हा ने प्रयोगशालाओं में आधुनिक तकनीक एवं अत्याधुनिक मशीनों की उपलब्धता की समीक्षा करते हुए आवश्यकतानुसार तकनीकी उन्नयन का प्रस्ताव तैयार करने का निर्देश दिया।

सहयोग शिविर के 5.83 लाख आवेदनों में से 5.33 लाख का समाधान

पटना (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। सूचना एवं जन-सम्पर्क विभाग के संवाद कक्ष में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव मो. सोहैल ने कहा कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की दूरदर्शी सोच के अनुरूप आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए राज्य के सभी पंचायतों, प्रखंडों और नगर निकायों में प्रत्येक माह के पहले और तीसरे मंगलवार को सहयोग शिविर का आयोजन किया जा रहा है। 19 मई से शुरू हुए इस अभियान में 30 जुलाई तक करीब एक दर्जन सहयोग शिविरों का आयोजन हुआ। इनमें विभिन्न तरह की समस्याओं से संबंधित 5 लाख 83 हजार 866 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें से 5 लाख 33 हजार 904 मामलों का समय सीमा के भीतर निपटारा किया जा चुका है। शेष लंबित मामलों के निपटारे की प्रक्रिया भी तेजी से की जा रही है। सहयोग शिविर के सबसे ज्यादा मामले भोजपुर, पश्चिम चम्पारण, पटना, बेगूसराय और मुजफ्फरपुर जिलों से सामने आए हैं। श्री सोहैल ने यह भी कहा कि माननीय मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी जी के नेतृत्व में राज्य के सर्वांगीण विकास और बेहतर प्रशासनिक व्यवस्था स्थापित करने की दिशा में लगातार कार्य किये जा रहे हैं।

जागरूकता से डिजिटल सुरक्षा को बढ़ावा

पटना (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। एनपीसीआई टेक्स्ट मैसेज धोखाधड़ी के प्रति जागरूकता के माध्यम से डिजिटल सुरक्षा को बढ़ावा दे रहा है। डिजिटल भुगतान के बढ़ते उपयोग के साथ कई वित्तीय धोखाधड़ी की शुरुआत एक साधारण टेक्स्ट मैसेज से होती है, जिसे लोगों में जल्दबाजी, डर या जिज्ञासा पैदा करने के उद्देश्य से तैयार किया जाता है। टेक्स्ट मैसेज स्कैम के जरिए लोगों को फर्जी लिंक पर क्लिक करने, फर्जी कस्टमर केयर या हेल्पलाइन नंबर पर कॉल करने, अज्ञात ऐप या फाइल डाउनलोड करने, अपनी व्यक्तिगत या वित्तीय जानकारी जैसे ओटीपी, पिन या पासवर्ड साझा करने तथा पैसे ट्रांसफर करने के लिए प्रेरित किया जाता है। स्कैमर्स अक्सर खुद को बैंक, सरकारी एजेंसियों, डिलीवरी कंपनियों, टेलीकॉम प्रदाताओं या अन्य भरोसेमंद संस्थानों के प्रतिनिधि के रूप में प्रस्तुत करते हैं।

मंत्री ने 23 लाभुकों के बीच वितरित किए 4 लाख 27 हजार रुपये

नालंदा के सिलाव प्रखंड में आपदा पीड़ितों को डीबीटी के माध्यम से दिए गए 89 हजार 496 रुपये

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। ग्रामीण विकास विभाग, सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग के मंत्री और जदयू विधायक दल के नेता श्रवण कुमार ने शुक्रवार को नालंदा जिले के सिलाव प्रखंड में विभिन्न योजनाओं के तहत दर्जनों लाभुकों के बीच राशि का वितरण किया। सिलाव प्रखंड कार्यालय परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में चेक और डीबीटी के माध्यम से 4 लाख 27 हजार 496 रुपये का भुगतान संबंधित लोगों के बीच किया गया। इसमें मुख्यमंत्री पारिवारिक लाभ योजना के तहत 3 लाख रुपये, अग्निकांड से फसल क्षति मुआवजा के अंतर्गत 89 हजार 496 रुपये, श्रम संसाधन विभाग एवं मातृत्व लाभ के तहत 38 हजार रुपये डीबीटी के माध्यम से दिए गए हैं। गोरावां के पांकी पंचायत निवासी अजय कुमार और पावाडीह के चण्डी मौ पंचायत की निवासी ममता देवी को लेबर कार्ड योजना के तहत चेक के जरिए राशि प्रदान की गई। यहीं की निवासी नीलम देवी को मातृत्व योजना का लाभ दिया गया। मंत्री ने मुख्यमंत्री परिवार लाभ योजना के 15 लाभुकों को 20-20 हजार रुपये के चेक दिए। इनमें दरिया सराय के शशि भूषण कुमार, बेबी देवी, पचवारा की प्रवीला देवी, मनियावां माधुरी देवी, शाहपुर की महाजनी देवी और हरकित चौधरी, बक्सु के कुमार मांझी, सब्बैत की विभा देवी, नानंद के अनिल कुमार श्रीवास्तव, मितमा की रीता देवी, चकनिरपुर की गुड़िया कुमारी, जुनैदी की आराध्या कुमारी, घोस्तावां की नीलम कुमारी, जयकिशुन विगहा के रामा पंडित और करियन्ना की सरिता देवी शामिल हैं। सकिन-बिण्डीडीह में अग्निकांड के पांच पीड़ितों के बीच भी कुल 89,496 हजार रुपये का चेक प्रदान किया है। इसमें ललन कुमार को 18 हजार 428 रुपये, कार्यानंद भारती को 25 हजार 840 रुपये, पारस सिंह को 12 हजार 716 रुपये, मदन सिंह को 7012 रुपये, कृष्णनंदन सिंह को 25 हजार 500 रुपये की सहायता दी गई। इस मौके पर प्रखंड 20 सूत्री अध्यक्ष मुकेश कुमार, बीडीओ प्रह्लाद कुमार, सीओ प्रीति सिंह समेत अन्य मौजूद थे।

अभय कुमार सिंह को खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग का अतिरिक्त प्रभार

पटना (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। बिहार सरकार ने प्रशासनिक व्यवस्था में बदलाव करते हुए वरिष्ठ आईएएस अधिकारी अभय कुमार सिंह को एक और महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। सामान्य प्रशासन विभाग ने शुक्रवार को जारी अधिसूचना के माध्यम से उन्हें खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के सचिव का अतिरिक्त प्रभार सौंपने का आदेश जारी किया। 2004 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी अभय कुमार सिंह फिलहाल ग्रामीण कार्य विभाग के सचिव के रूप में कार्यरत हैं। इसके अलावा उनके पास सूचना प्रावैधिकी विभाग के सचिव का अतिरिक्त दायित्व भी है। नई अधिसूचना के बाद अब वे खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग का कार्यभार भी संभालेंगे।

सावन भक्ति, प्रकृति और सामाजिक समरसता का प्रतीक : डॉ. प्रेम कुमार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार विधान सभा के अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने पवित्र श्रावण मास के शुभारंभ पर प्रदेशवासियों को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सावन भक्ति, प्रकृति संरक्षण और सामाजिक समरसता का प्रतीक है। उन्होंने अपने संदेश में श्रावण मास के धार्मिक, पौराणिक, आध्यात्मिक और सामाजिक महत्व पर प्रकाश डाला। डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि सनातन संस्कृति में श्रावण मास को सर्वोच्च स्थान प्राप्त है। यह केवल उपासना का समय नहीं, बल्कि प्रकृति और समस्त जीवों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर भी है। उन्होंने कहा कि पौराणिक मान्यता के अनुसार समुद्र मंथन के दौरान निकले हलाहल विष को भगवान शिव ने अपने कंठ में धारण कर नीलकंठ का स्वरूप धारण किया था। विष की उष्णता को शांत करने के लिए देवी-देवताओं और प्रकृति ने भगवान शिव का जलाभिषेक किया, तभी से सावन में शिव को जल अर्पित करने की परंपरा चली आ रही है। उन्होंने कहा कि आध्यात्मिक दृष्टि से सावन आत्मशुद्धि, संयम और साधना का काल है, जो विपरीत परिस्थितियों में धैर्य और संतुलन बनाए रखने की प्रेरणा देता है।

जांच के लिए वाहन रोकने का अधिकार दारोगा से नीचे के पदाधिकारी को नहीं : एडीजी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। राज्य में किसी स्थान पर वाहन जांच करने में सिपाही की भूमिका नहीं होगी। किसी वाहन को रोकने या इनका चालान काटने या अन्य किसी तरह की कार्रवाई करने का अधिकार दारोगा या इससे ऊपर के पदाधिकारी को ही होगा। जमादार या सिपाही रैंक के पदाधिकारी किसी वाहन को रोकने या इनके खिलाफ किसी तरह की कार्रवाई नहीं करेंगे। यह जानकारी एडीजी (यातायात) सुधांशु कुमार ने पुलिस मुख्यालय सरदार पटेल भवन के सभागार में आयोजित प्रेस वार्ता में दी। कहा कि अगर वाहन जांच के दौरान अगर कोई डिजी लॉकर या ऑनलाइन माध्यम से कोई दस्तावेज दिखाता है, तो वह भी पूरी तरह मान्य होगा। बस ये दस्तावेज समुचित और असली होने चाहिए। ट्रैफिक में तैनात सभी कर्मियों को हर हाल में बॉडीवार्न कैमरा पहनना अनिवार्य होगा। इसे ऑन किए बिना किसी तरह की जांच या चालान से संबंधित कार्रवाई करना गलत माना जाएगा। उन्होंने कहा कि पटना के गांधी मैदान के पास स्थित आईसीसीसी (इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर) से सभी स्थानों खासकर प्रमुख स्थानों पर ट्रैफिक की मॉनीटरिंग की जाएगी। अगर कहीं जाम या किसी तरह की समस्या उत्पन्न होती है, तो तुरंत इस स्थान पर तैनात ट्रैफिक पुलिस कर्मियों या क्यूआरटी (क्वीक रिस्पांस टीम) को सूचना दी जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री राहत योजना को लेकर लोगों के बीच जागरूकता और जानकारी की कमी के कारण इसका समुचित तरीके से लाभ नहीं ले पाते हैं। इस योजना के तहत दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति को चिन्हित अस्पतालों में 1.50 लाख रुपये तक का इलाज मुफ्त करवा सकते हैं। दुर्घटना होने के 24 घंटे के अंदर कॉल सेंटर पर फोन या स्थानीय थानों को सूचना देकर पूरी जानकारी देनी होगी, तभी इसका लाभ मिल सकेगा। एडीजी ने कहा कि पटना समेत सभी प्रमुख शहरों में ट्रैफिक व्यवस्था को सुचारू करने के लिए नो वेंडर जोन समेत सभी प्रमुख स्थानों या सड़कों पर अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए नगर निगम समेत अन्य संबंधित एजेंसियों के साथ समन्वय स्थापित कर काम किया जा रहा है।

एंटी पेपर लीक बिल का पारित होना देश के करोड़ों छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की गारंटी : संजय सरावगी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने संसद के दोनों सदनों से एंटी पेपर लीक बिल के पारित होने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए इसे देश के करोड़ों छात्र-छात्राओं के हित में एक ऐतिहासिक और स्वागतयोग्य कदम बताया है। श्री सरावगी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने हमेशा युवाओं और छात्रों के भविष्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। एंटी पेपर लीक बिल परीक्षा में होने वाली अनियमितताओं, पेपर लीक और संगठित नकल जैसी गतिविधियों पर प्रभावी रोक लगाने की दिशा में एक मजबूत कदम है। इससे मेहनती और प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का मनोबल बढ़ेगा तथा उन्हें अपनी योग्यता और मेहनत के आधार पर आगे बढ़ने का निष्पक्ष अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि पेपर लीक केवल एक परीक्षा की समस्या नहीं है, बल्कि यह लाखों युवाओं के सपनों और उनके परिवारों की वर्षों की मेहनत के साथ खिलवाड़ है। ऐसे अपराधों में शामिल लोगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करने की दिशा में यह कानून महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार 'सबका साथ, सबका विकास' के संकल्प के साथ देश के युवाओं के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए लगातार काम कर रही है। एंटी पेपर लीक बिल का पारित होना इसी प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

स्टूडेंट्स क्रेडिट कार्ड से उच्च शिक्षा का सपना होगा साकार : डॉ. आनंद रंजन झा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

जन्दाहा (वैशाली)। कैरियर मिशन कम्प्यूटर एकेडमी, जन्दाहा में इंटरमीडिएट उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं के लिए एक विशेष जागरूकता एवं मार्गदर्शन सत्र का आयोजन किया गया। इस अवसर पर केंद्र निदेशक सह संस्थापक डॉ. आनंद रंजन झा ने विद्यार्थियों को बिहार सरकार की बिहार स्टूडेंट्स क्रेडिट कार्ड योजना के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी देते हुए बताया कि आर्थिक कठिनाइयों के कारण किसी भी विद्यार्थी की उच्च शिक्षा बाधित नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यह योजना विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए महत्वपूर्ण आर्थिक सहयोग प्रदान करती है। डॉ. झा ने विद्यार्थियों को बी.सी.ए, बी.बी.ए, बी.लिस सहित अन्य रोजगारोन्मुखी एवं व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज के प्रतिस्पर्धी दौर में कौशल एवं प्रोफ़ेशनल शिक्षा सफलता की सबसे बड़ी कुंजी है। उन्होंने विद्यार्थियों को अपनी रुचि, योग्यता एवं करियर लक्ष्य के अनुरूप पाठ्यक्रम का चयन करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि इंटरमीडिएट के बाद सही समय पर उचित मार्गदर्शन और सही कोर्स का चयन विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव रखता है। विद्यार्थियों ने भी इस सत्र में उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा बिहार स्टूडेंट्स क्रेडिट कार्ड योजना एवं विभिन्न प्रोफ़ेशनल कोर्सों से संबंधित अनेक प्रश्न पूछे, जिनका डॉ. आनंद रंजन झा ने सरल एवं व्यावहारिक उदाहरणों के साथ उत्तर दिया। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों ने इस प्रकार के करियर मार्गदर्शन एवं जागरूकता कार्यक्रमों को नियमित रूप से आयोजित करने की मांग की।

राज्यपाल सचिवालय में प्रो. विनोद कुमार त्रिपाठी सलाहकार नियुक्त

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। राज्यपाल-सह-कुलाधिपति लेफ्टिनेंट जनरल सय्यद अता हसनैन (सेवानिवृत्त) ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप बिहार में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता सुदृढ़ करने और विश्वविद्यालयों में शैक्षणिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रो. बिनोद कुमार त्रिपाठी को राज्यपाल सचिवालय में सलाहकार (संकाय उत्कृष्टता एवं शैक्षणिक विकास) नियुक्त किया है। प्रो. त्रिपाठी बिहार लोक भवन में कार्यरत रहते हुए संकाय विकास, शैक्षणिक गुणवत्ता, संस्थागत सुधार, प्रत्यायन (एनएएसी/एनआईआरएफ) तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रभावी क्रियान्वयन से जुड़े विषयों पर राज्यपाल-सह-कुलाधिपति को रणनीतिक परामर्श देंगे। प्रो. बिनोद कुमार त्रिपाठी को उच्च शिक्षा, शिक्षक प्रशिक्षण और शैक्षिक नीति के क्षेत्र में 40 वर्षों से अधिक का अनुभव है। वे विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के इंटर यूनिवर्सिटी सेंटर फॉर टीचर एजुकेशन (आईयूसीटीई) के संस्थापक निदेशक रह चुके हैं तथा राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) में भी कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य कर चुके हैं। उन्होंने बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय से पीएच.डी. की है। उच्च शिक्षा सुधार की व्यापक पहल के तहत राज्यपाल-सह-कुलाधिपति ने राज्य के सभी विश्वविद्यालयों तथा अंगीभूत एवं संबद्ध महाविद्यालयों में संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) के अनिवार्य आयोजन की रूपरेखा को भी स्वीकृति दी है। इसके अंतर्गत शोध, डिजिटल शिक्षण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता नवाचार, शैक्षणिक नेतृत्व, भारतीय ज्ञान परंपरा, जलवायु परिवर्तन, साइबर सुरक्षा, मानसिक स्वास्थ्य और कौशल विकास जैसे विषयों पर प्रतिवर्ष छह दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

अब गूगल मैप पर आसानी से तलाश सकेंगे अपने गांव-पंचायतों की गलियां

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

विशेष खबर

पटना। पंचायती राज विभाग के स्तर से डिजिटल इंडिया अभियान को गांव-गांव तक पहुंचाने की दिशा में एक बड़ा योगदान दे रहा है। 'ग्राम मानचित्र' योजना के तहत गांवों का विस्तृत डिजिटल मानचित्र तैयार किया जाएगा, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में गूगल मैप से घर ढूंढने में होने वाली परेशानी खत्म होगी। यह एकीकृत भू-स्थानिक (जीआईएस) आधारित प्लेटफॉर्म गांव की हर संपत्ति और सुविधा को डिजिटल रूप में दर्ज करेगा, जिससे बिहार के पंचायतों में संचालित विकास योजनाओं की निगरानी भी ग्रामीण कर सकेंगे। इससे ग्रामीण विकास पूरी तरह पारदर्शी, तकनीकी आधारित और योजना-आधारित बनेगा। बिहार के गांवों में यह खास महत्व रखती है, जहां जल संचयन, सूखा निवारण, स्वच्छता, सिंचाई और सड़क जैसी बुनियादी सुविधाएं संचालित होती है। ग्राम मानचित्र ऐप पर खेत, सड़क, पुल, तालाब, नहर, जल स्रोत, स्कूल, आंगनबाड़ी केंद्र, स्वास्थ्य उपकेंद्र, सरकारी भवन और आवास योजनाओं की जानकारी मानचित्र पर उपलब्ध रहेगी। इसकी मदद से पंचायत अधिकारियों को वास्तविक डेटा मिलेगा, जिसके आधार पर योजनाएं, निगरानी और उनका प्रभावी ढंग से लागू करने में मदद करेगा। गांव की हर सड़क को मिलेगा यूनिक कोड ग्रामीण भारत में पहली बार 'इन्ट्रा-विलेज रोड कोडिंग एंड ग्रेडिंग सिस्टम' लागू करने जा रहा है। इसके तहत गांवों के भीतर हर सड़क, गली और संपर्क मार्ग को यूनिक डिजिटल पहचान, कोड और क्यूआर कोड दिया जाएगा। गांवों की आंतरिक सड़कों का व्यवस्थित दस्तावेजीकरण होने से एकीकृत राष्ट्रीय डेटाबेस बनेगा। प्रत्येक सड़क को उसके प्रकार, राज्य, जिले और गांव के आधार पर विशेष अल्फान्यूमेरिक कोड मिलेगा।

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना में लापरवाही करने वाले वेंडर्स पर होगी कार्रवाई : ऊर्जा सचिव

पटना (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना (यूएलए) के प्रभावी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन को लेकर शुक्रवार को ऊर्जा विभाग के सचिव-सह-अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, बिहार स्टेट पावर होल्डिंग कंपनी लिमिटेड अजय यादव की अध्यक्षता में वेंडर्स के शीर्ष अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में योजना के अंतर्गत रूफटॉप सोलर संयंत्रों की स्थापना की प्रगति, कार्यों की गुणवत्ता, स्थापना की गति, निर्धारित समयसीमा के अनुपालन तथा कार्यान्वयन के दौरान आने वाली चुनौतियों की विस्तृत समीक्षा की गई। विभिन्न जिलों में चल रहे कार्यों की प्रगति का आकलन करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए। समीक्षा के दौरान ऊर्जा सचिव श्री यादव ने सभी संबंधित अधिकारियों एवं यूएलए वेंडर्स को स्पष्ट निर्देश दिया कि प्रत्येक स्थापना कार्य निर्धारित गुणवत्ता मानकों के अनुरूप हो तथा तय समयसीमा के भीतर पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि सभी एजेंसियां बेहतर समन्वय के साथ कार्य में तेजी लाएं ताकि योजना का लाभ समय पर अधिक से अधिक उपभोक्ताओं तक पहुंचाया जा सके। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि लक्ष्य के अनुरूप प्रगति नहीं करने वाले अथवा कार्य में अनावश्यक विलंब करने वाले वेंडर्स के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मां का दूध बने हर शिशु का पहला अधिकार, विश्व स्तनपान सप्ताह आज से

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। विश्व स्तनपान सप्ताह 2026 (1 से 7 अगस्त) के सफल आयोजन को लेकर समाज कल्याण विभाग के समेकित बाल विकास सेवाएं (आईसीडीएस) निदेशालय ने शुक्रवार को एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला में पोषण ट्रैकर आधारित बाल पोषण संकेतकों की समीक्षा, सेवाओं की प्रभावी मॉनिटरिंग तथा मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य कार्यक्रमों के बेहतर प्रगति को लेकर विस्तृत मंथन किया गया। कार्यशाला को संबोधित करते हुए आईसीडीएस निदेशक डॉ. प्रीति ने कहा कि विश्व स्तनपान सप्ताह 2026 एक अभियान ही नहीं, यह मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को सशक्त बनाने का महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने निर्देश दिया कि 1 से 7 अगस्त तक राज्य के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों पर व्यापक जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएं, ताकि प्रत्येक परिवार तक यह संदेश पहुंचे कि शिशु के जन्म के एक घंटे के भीतर स्तनपान शुरू कराया जाए, जन्म से पहले छह माह तक केवल मां का दूध दिया जाए तथा दो वर्ष या उससे अधिक समय तक पूरक आहार के साथ स्तनपान जारी रखा जाए। उन्होंने कहा कि पोषण ट्रैकर पर केवल आंकड़े दर्ज करना पर्याप्त नहीं है। इसके साथ उपलब्ध डेटा का विश्लेषण कर समयबद्ध सुधारात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करना ही इसकी वास्तविक सफलता है। पोषण ट्रैकर सक्षम आंगनवाड़ी एवं पोषण 2.0 के तहत विकसित एक महत्वपूर्ण डिजिटल प्लेटफॉर्म है, जिसके माध्यम से गर्भवती महिलाओं, धात्री माताओं, बच्चों और किशोरियों को प्रदान की जा रही सेवाओं की रियल-टाइम निगरानी की जाती है। सभी जिला कार्यक्रम पदाधिकारियों को एफआरएस, एचसीएम टिक-मार्क, टीएचआर वितरण, नॉमिनी सुविधा तथा पोषण ट्रैकर पर दर्ज किए जा रहे आंकड़ों को पारदर्शी तरीके से शत-प्रतिशत निरिक्षण करने का निर्देश दिया।

नवबिहार टाइम्स
बोकारो, शनिवार 01 अगस्त 2026

संपादकीय

नीट पेपर लीक के बाद नई पहल-क्या अब प्रतियोगी परीक्षाओं में लौटेगा भरोसा?

अगर विद्यार्थियों ने सड़क पर उतरकर अपना आक्रोश जाहिर नहीं किया होता और उनके प्रति पुलिस के रुख की वजह से सरकार कठघरे में नहीं खड़ी होती, तो शायद एक बार फिर बात आई-गई हो जाती।कई बार किसी मुद्दे पर उठने वाले सवाल विवाद की शक्ल अख्तियार कर लेते हैं। मगर काफी जद्दोजहद के बाद जब उस पर सहमति के बिंदु बनने लगते हैं, तब आखिरकार अपने परिणाम में वही सवाल भविष्य के लिए सकारात्मक दिशा का संकेत बन सकते हैं।नीट 2026 के प्रश्नपत्र लीक होने की घटना निश्चित तौर पर सरकारी तंत्र की विफलता और लापरवाही का सबूत थी, लेकिन उससे ज्यादा चिंता की बात यह थी कि लाखों विद्यार्थियों के भविष्य को लेकर सरकार बहुत ज्यादा फिक्रमंद नहीं दिखाई दे रही थी। इससे स्वाभाविक तौर पर विद्यार्थियों के बीच असंतोष और क्षोभ की भावना पैदा हुई और उसी को कॉकरोच जनता पार्टी नाम के एक नए बने समूह ने संगठित स्वर दिया।हालांकि इस मुद्दे पर दिल्ली के जंतर-मंतर पर हुए विरोध प्रदर्शन और खासतौर पर 'संसद मार्च' के आह्वान के दौरान विद्यार्थियों के खिलाफ पुलिस ने जिस स्तर का बल प्रयोग किया, उससे सरकार के रवैये पर तमाम सवाल उठे। विद्यार्थियों के शांतिपूर्वक विरोध प्रदर्शन के दमन की कोशिश को संवैधानिक और लोकतांत्रिक अधिकारों पर चोट की तरह देखा गया।अब विद्यार्थियों के उस आंदोलन के एक निष्कर्ष पर पहुंचने के बाद सरकार ने प्रश्नपत्र लीक होने की घटनाओं को पूरी तरह रोकने के लिए 'लोक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026' लाने की प्रक्रिया शुरू की है।मगर जरूरत इस बात की है कि देश भर में इस मुद्दे पर जिस तरह का विरोध और सरकार के रुख के प्रति असंतोष देखा गया, अगर उसके हल की कोई सूरत बन रही है, तो उसमें सभी पक्षों का सकारात्मक सहयोग सुनिश्चित हो। संशोधन विधेयक में प्रश्नपत्र लीक होने की कोई गुंजाइश नहीं छोड़ने के लिए कई सख्त प्रावधानों की बात की गई है। इससे यह साफ है कि सरकार इस समस्या की गंभीरता को अब स्वीकार कर रही है।मगर यहीं इस बात की जरूरत है कि इससे संबंधित सभी पक्षों पर विपक्षी दलों की भी विस्तृत राय ली जाए और इस पर संसद में पर्याप्त बहस हो। दूसरी ओर, आंदोलन के बाद जिस तरह तत्कालीन शिक्षा मंत्री का इस्तीफा हुआ और सरकार ने अपने कदम पीछे खींचे, तो अब विपक्षी दलों की भी यह जिम्मेदारी बनती है कि वे प्रश्नपत्र लीक होने की घटनाओं पर लगाम लगाने की कोशिश में अपना सक्रिय और सकारात्मक सहयोग दें।सही है कि नीट 2026 का प्रश्नपत्र लीक होने की घटना कोई पहली बार नहीं हुई थी। इससे पहले भी कई बार प्रश्नपत्र लीक होने के वाकये सामने आ चुके हैं। मगर सरकार ने औपचारिक निर्देशों के अलावा इसे गंभीरता से लेने की जरूरत नहीं समझी।

कारगिल के दुर्गम पर्वतों पर अदम्य साहस की अमर कहानी

(योगेश कुमार गोयल)

1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के बाद पहली बार कारगिल युद्ध हुआ था, जब दोनों देश सीधे तौर पर सैन्य संघर्ष में शामिल हुए थे। कारगिल युद्ध भारतीय सीमा क्षेत्र में पाकिस्तानी सैनिकों और कश्मीरी आतंकवादियों की घुसपैठ का ही परिणाम था। उस भीषण युद्ध में वायु शक्ति, तोपखाने और पैदल सेना के संचालन का व्यापक उपयोग किया गया था।

देश कारगिल विजय दिवस की 27वीं वर्षगांठ मना रहा है। भारतीय सेना ने 26 जुलाई 1999 को कारगिल युद्ध में पाकिस्तानी फौज को बुरी तरह धूल चटाई थी। भारत-पाकिस्तान के बीच जम्मू कश्मीर के कारगिल जिले में हुआ वह युद्ध 60 दिनों तक चला था और पाकिस्तान फौज की करारी शिकस्त के बाद 26 जुलाई 1999 को समाप्त हुआ था। पाकिस्तान पर भारत की इस जीत को याद करते हुए 26 जुलाई को 'कारगिल विजय दिवस' के रूप में मनाया जाता है। पाकिस्तानी सैनिकों और भाड़े के आतंकवादियों को मारकर या खदेड़कर कारगिल की चोटियों पर कब्जा करने के लिए चलाए गए 'ऑपरेशन विजय' के तहत तमाम बाधाओं को पार करते हुए हमारे वीर जांबाजों ने उन्हें कारगिल से खदेड़कर दुर्गम चोटियों पर जीत का परचम लहराया था लेकिन देश को इसकी बहुत भारी कीमत भी चुकानी पड़ी थी। दरअसल उस युद्ध में भारत को विजय दिलाने में भारतीय सेना के सैंकड़ों जवान शहीद हुए थे। कारगिल युद्ध में न केवल भारतीय सेना के 527 सैनिक शहीद हुए थे बल्कि दो महीने तक चले उस युद्ध के दौरान 453 आम नागरिक भी मारे गए थे। इसीलिए भारतीय सेना की उस विजय के बाद सरकार द्वारा प्रतिवर्ष 26 जुलाई को भारतीय सेना के शौर्य दिवस के रूप में कारगिल विजय दिवस मनाए जाने का फैसला लिया गया। सही मायनों में कारगिल विजय दिवस भारतीय सैनिकों के साहस और बलिदान को स्मरण करने तथा उनके बलिदान को सम्मान देने का दिन है और 26 जुलाई का दिन विशेष रूप से देश के इन्हीं वीर सपूतों को समर्पित है। देश के जन-जन तक कारगिल युद्ध के इन्हीं नायकों के शौर्य और पराक्रम की गाथा पहुंचाने के लिए ही यह दिवस मनाया जाता है।

1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के बाद पहली बार कारगिल युद्ध हुआ था, जब दोनों देश सीधे तौर पर सैन्य संघर्ष में शामिल हुए थे। कारगिल युद्ध भारतीय सीमा क्षेत्र में पाकिस्तानी सैनिकों और कश्मीरी आतंकवादियों की घुसपैठ का ही परिणाम था। उस भीषण युद्ध में वायु शक्ति, तोपखाने और पैदल सेना के संचालन का व्यापक उपयोग किया गया था। युद्ध की खास बात यह थी कि वह युद्ध काफी ऊंचाई पर लड़ा गया था, जिसमें कुछ सैन्य चौकियां तो 18 हजार फुट से भी ज्यादा ऊंचाई पर स्थित थी। ऐसे में भारतीय सैनिकों के लिए वह लड़ाई बेहद चुनौतीपूर्ण थी लेकिन हमारे जांबाजों ने देश की आन-बान और शान के लिए अपने प्राणों की आहूति देकर न केवल पाकिस्तान को उसकी असली औकात दिखाई बल्कि 700 से भी ज्यादा पाकिस्तानी सैनिकों को मौत के घाट भी उतारा। दुश्मन को रणनीतिक स्थानों से हटाने के लिए महत्वपूर्ण हवाई हमले करते हुए भारतीय वायुसेना ने उस युद्ध के दौरान बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। भारतीय सेना ने युद्ध के दौरान टोलोलिंग, टाइगर हिल, प्वाइंट 4875 सहित अन्य रणनीतिक चोटियों पर फिर से कब्जा कर लिया था।

कारगिल युद्ध की शुरूआत 26 मई 1999 को भारतीय सेना के हवाई हमले के साथ हुई थी। दरअसल भारतीय सेना को 3 मई 1999 को कारगिल में स्थानीय चरवाहों द्वारा पाकिस्तानी सैनिकों और आतंकवादियों के बारे में सतर्क किया गया था और उसके दो ही दिन बाद 5 मई 1999 को पाकिस्तानी सैनिकों ने भारतीय सेना के कम से कम 5 जवानों को मार डाला था। उसके बाद 10 मई 1999 को भारतीय सेना द्वारा 'ऑपरेशन विजय' की शुरूआत की गई। उस दौरान कारगिल में पाकिस्तानी सेना ने भारतीय सेना के गोला-बारूद भंडार को निशाना बनाया। 26 मई को भारतीय सेना ने पाकिस्तानी सैनिकों पर हवाई हमला किया। 27 मई को भारतीय वायुसेना का एक मिग-27 गिर गया, जिसमें चार क्रू सदस्यों की मौत हो गई लेकिन विमान से बाहर निकलने वाले पायलट को पाकिस्तानी सैनिकों ने युद्धबंदी के रूप में पकड़ लिया। तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने 31 मई 1999 को घोषणा की कि कारगिल में युद्ध जैसी स्थिति है, जिसके बाद अमेरिका, फ्रांस सहित कुछ देशों ने अगले ही दिन भारत के खिलाफ सैन्य कार्रवाई के लिए पाकिस्तान को जिम्मेदार ठहराया। भारतीय सेना ने 5 जून 1999 को कुछ महत्वपूर्ण दस्तावेज जारी किए, जिनसे पूरी दुनिया के समक्ष पाकिस्तान की करतूत का खुलासा हुआ।

भारतीय सेना ने 9 जून 1999 को कारगिल के बटालिक सेक्टर में दो महत्वपूर्ण ठिकानों पर कब्जा कर लिया। अगले ही दिन पाकिस्तान ने जाट रेजिमेंट के 6 सैनिकों के शव क्षत-विक्षत हालत में भारत को लौटाए। 13 जून 1999 को भारत ने युद्ध की दिशा बदलते हुए महत्वपूर्ण टोलोलिंग चोटी पर भी कब्जा कर लिया और प्रधानमंत्री वाजपेयी ने कारगिल का दौरा किया। अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने 15 जून 1999 को पाकिस्तान के प्रधानमंत्री नवाज शरीफ से पाकिस्तानी सैनिकों को पीछे हटाने का आग्रह किया लेकिन पाकिस्तान ने उस अपील को अनसुना कर दिया। 11 घंटे के भीषण संघर्ष के बाद भारतीय सेना ने 20 जून 1999 को टाइगर हिल के पास प्वाइंट 5060 और प्वाइंट 5100 पर भी पुनः कब्जा कर लिया। अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने 5 जुलाई 1999 को नवाज शरीफ से मुलाकात की, जिसके बाद पाकिस्तान ने कारगिल से पाकिस्तानी सैनिकों को हटाने की घोषणा की। 11 जुलाई 1999 को पाकिस्तानी सैनिकों ने पीछे हटना शुरू किया और भारतीय सेना ने बटालिक की प्रमुख चोटियों पर कब्जा कर लिया। भारतीय सेना ने 14 जुलाई 1999 को 'ऑपरेशन विजय' की सफलता की घोषणा की और 26 जुलाई 1999 को वीर 527 सैनिकों की शहादत के बाद कारगिल युद्ध समाप्त हुआ।

बहुत ऊंचाई पर लड़े गए उस भीषण युद्ध के दौरान अपनी बहादुरी और साहसिक कार्यों के लिए कई सैन्य अधिकारी राष्ट्रीय नायक बन गए, जिनमें 13 जेएके राइफल्स के कैप्टन विक्रम बत्रा, 18 ग्रेनेडियर्स के ग्रेनेडियर योगेन्द्र सिंह यादव, 1/11 गोरखा राइफल्स के लेफ्टिनेंट मनोज कुमार पांडे, 18 ग्रेनेडियर्स के लेफ्टिनेंट बलवान सिंह, एएससी, 2 राज आरआईएफ के कैप्टन एन केंगुरुसे प्रमुख रूप से शामिल हैं। युद्ध के दौरान भारत सेना के अनेक नायकों ने अपने प्राणों की आहुति इसीलिए दी ताकि पूरा देश चैन की नींद सो सके। कारगिल युद्ध में शौर्य और पराक्रम के लिए ग्रेनेडियर योगेन्द्र सिंह यादव तथा लेफ्टिनेंट मनोज कुमार पांडे को परमवीर चक्र और लेफ्टिनेंट बलवान सिंह को महावीर चक्र से सम्मानित किया गया। कैप्टन एन केंगुरुसे को मरणोपरांत महावीर चक्र और कैप्टन विक्रम बत्रा को मरणोपरांत परमवीर चक्र प्रदान कर उनकी शहादत का सम्मान किया। कारगिल युद्ध के दौरान कैप्टन विक्रम बत्रा के शब्द, 'ये दिल मांगे मोर' तो अब भी लोगों के कानों में गूंजते हैं। कारगिल युद्ध के ऐसे ही वीर नायकों की बहादुरी, साहस और जुनून की कहानियां आज भी देश के प्रत्येक नागरिक के दिलोदिमाग में जोश भर देती हैं।(लेखक 36 वर्षों से पत्रकारिता में सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार और 'सागर से अंतरिक्ष तक- भारत की रक्षा क्रांति' सहित कई पुस्तकों के लेखक हैं)(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

'जरासंध' की खुशी तात्कालिक है...

(प्रणय विक्रम सिंह)

इतिहास का सबसे बड़ा भ्रम यह है कि वह युद्धभूमि में दिखाई देने वाले दृश्य को ही अंतिम सत्य मान लेता है। किंतु भारत की सभ्यता ने कभी केवल दृश्य को सत्य नहीं माना। उसने परिणाम से पहले उद्देश्य को देखा, विजय से पहले धर्म को देखा और पराक्रम से पहले बुद्धि को स्थान दिया।

यही कारण है कि इस भूमि ने उस पुरुष को भी भगवान कहा, जिसे उसके विरोधियों ने कभी 'रणछोड़' कहकर उपहास का विषय बनाया था।

कितना विचित्र है कि जिन श्री कृष्ण को गीता के उपदेशक, धर्म के संस्थापक, महाभारत के सूत्रधार और अधर्म के अंत का नायक माना जाता है, उन्हीं कृष्ण के नाम के साथ 'रणछोड़' शब्द भी जुड़ा। यदि केवल तत्कालीन जनमत से इतिहास लिखा जाता, तो शायद लोग यही कहते कि कृष्ण युद्धभूमि छोड़कर भाग गए। जरासंध स्वयं भी शायद यही समझ बैठा होगा कि उसने अपने सबसे बड़े प्रतिद्वंद्वी को पराजित कर दिया है। लेकिन इतिहास कभी तत्कालीन शोर से नहीं लिखा जाता। इतिहास समय की अग्नि में तपकर अपना निर्णय देता है।

भगवान श्री कृष्ण जानते थे कि प्रत्येक युद्ध रणभूमि में खड़े होकर नहीं जीता जाता। कभी-कभी एक कदम पीछे हटना ही अंतिम विजय की भूमिका बनता है। मथुरा से द्वारका का प्रस्थान 'पलायन' नहीं था, वह राष्ट्र, समाज और भविष्य की रक्षा के लिए लिया गया दूरदर्शी निर्णय था। उस समय जरासंध ने स्वयं को विजेता समझा होगा, पर इतिहास ने विजेता किसे माना? इतिहास ने रणछोड़दास को भगवान कहा, जरासंध को नहीं।

जरासंध की सबसे बड़ी भूल यह नहीं थी कि वह कृष्ण से लड़ता रहा। उसकी सबसे बड़ी भूल यह थी कि उसने हर बार पीछे हटते कृष्ण को पराजित समझ लिया। उसे दिखाई नहीं दिया कि कृष्ण युद्ध नहीं, समय चुन रहे हैं। यही कारण है कि उस दिन की जय-पराजय समय के साथ उलट गई। जरासंध अपने युग का विजेता कहलाया, लेकिन इतिहास का नायक नहीं बन सका। कृष्ण उस क्षण 'रणछोड़' कहे गए, किंतु काल ने उन्हें योगेश्वर के सिंहासन पर प्रतिष्ठित कर दिया।

भारत का दर्शन हमें सिखाता है कि पीछे हटना और हार जाना समानार्थी शब्द नहीं हैं। जो व्यक्ति अपने अहंकार की रक्षा के लिए समाज को संकट में डाल दे, वह विजेता होकर भी पराजित है। और जो व्यक्ति अपने सम्मान का त्याग करके समाज की रक्षा कर ले, वह तत्कालीन आलोचना झेलकर भी इतिहास में विजेता बनता है। इसी कारण इस देश ने श्री राम को वनवासी होकर भी मर्यादा पुरुषोत्तम कहा, श्री कृष्ण को रणछोड़ होकर भी भगवान कहा और छत्रपति शिवाजी महाराज की आगरा से रणनीतिक वापसी को कायरता नहीं, राष्ट्रनीति माना।

राजनीति में भी यही कसौटी लागू होती है। नेतृत्व का अर्थ केवल संघर्ष करना नहीं है। नेतृत्व का अर्थ यह भी है कि किस संघर्ष को कहां समाप्त करना है, किस विवाद को कितना बढ़ने देना है और किस क्षण स्वयं को पीछे करके राष्ट्रहित को आगे रखना है। जो राजनेता केवल इसलिए अड़ा रहे कि कहीं उसे झुकना न पड़ जाए, वह नेतृत्व नहीं कर रहा होता, वह अपने अहंकार की रक्षा कर रहा होता है। सच्चा नेतृत्व वह है, जो जानता है कि कब तलवार उठानी है और कब म्यान में रख देनी है।

आज जब हम केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को देखते हैं, तो उसे केवल एक राजनीतिक घटना के रूप में देखना पर्याप्त नहीं है। इस निर्णय के पीछे जो भी राजनीतिक परिस्थितियां रही हों, एक तथ्य स्पष्ट है कि उन्होंने पद को राष्ट्र से बड़ा नहीं माना। उन्होंने स्वयं को विवाद का केंद्र बनाए रखने के बजाय पद छोड़कर व्यवस्था को आगे बढ़ने का अवसर दिया। लोकतंत्र में इससे असहमति हो सकती है, लोग इसे अलग-अलग दृष्टि से देख सकते हैं, किंतु यह प्रश्न अवश्य पूछा जाएगा कि यदि कोई नेता अपने पद से चिपका नहीं रहता, बल्कि परिस्थितियों को सामान्य बनाने के लिए पीछे हटता है, तो क्या उसे पराजित कह देना न्याय होगा?

केंद्रीय शिक्षा मंत्री के रूप में धर्मेंद्र प्रधान ने केवल एक मंत्रालय नहीं संभाला। नई शिक्षा नीति के माध्यम से भारतीय शिक्षा व्यवस्था को औपनिवेशिक मानसिकता से बाहर निकालने, मातृभाषा को सम्मान दिलाने, भारतीय ज्ञान परंपरा को पुनः स्थापित करने और इतिहास के अनेक उपेक्षित अध्यायों को शिक्षा के मुख्य विमर्श में लाने का प्रयास किया। दशकों तक जिस शिक्षा व्यवस्था पर वैचारिक एकरूपता का आरोप लगता रहा, उसमें विविध भारतीय दृष्टियों के लिए स्थान बनाने का प्रयास हुआ। इस दिशा में स्वाभाविक रूप से मतभेद भी हुए और समर्थन भी मिला। शिक्षा पर बहस होनी चाहिए। लोकतंत्र में असहमति का सम्मान भी होना चाहिए। विद्यार्थी यदि अपनी पीड़ा व्यक्त करते हैं तो वह लोकतांत्रिक अधिकार है। परीक्षा व्यवस्था में यदि कमियां हैं तो उनका कठोर सुधार भी होना चाहिए।

धरती की चेतावनी को सुनिए, प्रकृति का धैर्य अब जवाब दे रहा है

(योगेश कुमार गोयल)

2020 में कोरोना महामारी के कारण लगे लॉकडाउन के दौर में पूरी दुनिया ने पहली बार प्रकृति को खुलकर मुस्कराते देखा था क्योंकि तब औद्योगिक इकाईयां, हवाई व रेल यात्राएं, बस यात्रा तथा निजी वाहनों का आवागमन बंद होने से हर तरह के प्रदूषण का स्तर पूर्ण रूप से नियंत्रित हो गया था।पूरी दुनिया में मौसम के तेजी से बिगड़ते मिजाज के कारण विभिन्न देशों में प्रकृति की मार अब स्पष्ट नजर आने लगी है। प्रकृति के साथ खिलवाड़ का ही परिणाम है कि अब हर साल देश के कई हिस्से भारी बारिश के कारण बाढ़ की वजह से त्राहि-त्राहि करते नजर आते हैं जबकि कई हिस्से मानसून के दौरान भी पर्याप्त बारिश के लिए तरसते रह जाते हैं। इस वर्ष भी कुछ ऐसे ही हालात हैं। दुनिया के कई ठंडे इलाके अब ग्लोबल वार्मिंग के कारण तपने लगे हैं तो कई सूखे इलाके बाढ़ से त्रस्त हैं, जंगल झुलस रहे हैं। बिगड़ते पर्यावरणीय संतुलन और मौसम चक्र में आते बदलाव के कारण पेड़-पौधों की अनेक प्रजातियों के अलावा जीव-जंतुओं की कई प्रजातियों के अस्तित्व पर भी संकट के बादल मंडरा रहे हैं। पर्यावरण के तेजी से बदलते इस दौर में वैश्विक स्तर पर लोगों का ध्यान इन समस्याओं की ओर आकृष्ट करने के लिए ही प्रतिवर्ष 28 जुलाई को 'विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस' मनाया जाता है, जिसके माध्यम से वातावरण में हो रहे व्यापक बदलावों के चलते लगातार विलुप्ति के कगार पर पहुंच रही जीव जंतुओं और वनस्पतियों की अनेक प्रजातियों की रक्षा का संकल्प लिया जाता है। विश्वभर में आधुनिकीकरण और औद्योगिकीकरण के चलते प्रकृति के साथ बड़े पैमाने पर जो खिलवाड़ हो रहा है, उसके मद्देनजर आमजन को जागरूक करने के लिहाज से आज के समय में प्रकृति संरक्षण दिवस की महत्ता बढ़ गई है।

2020 में कोरोना महामारी के कारण लगे लॉकडाउन के दौर में पूरी दुनिया ने पहली बार प्रकृति को खुलकर मुस्कराते देखा था क्योंकि तब औद्योगिक इकाईयां, हवाई व रेल यात्राएं, बस यात्रा तथा निजी वाहनों का आवागमन बंद होने से हर तरह के प्रदूषण का स्तर पूर्ण रूप से नियंत्रित हो गया था। गंगा, यमुना जैसी जो पवित्र नदियां कई जगहों पर गंदे नालों की भांति बहती दिखाई देती थी, उनमें जल की निर्मल धारा बहने लगी थी। जिन नदियों को साफ करने के लिए पिछले कुछ दशकों में अनेक योजनाएं और समितियां बनी तथा नदियों की स्वच्छता के नाम पर अरबों-खरबों रुपये खर्च हो गए, लॉकडाउन के दौरान वे स्वतः ही स्वच्छ और निर्मल हो गई थी। पहली बार देखा गया था कि किस प्रकार लॉकडाउन के चलते लोगों के घरों में बंद रहने और सभी प्रकार के व्यावसायिक कार्य बंद हो जाने से हवा इतनी शुद्ध हो गई थी कि सैंकड़ों किलोमीटर दूर स्थित पर्वतों की चोटियां भी स्पष्ट दिखाई दी थी। जिन नन्हीं चिड़ियों की चहचहाहट को हमारे कान तरस गए थे, ब्रह्म मुहूर्त में उनकी मधुर आवाज फिर से सुनाई देनी लगी थी। प्रकृति के उस साफ-सुथरे स्वरूप को देखकर हर कोई खुश था। दरअसल प्रकृति को स्वयं अपनी मरम्मत करने और खुद को सजाने-संवारने का सुअवसर मिला था लेकिन इंसानी गतिविधियां पुनः शुरू होते ही प्रकृति के साथ निर्मम खिलवाड़ का वही दौर पुनः शुरू हो गया, जिसका परिणाम इस समय दुनिया के तमाम देश भुगत रहे हैं।

लॉकडाउन के दौर ने पूरी दुनिया को यह समझने का बेहतरीन अवसर दिया था कि इंसानी गतिविधियों के कारण ही प्रकृति का जिस बड़े पैमाने पर दोहन किया जाता रहा है, उसी के कारण स्वर्ग से भी सुंदर हमारी धरती कराहती रही है। प्रकृति मनुष्य को ऐसा न करने के लिए बार-बार किसी न किसी बड़ी आपदा के रूप में चेतावनियां भी देती रही है लेकिन उन चेतावनियों को सदा दरकिनार किया जाता रहा है। प्रकृति के साथ मानवीय छेड़छाड़ का ही नतीजा रहा है कि बीते कुछ वर्षों में मौसम चक्र में बदलाव स्पष्ट दिखाई दिया है। वर्ष दर वर्ष अब जिस प्रकार मौसम के बिगड़ते मिजाज के चलते समय-समय पर तबाही देखने को मिल रही है, ऐसे में हमें अच्छी तरह समझ लेना चाहिए कि मौसम चक्र के बदलाव के कारण प्रकृति संतुलन पर जो विपरीत प्रभाव पड़ रहा है, उसकी अनदेखी के कितने भयावह परिणाम होंगे। प्रकृति बार-बार मौसम चक्र में बदलाव के संकेत, चेतावनी तथा संभलने का अवसर देती रही है लेकिन हम आदतन किसी बड़े खतरे के सामने आने तक ऐसे संकेतों या चेतावनियों को नजरअंदाज करते रहे हैं, जिसका नतीजा अक्सर भारी तबाही के रूप में सामने आता रहा है।

पिछले तीन दशकों से पर्यावरण प्रदूषण के कारण जिस प्रकार मौसम चक्र तीव्र गति से बदल रहा है और प्राकृतिक आपदाओं का आकस्मिक सिलसिला तेज हुआ है, उसके बावजूद यदि हम नहीं संभलना चाहते तो इसमें भला प्रकृति का क्या दोष? प्रकृति के साथ हम बड़े पैमाने पर जो छेड़छाड़ कर रहे हैं, उसी का नतीजा है कि पिछले कुछ समय में भयानक तूफानों, बाढ़, सूखा, भूकम्प जैसी प्राकृतिक आपदाओं का सिलसिला तेजी से बढ़ा है। अपनी पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' में मैंने विस्तार से यह बताया है कि किस प्रकार पर्यावरण का संतुलन डगमगाने के चलते लोग अब तरह-तरह की भयानक बीमारियों के जाल में फंस रहे हैं। हमारे जो पर्वतीय स्थान कुछ सालों पहले तक शांत और स्वच्छ वातावरण के कारण हर किसी को अपनी ओर आकर्षित किया करते थे, आज वहां भी प्रदूषण तेजी से बढ़ रहा है और ठंडे इलाकों के रूप में विख्यात पहाड़ भी तपने लगने हैं, वहां भी जल संकट गहराने लगा है। दरअसल पर्वतीय क्षेत्रों में यातायात के साधनों से बढ़ते प्रदूषण, बड़े-बड़े उद्योग स्थापित करने और राजमार्ग बनाने के नाम पर बड़े पैमाने पर वनों के दोहन, सुरंगें बनाने के लिए बेदर्दी से पहाड़ों का सीना चीरे जाने का ही दुष्परिणाम है कि हमारे इन खूबसूरत पहाड़ों की ठंडक अब लगातार कम हो रही है। पहाड़ों में बढ़ती इसी गर्माहट के चलते हमें अक्सर घने वनों में भयानक आग लगने की खबरें भी सुनने को मिलती रहती हैं। पहाड़ों की इसी गर्माहट का सीधा असर निचले मैदानी इलाकों पर पड़ता है, जहां का पारा अब वर्ष दर वर्ष बढ़ रहा है।

हालांकि प्रकृति बार-बार अपना रौद्र रूप दिखाकर स्पष्ट चेतावनी देती रही है कि यदि उसके साथ अंधाधुंध खिलवाड़ बंद नहीं हुआ तो उसके घातक परिणाम होंगे लेकिन विड़म्बना है कि लगातार प्रकृति का प्रचण्ड रूप देखते रहने के बावजूद प्रकृति की चेतावनियों को नजरअंदाज कर दुनिया अपने विनाश को आमंत्रित कर रही है। दरअसल हम समझना ही नहीं चाहते कि पहाड़ों का सीना चीरकर हरे-भरे जंगलों को तबाह कर हम कंक्रीट के जो जंगल विकसित कर रहे हैं, वह वास्तव में विकास नहीं है बल्कि विकास के नाम पर हम अपने ही विनाश का मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं। प्रकृति कभी समुद्री तूफान तो कभी भूकम्प, कभी सूखा तो कभी अकाल के रूप में अपना विकराल रूप दिखाकर हमें बारम्बार चेतावनी देती रही है कि हम यदि इसी प्रकार प्राकृतिक संसाधनों का बुरे तरीके से दोहन करते रहे तो हमारे भविष्य की तस्वीर कैसी होने वाली है। यदि हम अभी भी नहीं संभले और हमने प्रकृति से साथ खिलवाड़ बंद नहीं किया तो हमें आने वाले समय में इसके खतरनाक परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहना होगा।(लेखक वरिष्ठ पत्रकार, पर्यावरण विषयों के जानकार और 'प्रदूषण मुक्त सांसें' पुस्तक के लेखक हैं) (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

गंगा के बढ़ते जलस्तर पर प्रशासन सतर्क

● सीओ ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का लिया जायजा

जमालपुर (मुंगेर), नवबिहार टाइम्स संवाददाता। गंगा नदी के लगातार बढ़ते जलस्तर को देखते हुए जमालपुर प्रखंड प्रशासन पूरी तरह सतर्क हो गया है। संभावित बाढ़ की स्थिति से निपटने की तैयारियों का जायजा लेने के लिए अंचलाधिकारी प्रीति कुमारी ने शुक्रवार को प्रखंड के संभावित बाढ़ प्रभावित पंचायतों एवं घाटों का निरीक्षण किया।

इस दौरान उन्होंने स्थानीय जनप्रतिनिधियों, गोताखोरों तथा ग्रामीणों से बातचीत कर क्षेत्र की वस्तुस्थिति की जानकारी ली और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।जमालपुर प्रखंड के सिंघिया, परहम, इंद्ररुख पश्चिम तथा इटहरी-कलारामपुर पंचायतों के कई गांव गंगा के जलस्तर बढ़ने पर प्रभावित होते हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने इन क्षेत्रों में निगरानी बढ़ा दी है। निरीक्षण के दौरान अंचलाधिकारी ने घाटों की स्थिति, आवागमन, संभावित सुरक्षित स्थानों तथा राहत एवं बचाव की तैयारियों की समीक्षा की।सीओ प्रीति कुमारी ने बताया कि वर्तमान में गंगा का जलस्तर सामान्य गति से बढ़ रहा है और

फिलहाल घबराने जैसी कोई स्थिति नहीं है। बावजूद इसके प्रशासन पूरी तरह सतर्क है तथा हर गतिविधि पर लगातार नजर रखी जा रही है। उन्होंने कहा कि किसी भी संभावित आपदा से निपटने के लिए आवश्यक संसाधन, बचाव दल और अन्य व्यवस्थाएं तैयार रखी गई हैं। साथ ही लोगों से अपील की कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और प्रशासन द्वारा जारी निदेशों का पालन करें।

प्रशासन ने संबंधित पंचायतों के जनप्रतिनिधियों को भी सतर्क रहने तथा किसी भी आपात स्थिति की सूचना तत्काल अंचल कार्यालय को देने का निर्देश दिया है, ताकि समय रहते राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया जा सके।

हिंदी टिप्पण-आलेखन में उत्कृष्ट प्रदर्शन पर रेलकर्मी सम्मानित

जमालपुर-मुंगेर के अधिकारियों को मिला पुरस्कार

जमालपुर (मुंगेर), नवबिहार टाइम्स संवाददाता। सरकारी कामकाज में राजभाषा हिंदी के प्रभावी उपयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग द्वारा आयोजित हिंदी टिप्पण-आलेखन प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मालदा मंडल के 10 रेलकर्मियों को नगद प्रोत्साहन राशि एवं प्रशस्ति देकर सम्मानित किया गया। मालदा में आयोजित समारोह में अपर मंडल रेल प्रबंधक ए.के. मौर्य ने सभी विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किया।सम्मानित होने वालों में जमालपुर, मुंगेर, रतनपुर और अकबरनगर स्टेशनों के अधिकारी भी शामिल रहे। इनमें मुंगेर के स्टेशन प्रबंधक राजीव कुमार, जमालपुर के स्टेशन प्रबंधक राहुल कुमार, संजीव कुमार एवं सुभाष चंद्र पाठक, रतनपुर के संजय कुमार तथा अकबरनगर के स्टेशन प्रबंधक दीपक कुमार उपाध्याय समेत अन्य प्रतिभागियों को उनकी उत्कृष्ट हिंदी टिप्पण-आलेखन क्षमता के लिए सम्मानित किया गया।पुरस्कार प्राप्त कर लौटने पर जमालपुर, मुंगेर, रतनपुर और अकबरनगर स्टेशन पर सहकर्मियों ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई दी। इधर बधाई देते हुए स्टेशन प्रबंधक दीपक कुमार ने कहा कि यह सम्मान न केवल व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि कार्यालयी कार्यों में हिंदी के प्रभावी प्रयोग के प्रति रेलवे की प्रतिबद्धता का भी प्रमाण है।रेल अधिकारियों ने कहा कि राजभाषा हिंदी का अधिकाधिक प्रयोग प्रशासनिक कार्यों को सरल और प्रभावी बनाता है। इस प्रकार की प्रतियोगिताएं कर्मचारियों को हिंदी में बेहतर कार्य करने के लिए प्रेरित करती हैं तथा कार्यालयों में राजभाषा के उपयोग को और अधिक सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

संक्षिप्त समाचार

ग्रामीण मण्डल की संगठनात्मक बैठक

खूंटी, नवबिहार टाइम्स सवाददाता। ग्रामीण मण्डल की संगठनात्मक बैठक मण्डल अध्यक्ष रूकमिला सारू की अध्यक्षता में जिला कार्यालय खूंटी में किया गया। बैठक में मुख्य रूप से जिला प्रभारी श्रीमती सुनीता सिंह उपस्थित रहीं। बैठक को संबोधित करते हुए श्रीमती सिंह ने कहा कि रक्फ़ का अभी एक चरण पूरा हुआ है। पांच अगस्त से वोटर लिस्ट चुनाव आयोग के द्वारा जारी किया जाएगा। इसमें कोई योग्य व्यक्ति छुट गया है तो अपना आपत्ति दावा कर सकता है। सर में रांची से लगभग 70 हजार अयोग्य लोगों का नाम कट गया है। सुनीता सिंह ने आगे बतायी कि संत शिरोमणि रविदास जी की 650 वीं जयंती पर 29 जुलाई से 20 फरवरी तक समरसता अभियान के तहत भाजपा उनके जन्मस्थली से मिट्टी लेकर पूरे देश में कलश वंदन करते हुए संत रविदास जी की उद्देश्य सामाजिक न्याय, मानवता, सेवा, सद्भाव, समानता और सामाजिक समरसता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना है। वह पवित्र मिट्टी प्रत्येक मण्डल तक पहुंचाया जाएगा। और वह मिट्टी को स्थानीय मंदिर पर विश्राम दिया जाएगा। मण्डल प्रभारी संजय साहू ने अपने संबोधन में कहा कि मण्डल के सभी पांचों शक्ति केन्द्र पर एक चार सदस्यीय समिति बनाई जाएगी। यह समिति सभी बुथों पर जाकर बुथ समिति का निर्माण कराएगी। संगठन के छः कार्य के संयोजक का भी गठन हर बुथ में करना है। महीने के हर तीसरे रविवार को एक बैठक करना है और महिने के अन्तिम रविवार को मन की बात सुनना है साथ ही कार्यक्रम के बाद एक बैठक भी करना है। बैठक में धन्यवाद ज्ञापन ग्रामीण मण्डल अध्यक्ष श्रीमती रूकमिला सारू ने किया। बैठक में जिला महामंत्री निखिल कन्डुलना, महावीर राम, राजेश महतो, केशव राम, बासमती देवी, दिनेश महतो, अमित कश्यप, उमेश मांझी, जीतन स्वांसी, सुषमा देवी, अनिल महतो, मनोज गुप्ता सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

अगाघाट रोड पर शुरू हुआ ए.के. ट्रेडर्स, बर्जर पेंट समेत हार्डवेयर सामग्री की मिलेगी पूरी रेंज

गिरिडीह, नव बिहार टाइम्स संवाददाता। शहर के अगाघाट रोड स्थित ए.के. ट्रेडर्स का बुधवार को वैदिक मंत्रोच्चार एवं विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना कर भव्य शुभारंभ किया गया। दुकान का उद्घाटन बबिता देवी के करकमलों द्वारा संपन्न हुआ। उद्घाटन के अवसर पर उपस्थित लोगों ने फीता काटकर एवं पूजा-अर्चना कर नए प्रतिष्ठान की सफलता एवं समृद्धि की कामना की दुकान संचालक अशोक केसरी एवं प्रभु केसरी ने बताया कि ए.के. ट्रेडर्स में बर्जर पेंट की सभी आधुनिक वैरायटी उपलब्ध हैं। इसके अलावा हार्डवेयर से संबंधित सभी प्रकार के सामान, एसीसी सीमेंट, सीमेंट रिंग, तार, रंग, निर्माण सामग्री सहित अन्य आवश्यक उत्पाद ग्राहकों को एक ही छत के नीचे उचित एवं प्रतिस्पर्धी मूल्य पर उपलब्ध कराए जाएंगे। उन्होंने कहा कि ग्राहकों को गुणवत्तापूर्ण उत्पाद, उचित मूल्य और बेहतर सेवा देना ही उनकी पहली प्राथमिकता होगी उद्घाटन समारोह में स्थानीय लोगों ने नए प्रतिष्ठान के शुभारंभ पर शुभकामनाएं देते हुए व्यवसाय की उन्नति की कामना की। इस अवसर पर प्रदीप यादव, गुड्डू, दीनानाथ केसरी, सोनू रजक, प्रो. मुकेश साह, आरती देवी, शिवानी गुप्ता, विशाल केसरी, भोलू केसरी सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।यदि यह समाचार अखबार में प्रकाशित होना है, तो यह संस्करण शीर्षक और भाषा दोनों के लिहाज से उपयुक्त रहेगा।

तीन दिवसीय गिरिडीह जिला बैडमिंटन टूनार्मेंट का भव्य शुभारंभ 250 खिलाड़ी ले रहे हैं हिस्सा

गिरिडीह, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। नवजीवन नर्सिंग होम के सौजन्य से स्थानीय इंडोर बैडमिंटन स्टेडियम में शुक्रवार को तीन दिवसीय गिरिडीह जिला बैडमिंटन टूनार्मेंट का भव्य शुभारंभ किया गया प्रतियोगिता का उद्घाटन राज्य के खेल मंत्री ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया उद्घाटन समारोह में उप विकास आयुक्त नगर आयुक्त प्रभागीय वन पदाधिकारी जिला खेल पदाधिकारी जिला बैडमिंटन संघ के अध्यक्ष विनोद यादव नवजीवन नर्सिंग होम के निदेशक डॉ. मनीष अग्रवाल व्यवसायी डॉ. शैलेश चौधरी संदीप नांगे नागेंद्र कुमार सुमिल मोदी तथा झुमरी तिलैया के नगर मंत्री रिंकी सिंह सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे इस अवसर पर जिला बैडमिंटन संघ के अध्यक्ष विनोद यादव ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए खेल भावना के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की शुभकामनाएं दीं उन्होंने खिलाड़ियों से अनुशासन समर्पण और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना के साथ प्रतियोगिता में भाग लेने की अपील की तीन दिवसीय इस प्रतियोगिता में विभिन्न आयु वर्ग के करीब 250 खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे आयोजन को सफल बनाने में पप्पू कुमार रोहित श्रीवास्तव विकास कुमार सहित आयोजन समिति के सदस्यों एवं स्वयंसेवकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही उद्घाटन समारोह में बड़ी संख्या में खिलाड़ी अभिभावक और खेल प्रेमी मौजूद रहे।

जेपीएससी जेएसएससी परीक्षाओं में अनियमितता के विरोध में अभाविप का हस्ताक्षर अभियान

गिरिडीह, नव बिहार टाइम्स संवाददाता। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद अभाविप की गिरिडीह नगर इकाई ने शुक्रवार को झारखंड में जेपीएससी एवं जएसएससी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के विरोध में आर.के. महिला महाविद्यालय परिसर में व्यापक हस्ताक्षर अभियान चलाया अभियान में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने भाग लेकर परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता सुनिश्चित करने की मांग की विद्यार्थियों ने परीक्षाओं में कथित गड़बड़ियों पर नाराजगी जताते हुए निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की अभाविप के विभाग संयोजक विजय ओझा ने कहा कि यदि जल्द उचित कार्रवाई नहीं की गई, तो विद्यार्थी परिषद राज्यव्यापी आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी। उन्होंने कहा कि छात्र भ्रष्टाचार के खिलाफ अपनी आवाज लगातार बुलंद करते रहेंगे जिला संयोजक नीरज चौधरी ने राज्य सरकार से जेपीएससी एवं जएसएससी से जुड़े सभी मामलों की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई करने की मांग की ताकि छात्रों का भविष्य सुरक्षित रह सके इस अवसर पर अभाविप के एसएफएस सह संयोजक अनीश रॉय बिपुल राय प्रिंस सिंह सुमन कुमार सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे

चलंत सेवा शिविर में 75 ग्रामीणों की हुई जांच

उपचार के बाद ग्रामीणों के बीच मुफ्त दवा वितरण

जमालपुर (मुंगेर), नवबिहार टाइम्स संवाददाता। आईटीसी सुनहरा कल राहत की ओर से जमालपुर प्रखंड के पटेल चौक, हलिमपुर में चलंत चिकित्सा सेवा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में करीब 75 ग्रामीणों की स्वास्थ्य जांच कर उन्हें निःशुल्क दवाएं वितरित की गईं तथा बेहतर स्वास्थ्य के लिए आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श दिया गया।

डा.दीपक रस्तोगी के नेतृत्व में आयोजित शिविर में मरीजों का रक्तचाप,शुगर), वजन तथा यक्ष्मा समेत अन्य सामान्य बीमारियों की जांच की गई। जांच के बाद मरीजों को उनकी स्वास्थ्य स्थिति के अनुरूप उपचार और आवश्यक सावधानियों की जानकारी दी गई।

चिकित्सकों ने ग्रामीणों से समय-समय पर स्वास्थ्य जांच कराने तथा संतुलित आहार और स्वच्छता अपनाने की अपील की। चिकित्सा रस्तोगी ने बताया कि आईटीसी सुनहरा कल राहत की चलंत चिकित्सा सेवा के तहत प्रत्येक तीन माह पर किसी पंचायत या गांव में स्वास्थ्य शिविर आयोजित कर ग्रामीणों को निःशुल्क जांच, उपचार और दवा उपलब्ध कराई जाती है। इसका उद्देश्य दूर-दराज के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना है।

ग्रामीण जनप्रतिनिधि एवं वार्ड सदस्य बेला देवी, सत्यम मंडल, पूनम देवी, काजल कुमारी, रवि यादव और विक्रम कुमार ने कहा कि इस तरह के चिकित्सा शिविर प्रत्येक पंचायत के हर गांव में नियमित रूप से लगाए जाने चाहिए, ताकि अधिक से अधिक ग्रामीणों, मजदूरों और जरूरतमंद परिवारों को इसका लाभ मिल सके।मौके पर फार्मासिस्ट अमन कुमार, एएनएम लखपति, कुणाल कुमार, विनोद कुमार सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मी एवं ग्रामीण मौजूद रहे।

नवजात शिशुओं एवं माताओं के लिए स्वास्थ्य एवं स्वच्छता सामग्री का किया वितरण

गिरिडीह, नव बिहार टाइम्स संवाददाता। रोटरी क्लब गिरिडीह द्वारा शुक्रवार को सदर अस्पताल परिसर स्थित मातृत्व एवं शिशु स्वास्थ्य अस्पताल चैताडीह में नवजात शिशुओं एवं उनकी माताओं के लिए स्वास्थ्य एवं स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया कार्यक्रम के दौरान 30 नवजात शिशुओं एवं उनकी माताओं के बीच जॉनसन बेबी किट हॉर्लिक्स तथा सैनिटरी पैड के पैकेट वितरित किए गए।

कार्यक्रम का उद्देश्य नवजात शिशुओं एवं माताओं के स्वास्थ्य पोषण और स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना था इस अवसर पर रोटरी गिरिडीह की वरिष्ठ सदस्या एवं पूर्व डिस्ट्रिक्ट चेयरपर्सन पूनम सहाय ने वार्ड में भर्ती माताओं को प्रसवोत्तर देखभाल नवजात शिशुओं की उचित देखभाल स्वच्छता पोषण तथा स्वस्थ विकास से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां दीं उन्होंने माताओं को शिशुओं के बेहतर स्वास्थ्य के लिए आवश्यक सावधानियों से भी अवगत कराया इस सेवा कार्य में रोटरी गिरिडीह के अध्यक्ष अमित गुप्ता सचिव मनीष वर्णवाल डॉ. मोहम्मद आजाद जगजीत कौर कार्यक्रम संयोजक मुकेश आनंद दिलीप जैन कृति गुप्ता स्मिता वर्णवाल अनुरूपा आनंद सहित अस्पताल के चिकित्सकों एवं कर्मियों ने सक्रिय सहयोग दिया रोटरी गिरिडीह ने कहा कि भविष्य में भी समाज के विभिन्न वर्गों के स्वास्थ्य शिक्षा एवं सेवा से जुड़े जनहितकारी कार्यक्रमों का आयोजन निरंतर जारी रखा जाएगा।

प्रेमचंद की 146वीं जयंती पर रामकृष्ण महिला महाविद्यालय में संगोष्ठी आयोजित

गिरिडीह, नव बिहार टाइम्स संवाददाता। रामकृष्ण महिला महाविद्यालय गिरिडीह में शुक्रवार को हिंदी के महान कथाकार एवं उपन्यास सम्राट मुंशी प्रेमचंद की 146वीं जयंती के अवसर पर आईक्यूएसी एवं हिंदी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के शिक्षकों कर्मचारियों और छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए प्रेमचंद के साहित्य की समकालीन प्रासंगिकता पर अपने विचार रखे कार्यक्रम का शुभारंभ मुंशी प्रेमचंद के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ अध्यक्षीय उद्बोधन में डॉ. अनुज कुमार ने कहा कि प्रेमचंद का साहित्य केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं बल्कि सामाजिक चेतना मानवीय संवेदना और न्यायपूर्ण समाज की स्थापना का सशक्त दस्तावेज है उन्होंने कहा कि गोदान गबन निर्मला और रंगभूमि जैसे उपन्यास आज भी भारतीय समाज की ज्वलंत समस्याओं को समझने में मार्गदर्शक हैं महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. कृष्णानन्द शर्मा ने कहा कि प्रेमचंद ने किसान श्रमिक महिला और समाज के वंचित वर्गों के संघर्ष को अपनी रचनाओं में यथार्थवादी दृष्टिकोण से प्रस्तुत किया वहीं डॉ. दीपिका कुमारी ने कहा कि प्रेमचंद के साहित्य में भारतीय समाज की व्यापक जीवन दृष्टि दिखाई देती है जिसमें बालक युवा वृद्ध, गरीब मजदूर किसान और महिलाओं के जीवन का सजीव चित्रण मिलता है। प्रो. रेणुका साहू ने प्रेमचंद के साहित्य में चित्रित पात्रों की विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनकी रचनाओं में समानता नैतिकता सामाजिक न्याय और मानवीय मूल्यों का संदेश निहित है जो आज भी उतना ही प्रासंगिक है जितना उनके समय में था।

कार्यक्रम का संचालन छात्रा कशिश कुमारी ने किया इस दौरान प्रेमचंद की प्रसिद्ध कहानियों एवं उपन्यासों के अंशों का वाचन भी किया गया कार्यक्रम में डॉ. संजीव कुमार सिन्हा डॉ. मनीषा रतन होरो डॉ. पूनम प्रभा मुंडू रीना कुमारी रिंकू कुमारी प्रतिमा देवी चिंता देवी सहित बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित रहीं।

डीएवी क्लस्टर एथलेटिक्स प्रतियोगिता का आयोजन आज से

जमालपुर(मुंगेर), नवबिहार टाइम्स संवाददाता। डीएवी पब्लिक स्कूल जमालपुर के तत्वावधान में 01 एवं 02 अगस्त 2026 को डीएवी क्लस्टर-क्ष एथलेटिक्स (ट्रैक एंड फील्ड) प्रतियोगिता 2026-27 का भव्य आयोजन रेलवे के जेएसए मैदान जमालपुर में किया जा रहा है। प्रतियोगिता का शुभारंभ शनिवार) प्रात होगा।

इस प्रतिष्ठित खेल आयोजन के मुख्य अतिथि सीडब्लूएम विनय प्रसाद वर्णवाल होंगे जबकि विशिष्ट अतिथि इरमी के डीन प्रेम प्रकाश अपनी गरिमामयी उपस्थिति से आयोजन की शोभा बढ़ाएंगे।प्रतियोगिता में डीएवी संस्थानों के प्रतिभाशाली खिलाड़ी विभिन्न ट्रैक एवं फील्ड स्पधाओं में अपनी गति, शक्ति, सहनशीलता एवं खेल-कौशल का प्रदर्शन करेंगे। यह आयोजन विद्यार्थियों में अनुशासन, आत्मविश्वास, स्वस्थ प्रतिस्पर्धा तथा खेल भावना के विकास का सशक्त माध्यम बनेगा।

विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती लक्ष्मी रथ ने सभी खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों, अभिभावकों एवं खेल प्रेमियों का हार्दिक स्वागत करते हुए कहा कि खेल केवल पदक जीतने का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण, नेतृत्व क्षमता और टीम भावना विकसित करने का सर्वोत्तम मंच हैं। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को उत्कृष्ट प्रदर्शन एवं सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएँ दीं। इस अवसर पर डीएवी बिहार जोन-सी के क्षेत्रीय अधिकारी एवं क्लस्टर पदाधिकारी भी उपस्थित रहेंगे।जिनमें नीरज कुमार सिंह प्रबंधक डीएवी पब्लिक स्कूल जमालपुर सह क्षेत्रीय निदेशक डीएवी पब्लिक स्कूल बिहार जोन - जी, अनिल कुमार क्लस्टर हेड एवं प्राचार्य सह क्षेत्रीय निदेशक डीएवी पब्लिक स्कूल बिहार जोन- आई भागलपुर तथा श्रीमती सबिता सहायक क्षेत्रीय निदेशिका डीएवी पब्लिक स्कूल इटवा नगर बिहार जोन-सी, बेगूसराय प्रमुख रूप से शामिल होंगे।

विद्यालय परिवार ने सभी खेल प्रेमियों एवं गणमान्य नागरिकों से इस भव्य खेल महोत्सव में उपस्थित होकर युवा खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करने तथा आयोजन की गरिमा बढ़ाने की अपील की है।

33.765 लीटर विदेशी शराब के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

बारसोई/कटिहार, नवबिहार टाइम्स संवादाता। बारसोई पुलिस ने दो शराब तस्कर गिरफ्तार कर बाइक जब्त किया है ।अवैध शराब तस्करी के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई करते हुए दो तस्करों को विदेशी शराब की बड़ी खेप के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने तस्करी में प्रयुक्त एक होंडा एसपी 125 सीसी मोटरसाइकिल भी जब्त कर ली है। थानाध्यक्ष उमेश कुमार ने बताया कि विगत रात्रि गश्ती एवं वाहन जांच के दौरान गुप्त सूचना मिली कि दो युवक बाइक से विदेशी शराब लेकर जा रहे हैं। सूचना के सत्यापन के बाद पुलिस ने बारसोई स्टेशन से सुधानी जाने वाली पक्की सड़क पर धनुक टोला के समीप घेराबंदी कर वाहन की जांच की। तलाशी के दौरान बाइक से भारी मात्रा में विदेशी शराब बरामद हुई।

05 अगस्त को प्रकाशित होगी प्रारूप मतदाता सूची

न्यूवोटर्स अभियान से लोगों को किया जाएगा जागरूक

गिरिडीह, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण एसआईआर 2026 के तहत 05 अगस्त 2026 को प्रकाशित होने वाली प्रारूप मतदाता सूची के व्यापक प्रचार प्रसार को लेकर शुक्रवार को मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी झारखंड ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी जिला निर्वाचन पदाधिकारियों एवं संबंधित अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की।

बैठक में निर्देश दिया गया कि 05 अगस्त को प्रारूप मतदाता सूची प्रकाशित होने के बाद पात्र नागरिक अपना नाम सूची में अवश्य जांचें यदि किसी पात्र मतदाता का नाम सूची में शामिल नहीं है तो वह घोषणा पत्र के साथ प्रपत्र 6 भरकर अपना नाम जुड़वाने के लिए दावा प्रस्तुत कर सकता है मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि 05 अगस्त को सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक राज्यभर में सभी जिला प्रशासन अपने आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स फेसबुक इंस्टाग्राम आदि पर न्यूवोटर्स हैशटैग के साथ विशेष जनजागरूकता अभियान चलाएंगे अभियान के माध्यम से मतदाता सूची का सत्यापन, दावा एवं आपत्ति की प्रक्रिया तथा नए पात्र मतदाताओं के नाम जोड़ने संबंधी जानकारी आम लोगों तक पहुंचाई जाएगी उन्होंने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ अभियान को प्रभावी बनाने और निर्वाचन कार्य से जुड़े सभी अधिकारियों एवं कर्मियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया, ताकि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने से वंचित न रहे।

बरसात में सतर्क रहें, डेंगू डायरिया से लेकर स्नेक बाइट तक का बढ़ा खतरा : सिविल सर्जन

गिरिडीह, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। मानसून के दौरान संक्रामक एवं जलजनित बीमारियों के बढ़ते खतरे को देखते हुए गिरिडीह के सिविल सर्जन बच्चा प्रसाद सिंह ने जिलेवासियों से विशेष सावधानी बरतने की अपील की है।

उन्होंने कहा कि थोड़ी सी लापरवाही डेंगू मलेरिया चिकनगुनिया डायरिया टाइफाइड हैजा पीलिया और फूड प्वाइजनिंग जैसी गंभीर बीमारियों का कारण बन सकती है सिविल सर्जन ने बताया कि लोग हमेशा उबला हुआ फिल्टर या स्वच्छ पानी ही पिएं ताजा और गर्म भोजन करें तथा खुले में बिकने वाले खाद्य पदार्थ कटे हुए फल बासी भोजन और दूषित पानी के सेवन से बचें भोजन बनाने और खाने से पहले तथा शौच के बाद साबुन से अच्छी तरह हाथ धोने की आदत अपनाएं उन्होंने कहा कि बरसात में घरों के आसपास छत कूलर टायर गमले या अन्य बर्तनों में पानी जमा नहीं होने दें जमा पानी मच्छरों के पनपने का सबसे बड़ा कारण है पूरी बांह के कपड़े पहनें मच्छरदानी का प्रयोग करें और आवश्यकता अनुसार मच्छर भगाने वाली क्रीम या रिपेलेंट का उपयोग करें बरसात के मौसम में सांप निकलने की घटनाएं भी बढ़ जाती हैं ऐसे में खेत झाड़ियों या

जलजमाव वाले स्थानों पर जाते समय जूते पहनें और रात में टॉर्च का उपयोग करें।

यदि किसी व्यक्ति को सांप काट ले तो झाड़ फूंक या घरेलू उपचार में समय न गंवाएं मरीज को शांत रखें और तुरंत नजदीकी सरकारी अस्पताल पहुंचाएं जहां एंटी स्नेक वेनम की सुविधा उपलब्ध है उन्होंने कहा कि तेज बुखार उल्टी दस्त पेट दर्द अत्यधिक कमजोरी शरीर पर लाल चकत्ते या रक्तस्राव जैसे लक्षण दिखाई देने पर स्वयं दवा लेने के बजाय तुरंत चिकित्सकीय परामर्श लें सिविल सर्जन ने जिलेवासियों से अपील की कि स्वच्छता सुरक्षित पेयजल संतुलित आहार और मच्छरों से बचाव के उपाय अपनाकर बरसात के मौसम में स्वयं और अपने परिवार को स्वस्थ एवं सुरक्षित रखे।

अनिल अग्रवाल की कंपनी वेदांता का शेयर रिजल्ट के बाद गिरा, कहां तक जाएगी कीमत

नई दिल्ली, एजेंसी। मेटल और माइनिंग सेक्टर की दिग्गज कंपनी वेदांता के शेयरों में आज शुरुआती कारोबार में एक

फीसदी से ज्यादा गिरावट आई। ख्स्थ पर कंपनी का शेयर पिछले सत्र में 267.70 रुपये पर बंद हुआ था और आज 269 रुपये पर खुला। शुरुआती कारोबार में यह 1 फीसदी से अधिक गिरावट के साथ 263.20 रुपये तक फिसला। कंपनी ने गुरुवार को अपना पहली तिमाही का रिजल्ट जारी किया। इस दौरान कंपनी का कंसोलिडेटेड नेट प्रॉफिट पिछले साल के मुकाबले 72% बढ़कर 5,473 करोड़ हो गया है। वेदांता का पहली तिमाही में भी सालाना आधार पर 98% बढ़कर रेकॉर्ड 8,469 करोड़ हो गया। कॉपर बिजनेस को छोड़कर, वेदांता का मार्जिन 985 बेसिस पॉइंट्स बढ़कर 57% हो गया। वहीं, ऑपरेशन से होने वाला रेवेन्यू सालाना आधार पर 54% बढ़कर 24,205 करोड़ पहुंच गया। पिछले साल की इसी अवधि में यह 15,754 करोड़ था। नुवामा ने वेदांता के शेयरों को खरीदने की सलाह दी है और प्रति शेयर 333 का टारगेट प्राइस तय किया है। यह इसकी मौजूदा कीमत से 24% अधिक है। मोतीलाल ओसवाल ने वेदांता के शेयरों पर अपनी 'न्यूट्रल' रेटिंग बनाए रखी है और प्रति शेयर 290 रुपये का टारगेट प्राइस तय किया है। घरेलू ब्रोकरेज फर्म ने कहा कि कंपनी का रेवेन्यू अनुमान के मुताबिक रहा, जिसमें स्ख्र्थ, प्रीमियम और फॉरेक्स से हुए फायदे का योगदान रहा।

द्वारका एक्सप्रेसवे के पास गुरुग्राम में बनेगा नया बिजनेस हब

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की प्रमुख रियल्टी डेवलपर कंपनी इंडिया (ने गुरुग्राम में एक प्रीमियम कमर्शियल प्रोजेक्ट कैपिटल फाइनेंशियल सेंटर विकसित करने के लिए 600 करोड़ रुपये के निवेश की घोषणा की है। यह प्रोजेक्ट 250 एकड़ में फैले स्मार्ट सिटी दिल्ली एयरपोर्ट का मुख्य व्यावसायिक केंद्र बनेगा। कंपनी को इस ए-ग्रेड कमर्शियल प्रोजेक्ट से 1500 करोड़ रुपये के रेवेन्यू की उम्मीद है। प्रोजेक्ट पूरा होने से पहले ही एक प्रमुख वैश्विक विमानन कंपनी ने इसमें लगभग 75,000 वर्ग फीट जगह

का अधिग्रहण कर लिया है। लगभग 1.42 एकड़ में फैला यह प्रोजेक्ट 22 मंजिला (चार बेसमेंट स्तरों के साथ) सिंगल टावर होगा। इसमें कुल 165 यूनिट्स होंगी, जिनमें 152 प्रीमियम ऑफिस स्पेस, 6 मल्टीप्लेक्स यूनिट्स और 7 रिटेल यूनिट्स शामिल हैं। बिल्डिंग में इंटेलिजेंट मैनेजमेंट सिस्टम, आधुनिक तकनीक, 22,500 वर्ग फीट के कॉलम-फ्री फ्लोर प्लेट्स और 'द चैंबर' नाम से एक एक्सक्लूसिव मेंबर्स-ओनली बिजनेस क्लब होगा। इस टावर के तीन फ्लोर पर स्ङ्घरूइंडिया का अपना कॉर्पोरेट मुख्यालय होगा। यह प्रोजेक्ट 'बिलियनेयर्स ब्लॉक' के ठीक सामने और 1 किलोमीटर लंबे स्ङ्घरूकैपिटल वॉक से सीधा जुड़ा हुआ है। इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट और एयरोसिटी से केवल 15-20 मिनट की दूरी पर स्थित इस प्रोजेक्ट को द्वारका एक्सप्रेसवे और वसंत कुंज एक्सटेंशन के जरिए शानदार कनेक्टिविटी मिलती है। दिग्गज कंपनियों से बातचीत जारी इंडिया के प्रेसिडेंट रोबिन मंगला ने कहा कि दिल्ली एयरपोर्ट कॉरिडोर देश के सबसे महत्वपूर्ण बिजनेस डिस्ट्रिक्ट के रूप में उभर रहा है। कंपनी वर्तमान में कई फॉर्च्यून 500 कंपनियों, ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स टेक दिग्गजों और बहुराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों के साथ बातचीत कर रही है, जो यहां अपने क्षेत्रीय मुख्यालय स्थापित करने पर विचार कर रहे हैं।

पीएम नरेंद्र मोदी की अपील का असर! जून तिमाही में 6% घट गई सोने की डिमांड

नई दिल्ली, एजेंसी। मौसमी सुस्ती, सीमा शुल्क में बढ़ोतरी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सोने की खरीद कम करने की अपील के कारण भारत में अप्रैल-जून तिमाही के दौरान सोने की मांग सालाना आधार पर छह प्रतिशत घटकर 131.4 टन रह गई।

विश्व स्वर्ण परिषद (डब्ल्यूजीसी) की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। डब्ल्यूजीसी की वर्ष की दूसरी तिमाही पर आधारित 'क्यू2 2026 गोल्ड डिमांड ट्रेंड्स' रिपोर्ट के अनुसार, पिछले वर्ष की समान अवधि में कुल मांग 139.7 टन थी। डब्ल्यूजीसी के भारत क्षेत्र के सीईओ सचिन जैन ने कहा, ''हालांकि, मूल्य के लिहाज से मांग रिकॉर्ड स्तर पर रही। सोने की खपत का मूल्य 1,98,100 करोड़ रुपये रहा, जबकि 2025 की समान अवधि में यह 1,32,500 करोड़ रुपये था। यह 2025 की दूसरी तिमाही की तुलना में 50 प्रतिशत अधिक है जो दर्शाता है कि ऊंची कीमतों के बावजूद उपभोक्ता सोने को प्राथमिकता दे रहे हैं।''

कितनी रहेगी सोने की डिमांड

आगामी स्थिति पर जैन ने कहा कि डब्ल्यूजीसी का अनुमान है कि समूचे वर्ष के दौरान सोने की मांग 650 से 750 टन के बीच रहेगी। उन्होंने कहा, ''हमें अब भी इस वर्ष मांग 650 से 750 टन के दायरे में रहने की उम्मीद है। हालांकि, मौजूदा भू-राजनीतिक परिस्थितियों, ब्याज दरों और मुद्रास्फीति को देखते हुए हमारा मानना है कि मांग इस दायरे के मध्य के आसपास रहेगी। यदि सोने की कीमतों में और गिरावट आती है तथा सीमा शुल्क कम किया जाता है, तो मांग इस दायरे के ऊपरी स्तर तक पहुंच सकती है।'' समीक्षाधीन तिमाही में भारत में आभूषणों की कुल मांग 15 प्रतिशत घटकर 75.1 टन रह गई जबकि पिछले वर्ष की समान अवधि में यह 88.8 टन थी। जैन ने कहा, ''मौसमी सुस्ती, प्रधानमंत्री की सोने की खरीद कम करने की अपील और सीमा शुल्क में वृद्धि सहित अन्य कारणों का मांग पर असर पड़ा। लागत के बीच विदेशी मुद्रा बचाने के लिए गैर-जरूरी सोना खरीद कम करने और बचत के अन्य विकल्प अपनाने का आग्रह किया।

25,000 कर्मचारियों और उनके परिवार के लिए खरीदी ग्रुप कैंसर केयर पॉलिसी

नई दिल्ली, एजेंसी। कंपनियां अब अपने कर्मचारियों के स्वास्थ्य का ख्याल रखने के लिए पुराने ढर्रे के इंश्योरेंस से आगे बढ़ रही हैं। अब साधारण मेडिकल इंश्योरेंस के अलावा कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के लिए अलग से टॉप-अप कवर दिया जा रहा है। ऐसा इसलिए किया जा रहा है क्योंकि कैंसर जैसी बीमारियों के इलाज में साधारण इंश्योरेंस का पैसा बहुत जल्दी खत्म हो जाता है। ज्यादातर कंपनियां अपने कर्मचारियों को 3 से 5 लाख रुपये तक का हेल्थ इंश्योरेंस देती हैं, लेकिन कैंसर का इलाज अक्सर इससे कई गुना महंगा होता है। यह नया टॉप-अप कवर तब काम आता है जब पुरानी पॉलिसी के पैसे खत्म हो जाते हैं। साथ ही, यह कैंसर के उन इलाजों का भी खर्च उठाता है जो साधारण पॉलिसी में शामिल नहीं होते। पहली ऐसी कंपनी बन गई है, जिसने अपने करीब 25,000 कर्मचारियों और उनके परिवार के लिए ग्रुप कैंसर केयर पॉलिसी खरीदी है। यह पॉलिसी उनके पहले से चल रहे मेडिकल इंश्योरेंस के ऊपर एक अतिरिक्त सुरक्षा कवच की तरह काम करेगी। इस खास पॉलिसी को हाउडन इंडिया इंश्योरेंस ब्रोकर्स ने एक प्राइवेट इंश्योरेंस कंपनी के साथ मिलकर तैयार किया है। यह पुरानी पॉलिसी की जगह नहीं लेगी, बल्कि उसे और मजबूत बनाएगी। इसकी खासियत यह है कि यह बाजार में मिलने वाली आम कैंसर पॉलिसियों से अलग है। इसे खासतौर पर कंपनियों के लिए बनाया गया है। इसलिए यह उन कर्मचारियों को भी कवर देती है जिन्हें पहले से कोई बीमारी है। इंडिया के सीईओ अमित अग्रवाल ने बताया कि कंपनियों का साधारण इंश्योरेंस कैंसर जैसी बड़ी चुनौती के लिए काफी नहीं है। शुरुआत में कंपनियां कर्मचारियों को अपने साथ जोड़े रखने के लिए हेल्थ इंश्योरेंस देती थीं। आज यह सैलरी पैकेज का एक जरूरी हिस्सा बन गया है।

10 दिन में फाइनल करना होगा एजुकेशन लोन, कर्ज बांटने का लक्ष्य दोगुना करने की तैयारी में सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार देश के छात्रों के लिए पढ़ाई का खर्च आसान करने के लिए एजुकेशन लोन के नियमों में बड़ी ढील देने जा रही है। सरकार का टारगेट अगले साल तक लोन बांटने की रफ्तार को दोगुना करना है। इसके लिए अब बैंकों को 10 दिन के भीतर लोन फाइनल करना होगा। बैंक खुद 50 हजार कॉलेजों में जाकर कैंप लगाएंगे। साथ ही, बिना कुछ गिरवी रखे ज्यादा रकम का लोन देने और ब्याज में सब्सिडी देने की भी तैयारी है।

शिक्षा मंत्रालय और वित्त मंत्रालय मिलकर रोडमैप तैयार कर रहे हैं। इसमें राज्यों के शिक्षा विभागों, बैंक कमिटियों और उच्च शिक्षण संस्थानों को भी शामिल किया गया है। इसका मकसद छात्रों के लिए लोन लेना आसान बनाना है। बैंकों ने वित्त वर्ष 2025-26 में करीब 39,000 करोड़ रुपये के एजुकेशन लोन बांटे थे। सरकार बिना कुछ गिरवी रखे (कोलैटरल-फ्री) मिलने वाले लोन के लिए गारंटी कवर बढ़ाने पर भी विचार कर रही है। इससे बैंक 7.5 लाख रुपये की मौजूदा सीमा से ज्यादा का लोन बिना किसी गारंटी के दे सकेंगे। इस स्कीम के तहत ब्याज दरें भी एक तय सीमा (बेंचमार्क लेंडिंग रेट 50 बेसिस पॉइंट्स) के भीतर रखी गई है।

अब 10 दिन में पास होगा लोन

एक अधिकारी ने बताया, करीब 50,000 बड़े कॉलेजों-संस्थानों में बैंक कैंप लगाएंगे ताकि छात्रों को मौके पर ही लोन मिल सके। बैंकों को निर्देश है कि वे लोन की प्रक्रिया को घटाकर 10 दिन तक लाएं। मतलब, आवेदन के 10 दिन के भीतर लोन फाइनल हो जाना चाहिए।

क्या है सरकार की योजना

फिलहाल, नैशनल क्रेडिट गारंटी ट्रस्टी कंपनी की क्रेडिट गारंटी फंड स्कीम फॉर एजुकेशन लोन्स के तहत 7.5 लाख रुपये तक के लोन पर 75% की गारंटी मिलती है। दिसंबर 2025 में एक संसदीय समिति ने इसे 20 लाख रुपये तक करने की सिफारिश की थी। मंगलवार को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में बताया कि प्रधानमंत्री विद्यालक्ष्मी योजना के तहत साल 2024-25 से 2030-31 के बीच ब्याज में छूट (सब्सिडी) देने के लिए 3,600 करोड़ रुपये का बजट रखा गया है। बैंक के एक अधिकारी ने बताया कि करीब 1.000 ऐसे संस्थानों की पहचान पहले ही की जा चुकी है, जहां छात्रों को हाथों-हाथ लोन की सुविधा दी जा रही है। उन्होने बताया कि कुछ मामलों में बैंक दूसरे छोटे-मोटे चार्ज भी माफ कर रहे हैं।

स्विगी में डिलीवरी की, एक्सीडेंट में पैर टूटा... फिर इस एक आइडिया ने बनाया करोड़पति

नई दिल्ली, एजेंसी। जिंदगी में जब सब कुछ खत्म होता नजर आता है, तब कभी-कभी वहीं से एक नई और शानदार शुरुआत का रास्ता भी निकलता है। उत्तर प्रदेश के रामपुर के रहने वाले अजीत कुमार की कहानी इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। कभी परिवार का कर्ज चुकाने के लिए 16-16 घंटे साइकिल चलाकर फूड डिलीवरी

करने वाले अजीत, आज देश के सबसे सफल ऑडियो-फिक्शन राइटर में से एक बन चुके हैं। यही नहीं, वह 1 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई कर चुके हैं।

अस्पताल के बेड से शुरू हुआ नया सफर: अस्पताल के बेड पर रिकवरी के दौरान अजीत ने वर्क-फ्रॉम-होम के मौके तलाशने शुरू किए। इस दौरान उन्हें ऑडियो प्लेटफॉर्म पॉकेट एफएम पर लिखने के एक अवसर के बारे में पता चला। उन्होंने हिम्मत जुटाकर कहानी लिखना शुरू किया। अस्पताल के बेड से ही वे रोज कई एपिसोड लिखने लगे। 3 महीने के भीतर उनकी एक कहानी पॉकेट एफएम के राइटिंग कॉन्टेस्ट में टॉप कर गई। उन्हें पहली पेमेंट 20,000 रुपये की मिली, जिसे उन्होंने सीधे अपनी मां को सौंप दिया। अगले महीने कमाई 52,000 रुपये हुई और धीरे-धीरे उनकी कहानियों की लोकप्रियता इतनी बढ़ी कि एक महीने का पे-आउट 6.29 लाख रुपये तक पहुंच गया।

सड़क हादसे से सब तोड़ दिया

कोविड-19 महामारी के दौरान परिवार का कारोबार ठप होने और सिर पर भारी कर्ज होने के कारण अजीत को अपनी मेडिकल की पढ़ाई बीच में ही रोकनी पड़ी। परिवार की मदद के लिए वे फरीदाबाद में स्विगी के डिलीवरी बॉय बन गए। कर्ज की किश्तें चुकाने के लिए वे रोजाना 100 किलोमीटर तक साइकिल चलाते और 16-16 घंटे काम करते थे। जब हालात थोड़े संभल ही रहे थे, तब एक सड़क हादसे ने अजीत को गंभीर रूप से घायल कर दिया। कई फ्रैक्चर के कारण वे महीनों के लिए बेड पर आ गए। आय का एकमात्र जरिया भी छिन चुका था और परिवार पर अनिश्चितता के बादल छा गए।

टाटा स्टील में जर्मन कंपनी के साथ खत्म किया 25 साल पुराना जॉइंट वेंचर

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा ग्रुप की कंपनी टाटा स्टील जर्मनी की कंपनी मार्टेंड के साथ अपनी 25 साल पुरानी पार्टनरशिप खत्म करने जा रही है। दोनों कंपनियों ने 2001 में जॉइंट शिपिंग वेंचर बनाया था। अब टाटा स्टील इसमें जर्मन कंपनी की 23% हिस्सेदारी 335 करोड़ रुपये में खरीद रही है। डील पूरी होने के बाद इसमें टाटा स्टील की हिस्सेदारी 51% से बढ़कर 74% हो जाएगी जबकि जापान की की 26% हिस्सेदारी बनी रहेगी। टाटा स्टील आईक्यू मार्टेंड होल्डिंग एंड मैनेजमेंट से टीएम इंटरनेशनल लॉजिस्टिक्स के 41.4 लाख इक्विटी शेयर खरीद रही है। इस ट्रांजैक्शन के साथ ही दोनों कंपनियों के बीच 26 जुलाई, 2001 को वजूद में आया जॉइंट वेंचर एग्रीमेंट खत्म हो जाएगा। यह एग्रीमेंट कंपनी के बड़े विदेशी विस्तार (कोरस का अधिग्रहण) से पहले का था। यह टाटा स्टील, मार्टेंड और एनवायके का ऐसा वेंचर था जो सदी की शुरुआत

से ही भारतीय कंपनी के कच्चे माल और तैयार स्टील को समुद्र के रास्ते लाने-ले जाने का काम कर रहा था। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली तिमाही में टाटा स्टील का नेट प्रॉफिट 19% बढ़कर 2,385 करोड़ रुपये हो गया जबकि ऑपरेशन से होने वाला रेवेन्यू 15% बढ़कर 60,412 करोड़ रुपये रहा। जून तिमाही के दौरान कंपनी ने कैपिटल एक्सपेंडिचर (पूंजीगत खर्च) पर 3,579 करोड़ रुपये खर्च किए।

बड़े निवेश को मंजूरी

टाटा ग्रुप की कंपनी के बोर्ड ने साथ ही नीलाचल इस्पात निगम की क्षमता को 4.8 मिलियन टन तक बढ़ाने के लिए 33,873 करोड़ रुपये के बड़े निवेश को भी मंजूरी दे दी है। ओडिशा के इस प्लांट को सरकार से प्राइवेटाइजेशन सेल के जरिए खरीदा गया था और अब इसे एक विलय प्रक्रिया के जरिए टाटा स्टील में मिलाया जा रहा है। उसके 'लॉन्ग प्रोडक्ट्स' पोर्टफोलियो को मजबूती मिलेगी।

मजबूत और सफल बिजनेस के लिए रोजाना अपना 100% मत दीजिए

नई दिल्ली, एजेंसी। एफएमसीजी और ब्यूटी इंडस्ट्री में गजल अलघ आज एक जाना-माना नाम बन चुकी हैं। वे होनासा कंज्यूमर लिमिटेड की को-फाउंडर और चीफ

इनफॉर्मेशन ऑफिसर हैं। होनासा कंज्यूमर आज देश के कई सबसे तेजी से बढ़ते ब्यूटी और पर्सनल केयर ब्रांड्स की मूल कंपनी है, जिनमें मामाअर्थ द डर्मा कंपनी, एक्वालॉजिका, डॉ. शेथ्स आदि प्रमुख हैं।

बिजनेस वर्ल्ड में कदम रखने से पहले गजल अलघ ने दो साल तक एक कॉर्पोरेट ट्रेनर के रूप में काम किया था। हालांकि, अपने बच्चे के जन्म के बाद जब उन्हें बाजार में सुरक्षित और केमिकल-मुक्त प्रोडक्ट्स ढूंढने में परेशानी हुई, तो उन्होंने खुद इस समस्या का समाधान तलाशने का फैसला किया। उन्होंने अपने पति वरुण अलघ के साथ मिलकर मामाअर्थ की नींव रखी।

यदि आप एक मजबूत और सफल बिजनेस खड़ा करने को लेकर गंभीर हैं, तो रोजाना अपना 100% मत दीजिए।

व्यक्ति को केंद्रित प्रयास और रणनीतिक प्राथमिकताओं पर ध्यान देना सीखना चाहिए। मैं इसे 85% का नियम कहती हूं।

अपने पसंदीदा एथलीटों के बारे में सोचिए। वे कड़ी मेहनत करते हैं, इसमें कोई शक नहीं है, लेकिन वे यह भी जानते हैं कि कब आराम करना है और रिकवर होना है। वह रेस्ट टाइम उनके लिए उतना ही महत्वपूर्ण है ताकि वे वास्तव में जरूरत पड़ने पर अपना सर्वश्रेष्ठ दे सकें।

यह मानसिकता बिजनेस चलाने के लिए भी बेहद महत्वपूर्ण है। एक स्टार्टअप का निर्माण एक लंबी यात्रा है। यह कोई छोटी दौड़ नहीं है।

हम वास्तव में सबसे महत्वपूर्ण चीजों पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं, छोटी-छोटी जरूरी बातों पर ध्यान दे सकते हैं और अंततः बिना मानसिक/शारीरिक थकावट के अधिक काम पूरा कर सकते हैं।

यह कड़ी मेहनत करने और समझदारी से काम लेने के बारे में है, ताकि आपके पास उन महत्वपूर्ण क्षणों के लिए ऊर्जा और फोकस बचा रहे जब वास्तव में 100% देने की आवश्यकता होती है।

ट्रेन में आरएसी पर यात्रा कर रहे दो यात्रियों को मिला एक बेडरोल, पहुंचा कोर्ट, मिला 25000 का हर्जाना

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रेल की ट्रेन में आप अक्सर यात्रा करते होंगे। उसमें आप ऐसी ढेरों चीजें नोट करते होंगे जो कि किसी 'ग्राहक के अधिकार' के विपरीत है। लेकिन उसकी शिकायत नहीं की जाती। प्रयागराज से दिल्ली आने वाले एक यात्री के साथ ही ऐसा हुआ और उन्होंने कंज्यूमर कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। कोर्ट ने रेलवे के ऊपर 25,000 रुपये का जुर्माना लगा दिया। इस बारे में एक रिपोर्ट छापी है। इसके मुताबिक कंज्यूमर कोर्ट में शिकायत करने वाले व्यक्ति ने 25 अक्टूबर, 2022 को प्रयागराज से दिल्ली के लिए टिकट बुक की थी। यात्रा की तारीख 28 अक्टूबर, 2022 की थी। उनका टिकट कंफर्म नहीं हुआ बल्कि रह गया। उसके बर्थ पर दो लोग थे और उन दोनों के लिए रेलवे की तरफ से सिर्फ एक कंबल, एक तकिया और दो चादरें ही दी गईं। कोई हैंड टॉवेल भी नहीं दिया गया। उन्होंने अटेंडेंट से एक और कंबल

और तकिया मांगा तो अटेंडेंट ने जवाब दिया, 'एक सीट के लिए सिर्फ एक कंबल, एक तकिया और 2 चादरें ही देने का नियम है। इसके बाद उन्होंने उपभोक्ता फोरम का दरवाजा खटखटाया। वहां उत्तर रेलवे ने कहा कि यह मामला नार्थ सेंट्रल रेलवे, इलाहाबाद का है। रेलवे की तरफ से बताया गया कि यात्री को रेलवे नियम के अनुसार बेडरोल दिए जाते हैं। यात्रा के दौरान मांग/जरूरत और बेडरोल की उपलब्धता के अनुसार अतिरिक्त कंबल दिया जाता है। उन्होंने बताया कि रेलवे यात्रियों को बेडरोल प्रदान करने के लिए एक कॉन्ट्रैक्ट देता है। कंज्यूमर कोर्ट की प्रेसिडेंट मोनिका अग्रवाल श्रीवास्तव और सदस्य राजेंद्र धर और रितू

ट्विटर पर शिकायत

उस यात्री ने इस बारे में ट्विटर पर ट्वीट किया। इसके बाद रेलवे की तरफ से उन्हें क्क्र्रसाझा करने का संदेश मिला। जब उसने सभी विवरण साझा किए, तो अटेंडेंट ने एक हैंड टॉवेल दे दिया। उन्हें कोई अतिरिक्त कंबल, चादर या तकिया नहीं दिया गया। इसके बाद ट्विटर पर इलाहाबाद के डीआरएम की तरफ से संदेश आया कि उनकी शिकायत दूर कर दी गई। उन्होंने ट्रेन में चल रहे टीटीई से भी बात की लेकिन निदान नहीं निकला। उन्होंने टीटीई से कंप्लेन बुक मांगा लेकिन नहीं दिया गया। फिर उन्होंने दिल्ली आ कर लिखित कंप्लेन दर्ज कराया।

गरोडिया ने पाया कि यह रेलवे की विफलता है। उन्होंने बीते 10 जुलाई को दिए आदेश में कहा कि रेलवे बोर्ड से 23.09.2009 को जारी एक सर्कुलर में बताया गया है।

फिल्म 'चकदा एक्सप्रेस' रिलीज न हो पाने का अफसोस...

अभिनेत्री रेणुका शहाणे ने फिल्म 'चकदा एक्सप्रेस' के रिलीज न होने पर अफसोस जताया है। उनका कहना है कि पूरी टीम ने इस फिल्म पर काफी मेहनत की थी और झूलन गोस्वामी जैसी दिग्गज क्रिकेटर की प्रेरणादायक कहानी ऑडियंस तक पहुंचनी चाहिए थी। मराठी वेब सीरीज 'अगं आई अहो आई' के प्रमोशन के दौरान खास बातचीत में रेणुका ने कहा कि उन्हें इस बात का अफसोस है कि फिल्म अब तक रिलीज नहीं हो सकी।

फिल्म बहुत अच्छी बनी है

रेणुका शहाणे ने कहा, 'मुझे दुख है, क्योंकि चकदा एक्सप्रेस बहुत अच्छी बनी है। इसके निर्देशक प्रोसित रॉय ने काफी मेहनत की है। अनुष्का शर्मा समेत पूरी टीम ने इस फिल्म के लिए बहुत मेहनत की। पीरियड फिल्म बनाना प्रोडक्शन के स्तर पर काफी चुनौतीपूर्ण और खर्चीला होता है। इसे बहुत बारीकी से तैयार किया गया है।'

क्रिकेटर की कहानी लोगों तक पहुंचनी चाहिए

उन्होंने आगे कहा, 'सबसे अहम बात यह है कि यह झूलन गोस्वामी जैसी उम्दा क्रिकेटर की कहानी है। उनका संघर्ष वाकई प्रेरणादायक है। मुझे लगता है कि उनकी कहानी लोगों तक पहुंचनी चाहिए थी। अगर फिल्म रिलीज होती, तो बहुत अच्छा होता।'

सभी चाहते हैं कि कहानी लोगों तक पहुंचे

जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्हें फिल्म के रिलीज न होने की वजह पता है, तो उन्होंने कहा, 'सच कहूं तो मुझे इसकी अंदरूनी वजहों के बारे में कुछ नहीं पता। लेकिन हम सभी चाहते हैं कि यह फिल्म किसी न किसी तरह ऑडियंस तक पहुंचे।'

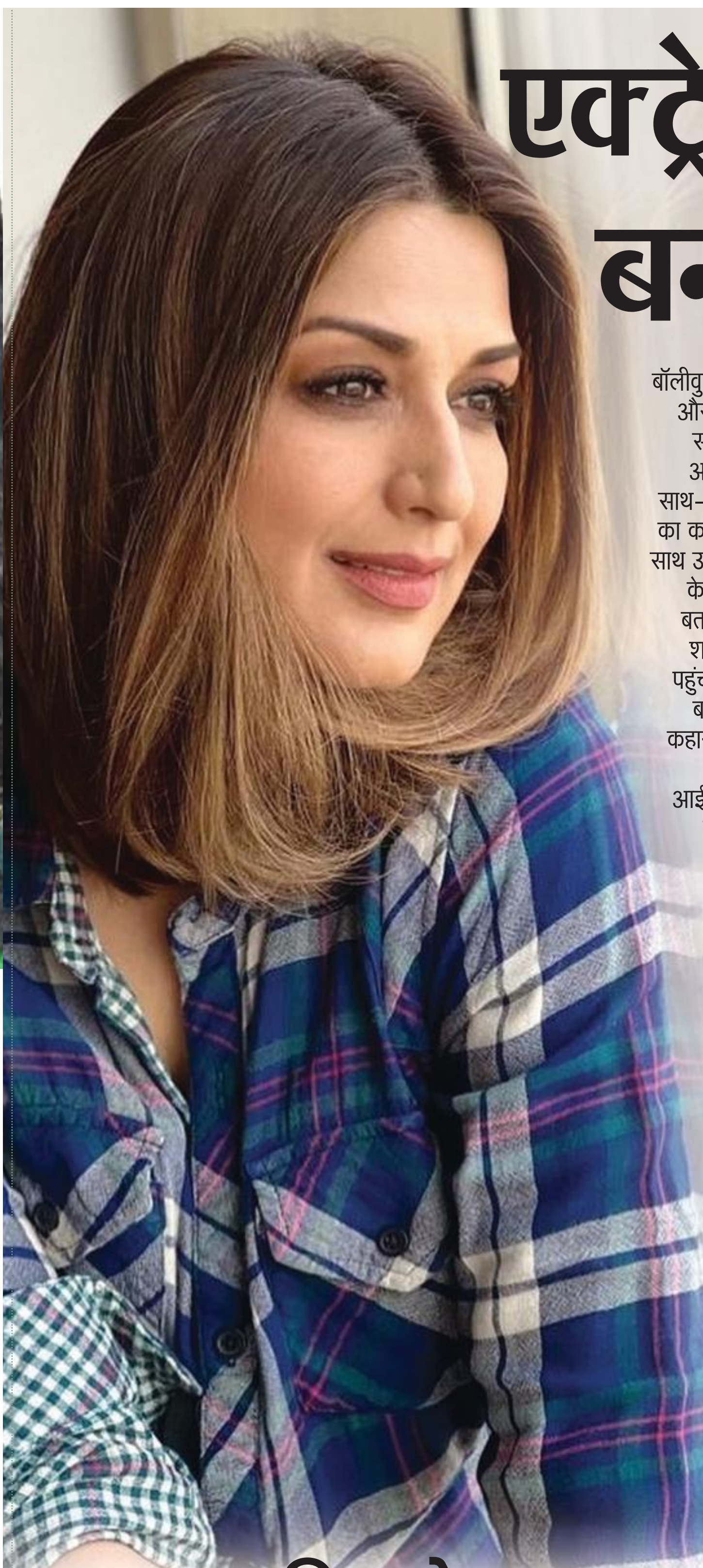

एक्ट्रेस से अब प्रेजेंटर बनीं सोनाली बेंद्रे

बॉलीवुड में कई सालों तक अपनी खूबसूरती और दमदार एक्टिंग से दिल जीतने वाली सोनाली बेंद्रे अब एक नए रोल में नजर आएंगी। दरअसल, वह अब अभिनय के साथ-साथ अच्छी कहानियों को आगे बढ़ाने का काम भी करना चाहती हैं। इसी सोच के साथ उन्होंने फिल्म 'सोलह' के साथ प्रेजेंटर के तौर पर अपना सफर शुरू किया है। बता दें कि प्रेजेंटर का मतलब होता है वो शख्स जो किसी फिल्म को दर्शकों तक पहुंचाने में मदद करे। वो फिल्म का चेहरा बनता है और लोगों को बताता है कि ये कहानी क्यों जरूरी है। सोनाली अपने इस रोल को लेकर काफी उत्साहित हैं। आईएएनएस से खास बातचीत में सोनाली बेंद्रे ने बताया कि 'सोलह' उनके लिए सिर्फ एक फिल्म नहीं है। ये उनके जीवन के एक नए अध्याय की शुरुआत है। उन्हें हमेशा से ऐसी कहानियां पसंद रही हैं जो फिल्म खत्म होने के बाद भी आपके साथ रहें। ऐसी कहानियां जो आपको एक जगह बैठकर सोचने पर मजबूर कर दें। 'सोलह' में ये सब है, इसलिए जब उन्होंने पहली बार इस फिल्म की कहानी सुनी तो वो तुरंत उससे जुड़ गईं। सोनाली ने कहा, ''फिल्म को प्रेजेंट करना मेरे लिए बहुत मायने रखता है क्योंकि यह मेरे लिए एक नए सफर की शुरुआत है। मैंने हमेशा ऐसी कहानियों को चुना है जो खत्म होने के बाद भी आपके दिल और दिमाग में रह जाती हैं। जो आपको थोड़ी देर के लिए रुककर सोचने पर मजबूर करती हैं। आपको जिंदगी को थोड़ा अलग तरीके से देखने में मदद करती हैं। 'सोलह' ने मेरे साथ बिल्कुल यही किया। इसे सुनने के बाद मैं काफी देर तक शांत रही और सोचती रही।''

सोनाली ने बताया कि आखिर उन्हें 'सोलह' की कहानी इतनी क्यों पसंद आई। उन्होंने कहा, ''जब मैंने पहली बार कहानी सुनी तो वो सीधे मेरे दिल से जा लगी। असल में ये फिल्म उम्मीद की कहानी है। ये हिम्मत की कहानी है और सबसे जरूरी बात ये आम लोगों के अंदर छिपी उस शांत ताकत की कहानी है, जिसके बारे में हम रोजमर्रा की जिंदगी में बात नहीं करते। पिछले कुछ सालों में मैंने जिंदगी को बहुत करीब से देखा है। बीमारी, संघर्ष और फिर उससे उबरना। इन सबके बाद मैंने उम्मीद और हिम्मत की कीमत और भी ज्यादा समझी है। इसलिए मुझे लगता है कि अपने इस नए सफर की शुरुआत के लिए 'सोलह' सबसे सही फिल्म है।'' जब उनसे पूछा कि एक प्रेजेंटर के तौर पर उनका क्या मकसद है, तो इस पर सोनाली ने कहा, ''अब जब मैं एक प्रेजेंटर के तौर पर ये सफर शुरू कर रही हूं, तो मेरी सबसे बड़ी इच्छा यही है कि मैं ऐसी फिल्मों को सपोर्ट करूं जो लोगों के दिल को छूएं, जो लोगों को इमोशनली हिला दें। साथ ही मैं चाहती हूं कि दर्शकों को ऐसे नए कहानीकार मिलें, ऐसे नए डायरेक्टर मिलें, जिनकी आवाज अब तक लोगों तक नहीं पहुंची है, लेकिन उनकी कहानियां सुनने लायक हैं। मुझे लगता है कि 'सोलह' से बेहतर शुरुआत मेरे लिए और कुछ नहीं हो सकती थी। मुझे उम्मीद है कि जब लोग सिनेमाघर से बाहर निकलेंगे, तो उन्हें भी ठीक वैसा ही महसूस होगा जैसा मुझे हुआ था।'' 'सोलह' को रोज मूवीज और कैरीऑन पिक्चर्स ने मिलकर प्रोड्यूस किया है। फिल्म 16 अक्टूबर को पूरे देश में सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

अब मुझे परवाह नहीं लोग क्या सोचते हैं
सही के लिए बोलना जरूरी

अभिनेत्री सानवी तलवार इन दिनों अपनी हॉरर थ्रिलर फिल्म 'खामोश आहटें' को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। अभिनेत्री ने आईएएनएस के साथ बातचीत में बताया कि पहले के मुकाबले वे आज अपनी बात को रखने में सहज महसूस करती हैं। अभिनेत्री से आईएएनएस ने पूछा, 'आपके करियर में एक समय ऐसा भी आया था, जब आप एक निजी विवाद के कारण सुर्खियों में रहीं। उस अनुभव से आपने क्या सीखा?' अभिनेत्री सानवी तलवार ने कहा, 'मैंने अपने जीवन के अनुभवों से सीखा है कि जब आपको सही समय लगे, तभी अपनी राय रखनी चाहिए। पहले मैं सिर्फ सीमित लोगों से बातें किया करती थी, लेकिन अब समझ आता है कि जब कोई बात एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति तक पहुंचती है, तो उसका मतलब बदल जाता है। आज मैं खुलकर अपनी बात रखने में सहज महसूस करती हूं, क्योंकि यह मेरा अपना फैसला है। अब मैं इस बात की चिंता नहीं करती कि लोग मेरे बारे में क्या सोचेंगे। अगर मुझे लगता है कि कोई बात सही है, तो मुझे उसके बारे में बोलना चाहिए।'

दरअसल, अभिनेत्री सानवी तलवार ने एक इंटरव्यू के दौरान करण कुंद्रा पर आरोप लगाते हुए बताया था कि 2015 के टीवी शो 'ये कहां आ गए हम' के सेट पर एक सीन के दौरान करण ने डायरेक्टर के एक्शन बोलने से पहले उन्हें जबरन किस किया, जिसके जवाब में सानवी ने उन्हें थप्पड़ मार दिया था, जिसके बाद करण ने उन्हें जोरदार थप्पड़ मारा और गाली गलौज की थी। कई लोगों ने सवाल उठाया कि आपने इस मुद्दे पर इतनी देर बाद क्यों बात की। उन महिलाओं के लिए आप क्या कहना चाहेंगी, जो अपनी बात कहने से झिझकती हैं?'

अभिनेत्री ने कहा, 'मैं हर महिला से कहना चाहूंगी कि अगर आपके साथ कुछ गलत हुआ है और आप उस समय अपनी बात नहीं कह पाईं, तो भी कभी देर नहीं होती। जब आपको सही लगे और आप तैयार महसूस करें, तब अपनी बात सामने रखें। अगर आप अपने अनुभवों के बारे में कभी नहीं बोलेंगी, तो लोग सच्चाई जान नहीं पाएंगे। मेरी बात किसी के माध्यम से अनुषा दांडेकर (करण कुंद्रा की एक्स गर्लफ्रेंड) के पास पहुंच गई थी। जब वह सेट पर आईं, तो उनकी मौजूदगी ने मुझे काफी सुकून और सहयोग महसूस करवाया था।'

सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग को लेकर अभिनेत्री ने कहा, 'मैं आज भी इससे डील कर रही हूं। लोग मुझे ट्रोल करते हैं क्योंकि मैं सच बोल रही हूं, लेकिन इससे मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता। मुझे पता है कि मैं क्यों बोल रही हूं और मैं आज भी अपनी बात पर कायम हूं।'

एक बार फिर देश का नाम रोशन करेंगी मानुषी छिल्लर

मानुषी छिल्लर ने हमेशा भारत को ग्रेस और आत्मविश्वास के साथ रिप्रेजेंट किया है। मिस वर्ल्ड का खिताब जीतने के बाद से ही वह देश का एक ग्लोबल चेहरा बन चुकी हैं और कई इंटरनेशनल प्लेटफॉर्म पर भारत की पहचान को आगे बढ़ाया है। अब वे एक बार फिर भारत का नाम ग्लोबल लेवल पर चमकाने वाली हैं।

हैंडओवर सेरेमनी में करेंगी परफॉर्म

एक्ट्रेस और पूर्व मिस वर्ल्ड मानुषी ग्लासगो 2026 कॉमनवेल्थ गेम्स हैंडओवर सेरेमनी में लाइव परफॉर्म करने वाली इकलौती भारतीय एक्ट्रेस होंगी। यह खास इवेंट 2 अगस्त को ग्लासगो में होगा। इस अनाउंसमेंट में मानुषी के सफर को खास तौर पर सराहा गया है- मिस वर्ल्ड बनने से लेकर कॉमनवेल्थ गेम्स जैसे बड़े मंच तक पहुंचने तक। उनकी यह परफॉर्मेंस इस सेरेमनी का एक बड़ा आकर्षण होगी, जो 'रोड टू अहमदाबाद 2030' की शुरुआत को भी दर्शाएगी, जो अगला होस्ट सिटी है।

इकलौती भारतीय एक्ट्रेस होंगी मानुषी

कॉमनवेल्थ गेम्स की यह हैंडओवर सेरेमनी दुनियाभर में देखी जाएगी, जिसमें म्यूजिक, कल्चर और एंटरटेनमेंट के जरिए ग्लासगो 2026 से अहमदाबाद 2030 तक का सफर दिखाया जाएगा। ऐसे में इकलौती भारतीय एक्ट्रेस के तौर पर मानुषी की मौजूदगी और भी खास बन जाती है। इस खास मौके के साथ मानुषी छिल्लर अपने करियर में एक और बड़ी उपलब्धि जोड़ रही हैं। अब फैंस को उनकी परफॉर्मेंस का बेसब्री से इंतजार है, जहां वह एक बार फिर गर्व के साथ भारत का प्रतिनिधित्व करती नजर आएंगी।

कीर्ति कुल्हारी हुई साइबर फ्रॉड का शिकार

अभिनेत्री कीर्ति कुल्हारी के साथ साइबर धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। अज्ञात अपराधियों ने उनके मोबाइल फोन और क्रेडिट कार्ड का अनधिकृत एक्सेस हासिल कर महज कुछ ही मिनटों में 2,43,852 रुपए का फ्रॉड किया है। अभिनेत्री की शिकायत पर अंबोली पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। खबर के मुताबिक इस मामले में कीर्ति ने एफआईआर दर्ज करवाई है।

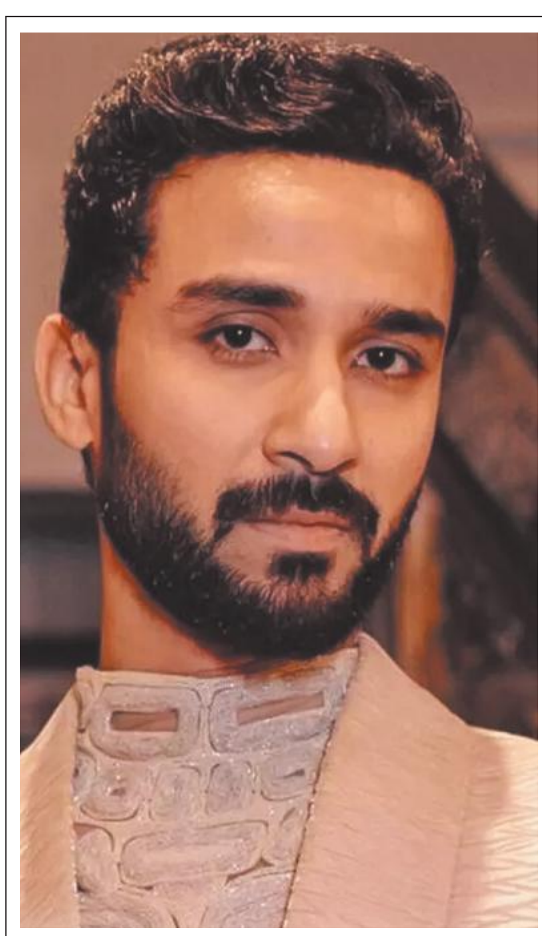

मां-पापा को एयरप्लेन में में ट्रैवल कराना है, उन्होंने मेरा 16 साल का संघर्ष देखा है

'बैड्स ऑफ बॉलीवुड' से घर-घर में लोगों का दिल जीत चुके राघव जुयाल इन दिनों 'भाई तेरा स्टार' को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने कहा- मेरे माता-पिता जिस सैलरी के चक्रव्यूह में फंसे रहे, मुझे उन्हें उससे निकालना है, मैं देहरादून में उनके लिए पांच मंजिला घर बनवा रहा हूं और मुझे उन्हें एयरप्लेन में फर्स्ट क्लास में ट्रैवल कराना है।

इसमें उनकी मेहनत, लगन और समर्पण का तो पूरा हाथ है, मगर उनकी किस्मत भी कम चमकीली नहीं। हम बात कर रहे हैं, राघव जुयाल की। 'किंग ऑफ स्लो मोशन' के रूप में जाने जाने वाले राघव ने होस्टिंग भी कमाल की की और यही वजह है कि अभिनय का उनका मार्ग प्रशस्त हुआ। 'किल' और 'बैड्स ऑफ बॉलीवुड' में तारीफें बटोरने के बाद इन दिनों वे चर्चा में हैं सोलो हीरो वाली 'भाई तेरा स्टार' है। जल्द ही वे शाहरुख खान की 'किंग' में विलेनिश अंदाज में दिखेंगे। उनसे एक खास बातचीत।

'मेरे दादा केस्टो मुखर्जी की मिमिक्री किया करते थे'

हर आम माता-पिता की तरह राघव के परिवार ने भी उनकी मुखालफत की। वे कहते हैं, 'मुझे लगता है कि मेरे माता-पिता को मजबूरी में वकील और टीचर बनना पड़ा। वरना थे तो वो भी कलाकार ही। कला हमारे परिवार में पहले से थी। मेरे दादा जी केस्टो मुखर्जी जैसे सीनियर कमीडियन की कॉमिडी किया करते थे, कविताएं लिखते थे, किताबें लिखते थे। वे लेखक थे। शायद अभिनय और कला का यह बीज वहीं से आया। मगर जब मैंने एक्टिंग में आने की बात की तो कोई भी राजी नहीं था। इसलिए मुझे अपने घोसले से उड़ना पड़ा।

माता-पिता के लिए घर बनवा रहा हूं

अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए वे कहते हैं, 'मैं अपनी जनरेशन के लोअर मिडल क्लास कर्स (अभिशाप) कि आप ये नहीं कर सकते, वो नहीं कर सकते, को पूरी तरह से मिटा देना चाहता हूं, आगे की जनरेशन के लिए। कोई जब मुझसे कहता है कि अपनी औकात में रहो या तुमको काफी मिला गया है, तो मैं किसी की नहीं सुनना चाहता, क्योंकि मैंने अपने बाप-दादाओं को मेहनत की रोटी के लिए संघर्ष करते देखा है, तो मुझे ये अभिशाप हटाना है। ये छोटे शहर के लड़के की भावनाएं बोल रही हैं। मुझे वो सोच तोड़नी है कि लोग क्या कहेंगे? मेरे माता-पिता जिस सैलरी के चक्रव्यूह में फंसे रहे, मुझे उन्हें उससे निकालना है। मैं देहरादून में उनके लिए पांच मंजिला घर बनवा रहा हूं। मुझे उन्हें एयरप्लेन में फर्स्ट क्लास में ट्रैवल कराना है। उन्होंने मेरा 16 साल का संघर्ष देखा है। मैं हमेशा कहता था कि एक दिन मैं सिंगल हीरो वाली फिल्म करूंगा।

मैं प्रॉड्यूसर से पैकअप या पैसों के बारे में नहीं पूछता

राघव का मानना है कि विवादों के बजाय उन्होंने हमेशा अपने काम पर ध्यान दिया है। वे कहते हैं, 'हमेशा मेरा काम बोला है। जब मैं डांसर था, तब बेस्ट था। जब होस्ट बना, तब भी मुझे सराहा गया। अब जब मैं एक्टिंग कर रहा हूं, तो तब भी बेस्ट ही बनूंगा। मैं सिर्फ अपने काम को बेहतर करने के लिए मेहनत करता हूं। मैं सुपरस्टार बनने की जर्नी में हूं। मैंने आज तक किसी प्रोड्यूसर से कभी नहीं पूछा कि पैकअप कब होगा, डेढ़ शिफ्ट होगी या दो? वैनिटी है या नहीं? मैंने तो कभी ये तक नहीं पूछा कि कितने पैसे मिलेंगे? मैं सिर्फ पूछता हूं कि शूटिंग पर कहां आना है? शायद यही वजह है कि प्रोड्यूसर भी मेरे साथ काम करना चाहते हैं।'

पिछले 16 सालों से खुद को स्टार महसूस कर रहा हूं

वे बेहद आत्मविश्वास से कहते हैं, 'मैं स्टार वाला मोमेंट पिछले 16 सालों से ही फील कर रहा हूं। मैं जब मुंबई आया और मैंने डीआईडी (डांस इंडिया डांस) में भाग लिया, उस वक्त मेरा डांस देखने के लिए 15-20 हजार का क्राउड आया था, तो बड़ा स्टार मोमेंट था। मैं खुद को लगातार रीइंवेंट करता आया हूं। मेरे लिए अवॉर्ड मिलना भी एक बड़ा पल था। लेकिन सबसे ज्यादा खुशी तब होती है, जब लोग प्यार देते हैं।' अपने क्रेजी फैंस का जिक्र करते हुए वे कहते हैं, 'एक बार एक फैन मेरे नाम का टैटू बना कर आ गया था, तब मैंने उसे समझाया था कि वो ऐसा न करे। अरे, कई बार तो फनी इंसिडेंट भी हो जाते हैं। एक बार जब मैं एयरपोर्ट पर जा रहा था, तब एक फैन आकर बोला, वो डांस वाला स्लो मोशन करके दिखा दीजिए। मैंने उससे पूछा, आप क्या करते हो, तो वो बोला, मैं सर्जन हूं। मैंने उससे कहा, तो आप एक सर्जरी करके दिखा दीजिए।'

वेटलिफ्टिंग में 8वां पदक

लवप्रीत 1KG से गोल्ड से चूके, सीमा ने डिस्कस थ्रो में दिलाया कांस्य

नई दिल्ली। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारत को वेटलिफ्टिंग में गुरुवार (30 जुलाई) को 8वां पदक मिला। लवप्रीत सिंह ने 110+ किलोग्राम भारवर्ग में रजत पदक दिलाया। सीमा कालीरमन ने महिलाओं की डिस्कस थ्रो में कांस्य पदक जीता।

भारत ने अबतक 17 पदक अपने नाम किए हैं। वह 3 स्वर्ण, 10 रजत और 4 कांस्य के साथ पदक तालिका में 10वें नंबर पर है। ग्लासगो में भारत ने वेटलिफ्टिंग में अबतक एक गोल्ड,छह सिल्वर और एक ब्रॉन्ज जीता है। लवप्रीत ने अपने करियर का सबसे अच्छा प्रदर्शन किया। उन्होंने 176 किलोग्राम स्नैच के साथ कॉमनवेल्थ गेम्स का रिकॉर्ड तोड़ा और कुल 388 किलोग्राम (176द्मद्द+212द्मद्द) उठाकर गोल्ड मेडल जीता। भारतीय एथलीट न्यूजीलैंड के डेविड एंड्रयू लिटी से सिर्फ एक किलोग्राम पीछे रहे, जिन्होंने कुल 389 किलोग्राम उठाकर गोल्ड मेडल जीता। स्नैच के बाद 10 किलोग्राम की बढ़त बनाने के बाद पंजाब के वेटलिफ्टर का पलड़ा भारी दिख रहा था।

स्वर्ण से चूक गए लवप्रीत

लिटी ने क्लीन एंड जर्क में शानदार वापसी की और अंतिम प्रायस में 223 किलोग्राम का वजन उठाकर गेम्स का रिकॉर्ड तोड़ दिया।

लवप्रीत को शीर्ष पर पहुंचने के लिए 217 किलोग्राम वजन उठाने की जरूरत थी। उन्होंने कोशिश की, लेकिन लिफ्ट पूरी नहीं कर पाए। बता दें कि बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स में लवप्रीत के ब्रॉन्ज मेडल जीता था।

रोहित टोकस

चुभी स्कूल में सहपाठी से मिली हार, इंजरी भी नहीं तोड़ सकी हौसला

कॉमनवेल्थ में लगाया ब्रॉन्ज मेडल पर 'पंच'

नई दिल्ली । भारतीय बॉक्सर रोहित टोकस अब किसी पहचान के मोहताज नहीं हैं। कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 में ब्रॉन्ज मेडल पर 'पंच' लगाते हुए उन्होंने विश्व स्तर पर अपनी काबिलियत को साबित किया। हालांकि, रोहित ने बॉक्सिंग की रिंग में उतरने का फैसला स्कूल में सहपाठी के खिलाफ मिली हार के बाद किया। रोहित टोकस का जन्म 1 अगस्त, 1993 को दिल्ली के मुनीरका में हुआ। रोहित बचपन में अपने भाइयों संग लड़ते-झगड़ते रहते थे। रोहित के घर के पास ही एक बॉक्सिंग अकादमी थी, जहां बिना कोई पैसा लिए ट्रेनिंग दी जाती थी। रोहित के

पिता ने सभी भाइयों को इस अकादमी में ट्रेनिंग लेने के लिए प्रोत्साहित किया और उनकी यह पहल रंग भी लाई। रोहित ने अपने भाइयों के साथ अकादमी जाना शुरू कर दिया। हालांकि, एक से दो साल ट्रेनिंग करने के बाद उन्होंने बॉक्सिंग छोड़ तैराकी शुरू कर दी। रोहित का स्कूल बदला, तो कक्षा में उनकी मुलाकात एक सहपाठी से हुई, जो बॉक्सिंग की प्रैक्टिस किया करता था। रोहित ने अपने सहपाठी को 'शैडो बॉक्सिंग' करते देखा चैलेंज कर दिया। हालांकि, रोहित को इस मुकाबले में करारी हार मिली और यह हार उनको अंदर तक चुभ गई। रोहित अगले कुछ दिन स्कूल नहीं गए और उन्होंने दोबारा से बॉक्सिंग कोचिंग शुरू कर दी। रोहित ने सहपाठी बॉक्सर को बॉक्सिंग रिंग में हराने की ठानी। रोहित दिन-रात प्रैक्टिस करने में जुट गए और उन्होंने दिल्ली राज्य चैंपियनशिप में हिस्सा लिया। दो महीने जबरदस्त ट्रेनिंग करने के बाद रोहित अपने स्कूल के उसी सहपाठी को रिंग में हराकर चैंपियन बने।

साल 2010 में भारत में हुए कॉमनवेल्थ गेम्स के दौरान रोहित ने बॉक्सिंग में अपने करियर बनाने का फैसला किया। 2011 में रोहित ने नेशनल बॉक्सिंग चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल अपने नाम किया, जिसके बाद उन्हें नेशनल शिविर में जगह मिल गई।

कॉमनवेल्थ गेम्स

चार साल के बेटे की मां और पीएचडी स्कॉलर सीमा कालीरमन ने दिलाया ब्रॉन्ज मेडल

नई दिल्ली । बड़ी पुरानी कहावत है, 'जहां चाह वहां राह'। यह लाइनें कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में महिला डिस्कस थ्रो में भारत को ब्रॉन्ज मेडल दिलाने वाली एथलीट सीमा कालीरमन पर फिट बैठती हैं। चार साल के बेटे की जिम्मेदारी, पीएचडी की पढ़ाई के साथ खेल के प्रति ऐसा जुनून उन्हें बाकी एथलीटों से अलग बनाता है। सीमा का सबसे बड़ा सहारा पति रविंदर भी बने, जिनकी कोचिंग में वह देश का नाम रोशन करने में कामयाब हो सकीं। हालांकि, सीमा का ब्रॉन्ज मेडल जीतने तक का सफर चुनौतियों से भरा रहा। चोट, प्रेग्नेंसी और तमाम तरह की चुनौतियों के बावजूद सीमा ने कभी अपना हौसला कम

नहीं होने दिया। जब-जब जिंदगी ने खेल को उनसे दूर करने की कोशिश की तो सीमा ने हर बार शानदार वापसी की। डिस्कस थ्रो के फाइनल में 27 साल की इस एथलीट के छह राउंड में से केवल दो ही थ्रो सही (वैलिड) हो पाए, क्योंकि बार-बार डिस्कस साइड नेटिंग में फंस जा रहा था। यह पोडियम सीमा के लिए पहला बड़ा इंटरनेशनल मेडल रहा। सीमा एक पीएचडी स्कॉलर भी हैं और चार साल के बेटे रुद्र की मां हैं।

असल में, मां बनने के साथ-साथ सीमा एक टॉप एथलीट के तौर पर भी आगे बढ़ीं। 2022 में बेटे रुद्र के जन्म से पहले उनका पर्सनल बेस्ट 48.08 मीटर था। 2024 में 11 महीने के ब्रेक के बाद उन्होंने प्रतिस्पर्धी डिस्कस थ्रो में वापसी की और अपने पर्सनल बेस्ट को बेहतर करते हुए 57.19 मीटर तक पहुंचाया।

भारत 10वें पर खिसका, ऑस्ट्रेलिया शीर्ष पर

- नाइजीरिया 5वें पर, यहां देखें पदक तालिका

नई दिल्ली। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारत के 17 पदक हो गए हैं, लेकिन वह पदक तालिका में 10वें नंबर पर खिसक गया है। भारत ने अबतक 3 स्वर्ण, 10 रजत और 4 कांस्य पदक जीते हैं। ग्लासगो में आजोजित खेलों में ऑस्ट्रेलिया का दबदबा बरकरार है। वह 51 स्वर्ण, 24 रजत और 35 कांस्य पदक के साथ शीर्ष पर हैं। इंग्लैंड 65 पदकों के साथ दूसरे नंबर पर है। उसने 15 स्वर्ण, 30 रजत और 20 कांस्य पदक जीता है। कनाडा 45 पदकों के साथ तीसरे नंबर पर है। स्कॉटलैंड ने 25 पदक जीते हैं। उन्होंने 9 स्वर्ण, 7 रजत और 9 कांस्य पदक जीते हैं। नाइजीरिया ने 16 पदक जीते हैं। 8 स्वर्ण, 5 रजत और 3 कांस्य पदक जीते हैं। दक्षिण अफ्रीका के 23 पदक हैं। उन्होंने 6 स्वर्ण, 9 रजत और 8 कांस्य पदक जीता है। मलेशिया 12 पदकों के साथ 7वें नंबर पर है। उसने 6 स्वर्ण, 3 रजत और 3 कांस्य पदक जीते हैं।

भारत नीचे क्यों

न्यूजीलैंड 21 पदकों के साथ 8वें नंबर पर है। 5 स्वर्ण, 9 रजत और 7 कांस्य पदक के साथ 8वें नंबर पर है। जमैका 8 पदकों के साथ 9वें नंबर पर है। 4 स्वर्ण, 2 रजत और 2 कांस्य पदक हैं। पदक तालिका में स्थान स्वर्ण जीतने से तय होता है। यही कारण है के भारत 17 पदकों के बाद भी 8वें पर खिसक गया।

क्रिकेट विश्व कप 2027

साउथ अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया होंगे मेजबान

12 शहरों में होंगे 54 मैच

नई दिल्ली। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने ऐलान किया है कि 2027 में होने वाले पुरुष वनडे वर्ल्ड कप 12 शहरों में खेले जाएंगे। यह वर्ल्ड कप 24 साल में पहली बार दक्षिणी अफ्रीकी देशों में होगा। दक्षिण अफ्रीका के आठ शहर, जिम्बाब्वे के तीन और नामीबिया की राजधानी विंडहोक में कुल 54 मैच खेले जाएंगे। तीनों देश टूर्नामेंट के सह-मेजबान हैं। इससे पहले 2003 में साउथ अफ्रीका, जिम्बाब्वे और केन्या में वर्ल्ड कप का आयोजन हुआ था।

साउथ अफ्रीका में जोहान्सबर्ग, सेंचुरियन, डरबन, गकेबरहा, कुगोम्पो सिटी, केपटाउन, पार्ल और ब्लोमफोंटेन में 2027 वर्ल्ड कप के दौरान 54 मैचों में से ज्यादातर मैच होंगे। फाइनल वांडरर्स या न्यूलैंड्स में होगा। जिम्बाब्वे में हरारे, बुलावायो और विक्टोरिया फॉल्स के बीच सात से 10 मैच खेले जाएंगे और नामीबिया में विंडहोक भी कम से कम तीन मैचों की मेजबानी करेगा। बेनोनी और पोटचेफस्ट्रूम को वार्म-अप वेन्यू के तौर पर इस्तेमाल किया जाएगा और नामीबिया के साथ वर्ल्ड कप क्वालिफायर को-होस्ट करने की संभावना है। टूर्नामेंट के 4 अक्टूबर से 21 नवंबर 2027 तक आयोजित होने की संभावना है।

- **साउथ अफ्रीका के मैदान**- वांडरर्स स्टेडियम (जोहान्सबर्ग), सेंचुरियन (त्शवाने), न्यूलैंड्स क्रिकेट ग्राउंड (केपटाउन), किंग्समीड क्रिकेट ग्राउंड (डरबन), सेंट जॉर्ज पार्क (गकेबरहा), मंगांग ओवल (ब्लोमफोंटेन), बोलैंड पार्क (पार्ल) और बफेलो पार्क (कुगोम्पो सिटी, जिसे पहले ईस्ट लंदन के नाम से जाना जाता था)।
- **जिम्बाब्वे के मैदान**- हरारे स्पोर्ट्स क्लब (हरारे), क्वींस स्पोर्ट्स क्लब (बुलावायो), फाले मोसी-ओआ-तुन्या इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम (विक्टोरिया फॉल्स)।
- **नामीबिया**- नामीबिया क्रिकेट ग्राउंड (विंडहोक)।
- **2003 वर्ल्ड कप के बाद साउथ अफ्रीका ने इन आईसीसी टूर्नामेंट्स की मेजबानी की**- 2003 में साउथ अफ्रीका, जिम्बाब्वे और केन्या ने 8वें मेन्स क्रिकेट वर्ल्ड कप की मेजबानी की थी। इसके बाद से साउथ अफ्रीका ने कई बड़े आईसीसी टूर्नामेंट होस्ट किए हैं। इनमें पहला मेन्स टी20 वर्ल्ड कप (2007), विमेंस ञ्20 वर्ल्ड कप (2023), अंडर-19 मेन्स क्रिकेट वर्ल्ड कप (2020 और 2024) और अंडर-19 विमेंस टी20 वर्ल्ड कप (2023) शामिल हैं।

भारत-ब्राजील के बीच होगा फुटबॉल मैच

‸IFF का बड़ा ऐलान; कब और कहां खेला जाएगा मुकाबला?

नई दिल्ली। फीफा वर्ल्ड कप 2026 का हाल ही में समापन हुआ है। भारत में भी फुटबॉल का जुनून चरम पर था। पूरे टूर्नामेंट में भारतीय फुटबॉल फैंस ने भारतीय टीम के ना होने पर दुख भी जताया था। अब भारतीय फुटबॉल फैंस के पास अपने देश की टीम को चीयर करने का मौका होगा। भारत और ब्राजील के बीच कोलकाता में एक बेहतरीन मुकाबला होने जा रहा है। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (ढ्ढस्नस्न) ने गुरुवार को भारत और ब्राजील के बीच होने वाले ऐतिहासिक मुकाबले का ऐलान किया है।

कब और कहां खेला जाएगा यह मुकाबला?

ऑस्ट्रेलिया में ब्राजील की टीम पहला मुकाबला 25 सितंबर को ञ्श्2ठ्ठ्य1द्बद्यद्द और 29 सितंबर को ब्रिसबेन में खेलेगी। इसके बाद ब्राजील की टीम भारत के दौरे पर आएगी और इस विंडो का तीसरा मुकाबला खेलेगी। भारत और ब्राजील के बीच यह मैच कोलकाता के साल्ट लेक स्टेडियम में 3 अक्टूबर 2026 को खेला जाएगा। यह दोनों देशों की टीमों के बीच एक फ्रेंडली मैच होगा।

‸ढ्ढस्नस्न के डिप्टी सेक्रेटरी जनरल ने इस मैच को लेकर कहा, 'ब्राजील जैसी टीम का अपने देश में स्वागत करना एक शानदार पल होगा। साथ ही यह पल भारतीय फुटबॉल के इतिहास का एक अनमोल क्षण होगा।' जबकि ब्राजील फुटबॉल महासंघ की तरफ से इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा गया, 'यह एक स्पेशल मैच होगा उस देश के साथ जहां ब्राजील की टीम का सबसे बड़ा फैनबेस है। यहां के फैंस ने सालों से ब्राजील के फुटबॉल इतिहास को पैशन के साथ फॉलो किया है। '

हर्षा भोगले ने दलीप ट्रॉफी के लिए चुनी गई टीम पर उठाए सवाल

'वैभव सूर्यवंशी को क्यों बनाया उपकप्तान'

नई दिल्ली। वैभव सूर्यवंशी को 23 अगस्त 2026 से शुरू होने वाले रेड बॉल टूर्नामेंट दलीप ट्रॉफी के लिए ईस्ट जोन की टीम का उपकप्तान बनाया गया। कई क्रिकेट दिग्गजों का यह मानना है कि 15 साल के क्रिकेटर के लिए यह बड़ा प्रोत्साहन है। वहीं दिग्गज क्रिकेट कमेंटेटर और क्रिकेट एक्सपर्ट हर्षा भोगले ने उन्हें उपकप्तान बनाने पर सवाल उठाए हैं। उनका मानना है कि वैभव की यह रेड बॉल क्रिकेट में अभी शुरुआत ही है और उनका रिकॉर्ड भी कुछ खास नहीं है।

वैभव सूर्यवंशी ने अभी घरेलू क्रिकेट में सिर्फ 12 फर्स्ट क्लास पारी ही खेली हैं। उनका औसत सिर्फ 17.25 का है। उनके नाम 207 रन ही दर्ज हैं, इस रिकॉर्ड का हवाला देते हुए हर्षा ने उन्हें सीनियर रेड बॉल टीम का उपकप्तान बनाने के फैसले पर हैरानी जताई है। इस टीम का कप्तान इशान किशन को बनाया गया है। वहीं मोहम्मद शमी, अभिमन्यू ईश्वरन, शाहबाज अहमद, सुदीप घरामी, मुकेश कुमार जैसे अनुभवी खिलाड़ी भी इस टीम में शामिल हैं।

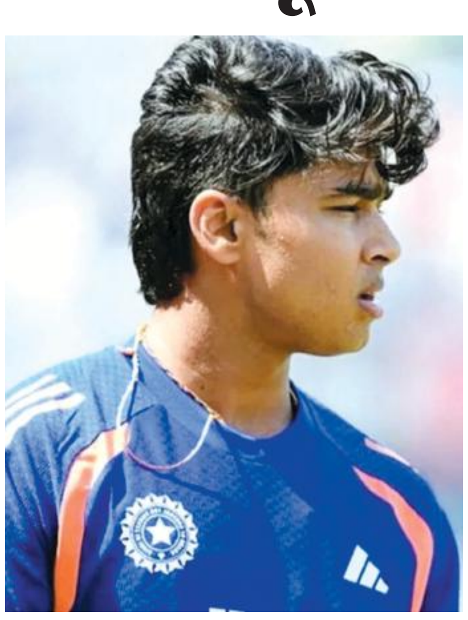

हर्षा भोगले ने एक्स पर पोस्ट करते हुए जताई हैरानी

हर्षा भोगले ने एक्स पर गुरुवार को पोस्ट किया और वैभव सूर्यवंशी को यह जिम्मेदारी देने पर हैरानी जताई। उन्होंने लिखा, 'मुझे हैरानी है कि क्या सोचकर सूर्यवंशी को सीनियर रेड बॉल टीम का उपकप्तान बनाया गया। उन्होंने सिर्फ 12 पारी खेलीं और 207 रन ही बनाए। उनका औसत महज 17.25 का ही है। उनका टैलेंट शानदार है लेकिन अभी यह शुरुआती पल हैं और वह रेड बॉल क्रिकेट में अभी भी निचले पायदान पर ही हैं। '

ईस्ट जोन की चयन समिति के सदस्य प्रवनजन मुल्लिक ने इस पर सफाई देते हुए कहा, 'वैभव को टीम का कप्तान नहीं बनाया गया है, इशान किशन कप्तान हैं और बतौर विकेटकीपर वह पूरे मैच को देख सकते हैं, ऐसा नहीं है कि वैभव सूर्यवंशी पूरे दिन कप्तानी करेंगे। जैसे-जैसे वह ग्रो कर रहे हैं और मैच्योर होते जा रहे हैं। उनको अधिक जिम्मेदारी देने से वह और अधिक मैच्योर हो सकते हैं। '

उन्होंने आगे कहा, 'दलीप ट्रॉफी में उपकप्तान बनना उनके लिए एक बेहतरीन मौका है। वह देश के लिए अच्छा करना चाहते हैं और हमारा विश्वास है युवाओं को जिम्मेदारियां देना जरूरी होता है। किसे पता आगे का? फिंगर क्रॉस, क्या पता आगे वह भारतीय टीम के कप्तान बन जाएंगे। यही कारण है उन्हें उपकप्तान बनाने का। वह लगातार देश के लिए , आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स के लिए अच्छा कर रहे हैं। फर्स्ट क्लास क्रिकेट में वह बिहार के भी उपकप्तान हैं। '

विदेश में पहले अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में गोल्ड मेडल जीतने वाले तिनगोंग वांगपन की कहानी

पापा पढ़ाई कराना चाहते थे, मां ने जिंदा रखे सपने

नई दिल्ली। मां चोरी-छिपे 1000 रुपये के जूते खरीदकर देती थीं, दोस्त कहते थे कि इतनी मेहनत का कोई फायदा नहीं होगा, पिता चाहते थे कि पढ़ाई पर ध्यान दूं। जन्म से सेरेब्रल पाल्सी (ष्टद्गह्म्द्गढ्ढह्म्ड्डद्य श्चड्डद्यह्य4) जैसी शारीरिक चुनौती झेलने वाले अरुणाचल प्रदेश के 21 वर्षीय पैरा धावक तिनगोंग वांगपन ने इन तमाम मुश्किलों को अपनी मंजिल के रास्ते की बाधा नहीं बनने दिया।

सड़क पर अकेले दौड़कर शुरुआत करने वाले तिनगोंग आज भारत के उन उभरते पैरा एथलीटों में शामिल हैं, जिन्होंने मेक्सिको में आयोजित वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स ग्रां प्री 2026 की पुरुष 200 मीटर टी37 स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर देश का नाम रोशन किया।

विदेश में उनका यह पहला अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट था। अरुणाचल प्रदेश से भारतीय खेल प्राधिकरण (स्ड्ढ) के राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र (हृष्टह्रश्व), गांधीनगर पहुंचने वाले पहले पैरा एथलीट तिनगोंग ने जनसत्ता से विशेष बातचीत में अपने संघर्ष, परिवार के त्याग, ट्रेनिंग, अंतरराष्ट्रीय सफलता और पैरालंपिक तक पहुंचने के सपने पर खुलकर बात की।

अवसर देने के लिए धन्यवाद देना चाहूंगा

सबसे पहले मैं मुझे यह अवसर देने के लिए धन्यवाद देना चाहूंगा। बचपन में मैं थोड़ी-बहुत खेलकूद की गतिविधियां करता था, लेकिन मुझे इसमें बहुत ज्यादा दिलचस्पी नहीं थी। मेरी शारीरिक विकलांगता के बावजूद मेरी मां हमेशा मेरा सपोर्ट करती थीं। वह मुझे सुबह-सुबह वॉक पर ले जाती थीं और मुझे एक्टिव रखती थीं। जब मैं 12वीं क्लास में था, तब मुझे एक भैया से पता चला कि पैरा स्पोर्ट्स (Para Sports) भी होते हैं। उसके बाद मैंने अकेले ही सुबह-शाम दौड़ना शुरू कर दिया। मैं रास्ते पर ही दौड़ता रहता था। मुझे ट्रेनिंग को मैनेज करना नहीं आता था। बाद में अरुणाचल पैरा स्पोर्ट्स एसोसिएशन से सेठी सर ने मेरी मदद की। मैंने 7वीं 'इंडियन ओपन नेशनल चैंपियनशिप' में हिस्सा लिया। वहां खेलने के बाद डॉ. गगन सेठी सर ने मुझे चुना और मुझे साई (SAI) गांधीनगर ले आए। अभी मैं नितिन सर की कोचिंग और मार्गदर्शन में अभ्यास कर रहा हूं। बता दें कि डॉ. गगन सेठी अभी गांधी नगर स्थित स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (SAI) में हाई परफॉर्मेंस एनालिस्ट (फिजियोथेरेपी और क्लासिफायर व TIDC सदस्य पैरा एथलेटिक्स) हैं।

दिल्ली चिड़ियाघर में चिंकारा हिरण की मौत, बड़ी लापरवाही उजागर; प्रशासन है चुप

समय पर समुचित इलाज नहीं मिल सका

नई दिल्ली, एजेंसी। चिड़ियाघर में मरम्मत कार्य के दौरान बरती गई लापरवाही एक नर चिंकारा हिरण पर भारी पड़ गई। बाड़े के पास रखी सीमेंट की प्लास्टिक बोरी उसके सींग में फंस गई। इसके बाद घबराया चिंकारा काफी देर तक बाड़े में इधर-उधर दौड़ता रहा, चूंकि उसकी आंखों पर बोरी होने से उसे दिखाई नहीं दे रहा था। इस दौरान उसका सींग टूट गई और उसे गंभीर चोटें आई।

सूत्रों का आरोप है कि घटना के समय मौके पर कोई कीपर मौजूद नहीं था और सुरक्षा इंतजाम भी नाकाफी थे। चोट इतनी गंभीर थी कि चिंकारा खड़ा तक नहीं हो पा रहा था। इलाज के दौरान पता चला कि उसका पैर भी टूट गया है। कुछ दिनों बाद चिंकारा की मौत हो गई। घटना को लेकर चिड़ियाघर की सुरक्षा व्यवस्था और बाड़ों के आसपास चल रहे मरम्मत कार्य पर सवाल उठ रहे हैं। चिड़ियाघर के कर्मचारियों ने बताया कि यह चिंकारा करीब पांच वर्ष पहले हरियाणा से लाया गया था। आरोप है कि घायल होने के बाद समय पर समुचित इलाज नहीं मिल सका, जिससे उसकी हालत बिगड़ती चली गई और अंत में उसकी मौत हो गई। हालांकि, चिड़ियाघर के निदेशक डॉ. संजीत कुमार ने मौत के संबंध में कोई टिप्पणी नहीं की।

उन्होंने केवल इतना कहा कि शाकाहारी जानवरों को बाड़े के भीतर दौड़ने या एनिमल हाउस में शिफ्ट करने के दौरान कभी-कभी चोट लग जाती है। सभी घायल जानवरों को तत्काल अस्पताल लाकर उपचार दिया जाता है। वर्तमान में चिड़ियाघर अस्पताल में छोटे-बड़े मिलाकर कुल 18 जानवर उपचार, पुनर्वास या हैंड रियरिंग (कृत्रिम पालन-पोषण) के विभिन्न चरणों में हैं। इनमें बड़े मांसाहारी जानवर भी शामिल हैं। अधिकारी ने कहा कि स्वस्थ होने पर उन्हें वापस बाड़ों में भेज दिया जाता है।

टोल प्लाजा पर बनेंगे विश्व स्तरीय सार्वजनिक शौचालय

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय राजमार्ग के टोल प्लाजा पर विश्व-स्तरीय सार्वजनिक शौचालय बनाए जाएंगे। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने टोल प्लाजा पर विश्वस्तरीय सार्वजनिक शौचालय सुविधाएं विकसित करने के लिए देशव्यापी पहल शुरू की है। इसका उद्देश्य राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क पर शौचालय सुविधाओं में सुधार करना है।

एनएचएआई ने गुरुवार को कहा कि पहल के तहत टोल प्लाजा पर स्वच्छता सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए प्रदर्शन-आधारित अनुबंध व्यवस्था अपनाई जाएगी। मौजूदा शौचालय परिसरों का नवीनीकरण करने के साथ ही नये शौचालय भी बनाए जाएंगे। इसके लिए मानक तय कर उन्हें लागू किया जाएगा। देश में विकसित डिजाइन में मजबूत संरचनात्मक विशेषताओं के साथ टिकाऊ और हरित भवन निर्माण व्यवस्था को भी शामिल किया जाएगा।

इंस्टाग्राम पर दोस्ती, पहली मुलाकात और खत्म हो गई सुनील की जिंदगी; दिल्ली में सनसनीखेज वारदात

नईदिल्ली, एजेंसी। तीन महीने पहले इंस्टाग्राम पर शुरू हुई दोस्ती जब पहली बार मुलाकात तक पहुंची, तो किसी ने नहीं सोचा था कि इसका अंत खून-खराबे से होगा।

अविवाहित सुनील अपनी महिला मित्र देवकी से मिलने भारत नगर थाना अंतर्गत खिम्मन सिंह पार्क पहुंचा था। वहां दोनों बातचीत में मशगूल थे कि तभी पहुंचे पांच नाबालिगों ने देवकी पर अश्लील टिप्पणियां करनी शुरू कर दीं। सुनील ने विरोध किया तो आरोपितों ने अचानक चाकू निकाल लिया और ताबड़तोड़ हमला कर उसकी हत्या कर दी।

पुलिस जांच में सामने आया है कि सुनील और देवकी की पहचान इंस्टाग्राम पर होने के बाद दोनों के बीच बातचीत का सिलसिला बढ़ता गया और उन्होंने पहली बार आमने-सामने मिलने का फैसला किया। इसके बाद तय योजना के तहत दोनों पार्क पहुंचे थे, लेकिन कुछ ही मिनटों में यह मुलाकात खूनी वारदात में बदल गई।

जांच में यह भी पता चला है कि पांचों नाबालिग अपने साथ दो चाकू लेकर पार्क पहुंचे थे। आपराधिक प्रवृत्ति के आरोपितों की राह चलते लोगों से विवाद व अभद्रता करने की आदत थी। पकड़े गए आरोपितों में कोई आठवीं, तो कोई दसवीं व बारहवीं कक्षा का छात्र है।

एक घंटे में दबोचा गया आरोपित

वहीं, इनमें से एक आरोपित को सीसीटीवी फुटेज और मुखबिर से मिली जानकारी के बाद महज एक घंटे के भीतर धर दबोचा गया। उसकी निशानदेही पर दो अन्य आरोपितों को भी देर शाम पकड़ लिया गया, जबकि दो अन्य आरोपित दिल्ली छोड़कर भागने की फिराक में थे। पूछताछ में इस योजना का पता चलते ही पुलिस टीम ने पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन के समीप घेराबंदी कर बाकी दोनों आरोपितों को भी दबोच लिया। पीड़िता देवकी अपने पति को छोड़कर माता-पिता के साथ रहती है, जबकि मृतक सुनील के माता-पिता गांव में रहते हैं।

सक्षिप्त समाचार

संसद मार्च के दौरान हुई हिंसा का सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित रखे दिल्ली पुलिस

नई दिल्ली, एजेंसी। नीट–यूजी 2026 परीक्षा में गड़बड़ियों के विरोध में 20 जुलाई को संसद मार्च के दौरान हुई हिंसा और छात्रों पर पुलिस कार्रवाई के मामले में पटियाला हाउस कोर्ट ने अहम आदेश दिया है। अदालत ने दिल्ली पुलिस को घटना से संबंधित सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित रखने का निर्देश दिया है। साथ ही संसद मार्ग थाना प्रभारी (एसएचओ) को अनुपालन रिपोर्ट दाखिल करने के लिए कहा है। मामले की अगली सुनवाई 18 अगस्त को होगी। न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी कौतुक भारद्वाज ने अपने आदेश में कहा कि संसद मार्ग थाना यह सुनिश्चित करे कि 20 जुलाई की घटना की सीसीटीवी फुटेज संरक्षित रहे। यदि किसी अन्य अदालत के आदेश के तहत फुटेज पहले ही सुरक्षित की जा चुकी है तो अलग से कार्रवाई की आवश्यकता नहीं होगी।

यमुना बाढ़क्षेत्र में बसें पार्क करना पड़ा महंगा, दिल्ली हाई कोर्ट ने 11 लाख का जुर्माना बरकरार रखा

नई दिल्ली, एजेंसी। यमुना के बाढ़ क्षेत्र में 22 बसें पार्क करने के लिए एक स्कूल बस ऑपरेटर पर लगाए गए 11 लाख के जुर्माने को दिल्ली हाई कोर्ट ने सही ठहराया है। न्यायमूर्ति जसमीत सिंह की पीठ ने कहा कि पर्यावरण की दृष्टि से संवेदनशील इलाके में व्यवसायिक पार्किंग अपने आप में गैर–कानूनी है और इसे सिर्फ इसलिए सही नहीं ठहराया जा सकता कि बसें कचरा फेंकने में शामिल नहीं थीं। पीठ ने उक्त टिप्पणी करते हुए इको–फ्रेंडली सीएनजी बसों का इस्तेमाल करके स्कूली बच्चों को लाने–ले जाने की सर्विस देने वाले ट्रांसपोर्ट बिजनेस आपरेटर की याचिका खारिज कर दी। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) द्वारा जारी कई जुर्माना नोटिस को आपरेटर ने चुनौती दी थी। डीडीए ने मयूर विहार फेज–एक मेट्रो स्टेशन के सामने यमुना के बाढ़ क्षेत्र में फ्लाईओवर के नीचे पार्क की गई 22 बसों में से हर बस पर 50–50 हजार रुपये का जुर्माना लगाया था। मरम्मत का काम चल रहा था, इसलिए बसों को वहां पार्क करना पड़ा। उसने तर्क दिया कि प्रति बस 50,000 का जुर्माना गलत था क्योंकि बसें सिर्फ पार्क की गई थीं और बाढ़ क्षेत्र वाले इलाके में कोई कचरा नहीं फेंका था। गैर–कानूनी तरीके से फेंकने पर ही 50,000 के मुआवजे का प्रावधान ऑपरेटर ने यह भी तर्क दिया कि नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) के 2015 के फैसले में मलबे को गैर–कानूनी तरीके से फेंकने पर ही 50,000 के मुआवजे का प्रविधान किया गया था। इसलिए बस पार्क करने पर अधिक से अधिक 5,000 का जुर्माना लगाया जा सकता था।

दिल्ली पुलिस का कड़ा रुख: सीजेपी चेतावनी बेअसर

उपद्रवियों पर दर्ज 21 एफआईआर नहीं होंगी रद्द

नई दिल्ली, एजेंसी। नीट पेपर लीक के विरोध और शिक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग को लेकर काकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के विरोध प्रदर्शन के दौरान नई दिल्ली जिले में हुई हिंसा और तोड़फोड़ के मामलों में दिल्ली पुलिस ने अपना रुख साफ कर दिया है।

पुलिस मुख्यालय में हुई एक उच्च स्तरीय बैठक में फैसला लिया गया है कि प्रदर्शन के दौरान उपद्रव मचाने वाले अराजक तत्वों पर दर्ज मुकदमे वापस नहीं लिए जाएंगे।

दिल्ली पुलिस ने स्पष्ट किया है कि नई दिल्ली जिले के पांच थानों और स्पेशल सेल की आईएफएसओ यूनिट में दर्ज सभी 21 एफआइआर अज्ञात उपद्रवियों के खिलाफ हैं, इसमें किसी भी छात्र को नामजद नहीं किया गया है। पुलिस अधिकारी का कहना है कि सुप्रीम कोर्ट ने शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं व अन्य के खिलाफ किसी भी तरह की कार्रवाई नहीं करने का आदेश दिया है, शांतिपूर्ण प्रदर्शन की आड़ में अराजकता फैलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने पर कोर्ट ने कोई रोक नहीं लगाई है। इंटरनेट मीडिया के जरिये और मीडिया को जारी बयान में बार-बार दिल्ली पुलिस को छात्रों के खिलाफ दर्ज मुकदमे वापस लेने की धमकी दे रहे हैं। उनका कहना है कि केंद्र सरकार से हुई बातचीत में एक शर्त यह भी था कि छात्रों के खिलाफ दर्ज सभी मुकदमे पिछले मंगलवार तक वापस ले लिए जाएंगे।शांतिपूर्ण प्रदर्शन में शामिल किसी भी छात्रों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी। सौरभ की इस धमकी पर दिल्ली पुलिस का कहना है कि जब उन्होंने किसी भी मुकदमे में छात्रों को नामजद किया ही नहीं है तो मुकदमे वापस कैसे ले लिया जाए? सभी मुकदमे अज्ञात के खिलाफ दर्ज है। इन मुकदमों की जांच में जो भी छात्र उपद्रव में शामिल पाए जाएंगे उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी लेकिन अगर अपराधियों व अराजक तत्वों के शामिल पाए जाने पर उनके खिलाफ

सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। अपराधियों व अराजक तत्वों ने पूरे नई दिल्ली जिले में 20 जुलाई से 25 जुलाई तक कानून अपने हाथ में लेकर अति संवेदनशील जिले में जमकर उत्पात मचाया, पुलिसकर्मियों पर जानलेवा हमला व पथराव किया, जंतर-मंतर, संसद मार्ग, जनपथ, रायसीना मार्ग, अशोक रोड व टॉलस्टॉय मार्ग पर सरकारी संपत्तियों को तोड़फोड़ कर भारी नुकसान पहुंचाया। संसद मार्ग पर तमाम सरकारी व प्राइवेट कंपनियों के कार्यालय व बैंकों के परिसर में घुसकर तोड़फोड़ व उत्पात मचाया गया। इस दौरान पुलिस और केंद्रीय सुरक्षा बलों की 16 कारें व मिनी बसों को क्षतिग्रस्त कर दिया गया। 100 से अधिक पुलिस बैरिकेड तोड़ दिए गए। दानिप्स अधिकारी एसीपी विवेक भगत की बुरी तरीके से पिटाई की गई जिससे उनकी कई दांत टूट गई, उनकी सोने की अंगूठी, पर्स, वायरलैस सेट चोरी कर लिए गए। पथराव में शांतिपूवर्क प्रदर्शन करने आए आम लोग भी घायल हुए। हमले में 35 आईपीएस व दानिप्स अधिकारी समेत 240 पुलिसकर्मी घायल हो गए। उपद्रवियों ने कानून अपने हाथ में लेकर कई स्तर के बैरिकेड तोड़कर संसद की तरफ जाने की कोशिश की। इस तरह की अराजकता फैलाने वालों को किसी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। अज्ञात उपद्रवियों के खिलाफ कनॉट प्लेस, संसद मार्ग, बाराखंभा रोड, मंदिर मार्ग और कर्तव्य पथ थाना समेत आइएफएसओ में जो 21 एफआईआर दर्ज की गई है ।

बदल रही है खूबसूरती की परिभाषा: 80+ महिलाएं बन रही हैं फैशन की नई पहचान, अलोर पत्रिका ने हटाया बुढ़ापा शब्द

वाशिंगटन/पेरिस/लंदन, एजेंसी। सफेद बाल, चेहरे पर अनुभवों की झुर्रियां व आंखों में बेमिसाल चमक... फैशन व सौंदर्य की दुनिया में अब खूबसूरती की परिभाषा बदल रही है। 20 और 30 के दशक के युवाओं पर केंद्रित रहने वाली ग्लैमर इंडस्ट्री अब 80 की उम्र पार महिलाओं (ऑक्टोजेनेरियन) की जीवंतता, उनकी ऊर्जा और अद्वितीय स्टाइल की मुरीद हो चुकी है। 80 की उम्र में भी 40 की ऊर्जा से जीवन जीने वाली इन महिलाओं को वैश्विक हस्तियां व पत्रकार दुनिया के सामने ला रहे हैं।

ठ महिला अधिकारों और समाज पर काम करने वाली मारिया हिनोहोसा और नाओमी वुल्फ जैसी चर्चित हस्तियों ने जहां इस उम्र की महिलाओं के योगदान को रेखांकित किया, वहीं फैशन एवं ब्यूटी पत्रकारिता की दुनिया में सुजैन रोवान क्रोके और एलिसन कार्ल जैसी वरिष्ठ संपादकों ने उम्रदराज महिलाओं की वास्तविक और मौलिक खूबसूरती पर व्यापक स्तरीय काम किया है। पूर्व मुख्य संपादक मिशेल ली ने मैग्जीन में एंटी-एजिंग (बुढ़ापा) शब्द का उपयोग ही रोक दिया। प्रसिद्ध फैशन-स्टाइल विशेषज्ञ अरी सेथ कोहेन ने बुजुर्ग महिलाओं का स्टाइल ब्लॉग बना उम्रदराज महिलाओं को पहचान दी।

उम्रदराज महिलाओं के लिए लॉरियल पेरिस कंपनी एज परफेक्ट श्रृंखला लेकर आई है, जिसमें 60 से

80 वर्ष तक की महिलाओं को लिए उत्पाद डिजाइन किए गए हैं। कुछ लग्जरी ब्रांड कंपनियों ने पौष्टिक तेलों सेरामाइड्स और पेप्टाइड्स से भरपूर नाइट रीस्टोरेटिव क्रीम और सीरम बनाए हैं। पेंटीन और लॉरियल कंपनियां उम्रदराज महिलाओं के बालों की सुरक्षा के लिए उत्पाद लेकर आई हैं। यही नहीं, टॉमी हिलफिगर और टारगेट जैसे बड़े फैशन हाउस ऐसे कपड़े डिजाइन कर रहे हैं जिनमें बटन की जगह मैग्नेट (चुंबक) और वेल्क्रो का उपयोग होता है, ताकि 80+ उम्र की महिलाएं बिना किसी की मदद के आसानी से स्टाइलिश कपड़े पहन सकें। दुनिया का सबसे प्रसिद्ध और क्रांतिकारी प्रोजेक्ट एडवांस्ड स्टाइल को माना जाता है। इसकी शुरुआत प्रसिद्ध फैशन व स्टाइल विश्लेषक अरी सेथ कोहेन ने की। उन्होंने न्यूयॉर्क, लंदन व टोक्यो तक की सड़कों पर 70, 80 और 90 से अधिक वर्ष की ऐसी महिलाओं को तलाशा, जिनका फैशन सेंस किसी युवा मॉडल को भी मात दे दे। कोहेन ने साबित किया कि स्टाइल उम्र की मोहताज नहीं होती। इन महिलाओं का पहनावा, रंगों का चुनाव और जीवन जीने का अंदा अद्वितीय रहा है।

इराक ने कहा- हमें नहीं थी खबर

क्या बिना इजाजत हुआ बगदाद पर हमला: अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप का दावा झूठा

बगदाद, एजेंसी। इराक की जमीन पर हाल ही में हुए अमेरिका और सऊदी अरब के साझा हवाई हमलों के बाद पश्चिम एशिया में तनाव बहुत बढ़ गया है। इन हमलों को लेकर इराकी सरकार ने बेहद कड़ा रुख अपनाया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया था कि ये हमले इराकी सरकार के साथ तालमेल बिठाकर किए गए थे। हालांकि, इराक सरकार ने अमेरिकी राष्ट्रपति के इस दावे को पूरी तरह से नकार दिया है। इराक ने कहा है कि उसने अपनी जमीन पर किसी भी हमले की कोई मंजूरी नहीं दी थी और न ही उसे इसकी कोई पूर्व जानकारी थी। अल-आबोदी ने इस पूरे मामले पर बयान जारी किया है। उन्होंने मीडिया को बताया कि बगदाद ने अपनी सीमाओं के भीतर किसी भी स्थान या समूह को निशाना बनाने की अनुमति नहीं दी थी। उन्होंने कहा कि सरकार को इन सैन्य कार्रवाइयों के बारे में पहले से कोई खबर नहीं थी। इराक ने बुधवार को ही इन हमलों की कड़े शब्दों में निंदा की थी और अब ट्रंप के बयान का

सीधा खंडन कर दिया है। इराक का कहना है कि बिना बताए किया गया यह हमला उसकी संप्रभुता का सीधा उल्लंघन है। इस हवाई हमले में ईरान समर्थित ग्रुप 'पॉपुलर मोबिलाइजेशन फोर्सेस' (पीएमएफ) के कम से कम 20 लड़ाकों की जान गई है। ट्रंप का दावा खारिजः इराक ने कहा कि अमेरिका ने हमले से पहले कोई बातचीत नहीं की थी और न ही कोई अनुमति ली थी। पीएम का दौरा रद्दः बढ़ते तनाव को देखते हुए इराकी प्रधानमंत्री मोहम्मद शिया अल-सुदानी ने अपना सऊदी अरब का दौरा टाल दिया है। सऊदी से सबूत की मांगः इराक ने सऊदी अरब से उन दावों के पक्के सबूत मांगे हैं, जिनमें कहा गया था कि उस पर हमले इराक से हुए। इराक का कड़ा रुखः इराक ने साफ किया है कि वह न तो अपनी जमीन से किसी पर हमला होने देगा और न ही विदेशी सैन्य दखल सहेगा। सऊदी अरब के रक्षा मंत्रालय ने आरोप लगाया था कि सोमवार और मंगलवार को उनकी राजधानी रियाद और कई जरूरी जगहों पर ड्रोन हमले किए गए थे। सऊदी का दावा था कि ये ड्रोन इराक की सीमा के भीतर से दागे गए थे। हालांकि, इराक ने सऊदी के इन आरोपों पर कड़ी आपत्ति जताई है और उनसे इसका सबूत पेश करने को कहा है। इराकी पीएम के प्रवक्ता सबाह अल-नुमान ने कहा कि सऊदी अरब ने अभी तक अपने आरोपों के समर्थन में कोई दस्तावेज या सबूत नहीं दिया है।

मोरक्को की सीमा तोड़कर स्पेन में घुसे हजारों प्रवासी: नौ की मौत, मचा हड़कंप

स्यूटा, एजेंसी। मोरक्को से हजारों प्रवासी गुरुवार को स्पेन के छोटे से स्वायत्त क्षेत्र स्यूटा में पहुंच गए। सीमा पार करते समय मची अफरा-तफरी में नौ लोगों की मौत भी हो गई। इसके बाद स्थानीय अधिकारियों ने स्पेन सरकार से राष्ट्रीय आपातकाल घोषित करने और सीमा पर स्थिति संभालने के लिए सेना भेजने की मांग की। स्पेन के गृह मंत्रालय ने कहा कि वह अपने नागरिकों की सुरक्षा और देश की सीमा की रक्षा सुनिश्चित करेगा। हालांकि, सरकार प्रवास से जुड़ी चिंताओं को लेकर राष्ट्रीय आपातकाल घोषित नहीं कर सकती।

राशिद सबीही स्यूटा में स्पेन की सिविल गार्ड के अधिकारियों का प्रतिनिधित्व करने वाले संगठन के प्रमुख हैं। उन्होंने बताया कि स्थिति पूरी तरह अराजक है। उन्होंने कहा, सटीक संख्या बताना संभव नहीं है, लेकिन हजारों प्रवासी सीमा पार कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि सीमा की स्थिति पूरी तरह बिगड़ चुकी है।

उत्तरी मोरक्को में मानवाधिकार संगठन के सदस्य अशरफ मैमौनी ने स्थिति को 'असाधारण' बताया। उन्होंने कहा, आज सुबह ताराजल सीमा को असामान्य हालात में खोला गया और लोग वहां से अंदर आ गए।

वीडियो फुटेज में दिखाया गया कि बड़ी संख्या में लोग

ताराजल समुद्र तट के किनारे बने तटबंधों से होते हुए स्थानीय सड़कों पर पहुंच रहे थे। इनमें ज्यादातर मोरक्को के नागरिक थे। ज्यादातर युवा पुरुष दिखाई दे रहे थे, लेकिन महिलाओं और बच्चों वाले परिवार भी शामिल थे। कुछ लोगों ने एसोसिएटेड प्रेस के लिए काम कर रहे एक स्वतंत्र फोटोग्राफर को देखकर 'विवा एस्पाना' (स्पेन जिंदाबाद) के नारे भी लगाए। अभी यह साफ नहीं हो पाया है कि इतनी बड़ी संख्या में प्रवासियों के स्यूटा पहुंचने की वजह क्या थी।

स्पेन और मोरक्को की सीमा पर यह तनाव बुधवार को छोटे से स्पेनिश क्षेत्र में पहुंचने की कोशिश कर रहे प्रवासियों की संख्या बढ़ने के बाद बढ़ा। इनमें से ज्यादातर लोग समुद्र में तैरकर स्यूटा पहुंचने की कोशिश कर रहे थे।

सबीही और मोरक्को तथा स्यूटा के सामाजिक कार्यकर्ताओं के अनुसार, बुधवार को समुद्र के रास्ते स्यूटा पहुंचने की कोशिश में तीन लोगों की मौत हो गई। मोरक्को के अधिकारियों ने इस सीमा पार करने की घटना पर सार्वजनिक रूप से कोई बयान नहीं दिया है।

स्पेन के गृह मंत्रालय ने कहा कि मोरक्को सरकार स्थिति संभालने में स्पेन के साथ 'करीबी सहयोग' कर रही है। मंत्रालय ने बताया कि मोरक्को की पुलिस सीमा पार करने की कोशिश कर रहे कई लोगों को रोक रही है। दोनों देशों ने मिलकर काम करने पर सहमति जताई है, ताकि स्यूटा में अवैध रूप से दाखिल हुए सभी लोगों को जल्द से जल्द वापस भेजा जा सके। स्पेन के गृह मंत्री फर्नांडो ग्रांडे-मार्लास्का शुक्रवार को स्थिति का जायजा लेने के लिए स्यूटा जाएंगे।

स्यूटा के अधिकारियों ने पहले प्रवासियों की बढ़ती संख्या को इस महीने की शुरुआत में आए स्पेन के सुप्रीम कोर्ट के फैसले से जोड़ा था। इस फैसले के तहत समुद्र के रास्ते स्पेन पहुंचने वाले प्रवासियों को बिना कानूनी प्रक्रिया पूरी किए तुरंत वापस नहीं भेजा जा सकता। हालांकि, जमीन के रास्ते सीमा पार करने वालों पर यह नियम लागू नहीं होता। जैसे, सीमा पर लगी बाड़ को पार करके आने वाले लोगों को अलग नियमों के तहत रोका जाता है। हालांकि, मोरक्को के कुछ सामाजिक कार्यकर्ताओं ने इस फैसले को प्रवासियों की बढ़ती संख्या की वजह मानने पर सवाल उठाया। उनका कहना था कि ज्यादातर प्रवासियों को ऐसे कानूनी फैसलों की जानकारी भी नहीं होगी। बेहतर आर्थिक अवसरों की तलाश या अपने देशों में हिंसा से बचने के लिए यूरोप जाने वाले प्रवासियों के लिए स्पेन एक प्रमुख प्रवेश मार्ग है। उत्तरी अफ्रीका के तट पर स्थित स्यूटा पहुंचने के लिए प्रवासी अक्सर मोरक्को के फनीदेक शहर से तैरकर आते हैं।

सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुपालन को लेकर सड़क सुरक्षा व्यवस्था की उपायुक्त ने की समीक्षा

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा राष्ट्रीय राजमार्गों पर सड़क सुरक्षा के संबंध में जारी निर्देशों के अनुपालन को लेकर शुक्रवार को उपायुक्त अजय नाथ झा की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में पुलिस अधीक्षक, जिला परिवहन पदाधिकारी, पुलिस उपाधीक्षक (यातायात), पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय) सहित संबंधित विभागों के पदाधिकारी उपस्थित थे। इस दौरान पुलिस मुख्यालय एवं परिवहन विभाग द्वारा जारी निर्देशों के अनुपालन की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में राष्ट्रीय राजमार्गों पर अवैध पार्किंग एवं अतिक्रमण हटाने, दुर्घटना संभावित स्थलों (ब्लैक स्पॉट) की पहचान एवं सुधार, नियमित हाईवे पेट्रोलिंग, सड़क सुरक्षा मानकों के प्रभावी अनुपालन, आपातकालीन चिकित्सा एवं राहत व्यवस्था को सुदृढ़ करने तथा विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर विशेष जोर दिया गया। साथ ही, जिला हाईवे सर्विलांस टीम के गठन एवं समयबद्ध अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। उपायुक्त अजय नाथ झा ने सभी संबंधित विभागों को सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों एवं राज्य सरकार के दिशा-निर्देशों का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करते हुए निर्धारित समय-सीमा के भीतर सभी आवश्यक कार्रवाई पूरी करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए समन्वित अभियान चलाया जाए तथा नागरिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए राष्ट्रीय राजमार्गों पर सुरक्षित, सुगम एवं व्यवस्थित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

हम आपको सुनते हैं : उपायुक्त ने 37 आवेदनों पर की सुनवाई

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। जिला प्रशासन द्वारा आयोजित हम आपको सुनते हैं (लोक संवाद) कार्यक्रम में शुक्रवार को उपायुक्त अजय नाथ झा ने आम नागरिकों से प्राप्त कुल 37 आवेदनों पर सुनवाई की। इस दौरान उन्होंने एक-एक आवेदक की समस्याओं को गंभीरता से सुना तथा संबंधित विभागीय अधिकारियों को मामलों का प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने कहा कि जिला प्रशासन आमजनों की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी समाधान के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त सभी आवेदनों पर निर्धारित समय-सीमा के भीतर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करते हुए आवेदकों को कार्रवाई की अद्यतन जानकारी भी उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जन शिकायतों के निस्तारण में किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

समयबद्ध निष्पादन के दिए निर्देश

विभिन्न विभागों से जुड़े मामलों की हुई सुनवाई

कार्यक्रम के दौरान राजस्व, भूमि विवाद, सामाजिक सुरक्षा, विद्युत, शिक्षा, स्वास्थ्य, पेंशन, सड़क, आवास सहित विभिन्न विभागों से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए। उपायुक्त ने सभी मामलों की विभागवार समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए तथा जनहित से जुड़े मामलों के शीघ्र निष्पादन पर विशेष बल दिया।

कई मामलों का मौके पर ही हुआ निस्तारण

लोक संवाद के दौरान प्राप्त कई शिकायतों का संबंधित अधिकारियों की उपस्थिति में मौके पर ही समाधान किया गया। वहीं, शेष मामलों को आवश्यक कार्रवाई के लिए संबंधित विभागों को अग्रसारित करते हुए नियमित अनुश्रवण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने कहा कि प्रत्येक आवेदन का निर्धारित समय-सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण निष्पादन सुनिश्चित किया जाए, ताकि आमजन को त्वरित राहत मिल सके और शासन-प्रशासन के प्रति उनका विश्वास और अधिक सुदृढ़ हो। मौके पर उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार, एसी सुनील चन्द्र, डीपीआरओ मो सफीक आलम, प्रभारी पदाधिकारी जन शिकायत हेमलता बून, एडीडीएस सुचिता किरण, एपीआरओ अविनाश कुमार सिंह आदि उपस्थित थे।

डॉ. राधाकृष्णन सहोदया मंच की बैठक में समान प्री-बोर्ड परीक्षा और शिक्षा में नवाचार पर बनी सहमति

चंदनकियारी/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। चंदनकियारी स्थित हॉली क्रॉस स्कूल में डॉ. राधाकृष्णन सहोदया स्कूल परिसर की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में क्षेत्र के कई प्रतिष्ठित विद्यालयों के प्राचार्यों और सहोदया के पदाधिकारी शामिल हुए। बैठक का मुख्य उद्देश्य शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार, सीबीएसई के नए दिशा-निर्देशों का पालन और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए रणनीति तैयार करना रहा। कार्यक्रम की शुरूआत हॉली क्रॉस स्कूल की प्राचार्या सिस्टर कमला पॉल द्वारा सभी अतिथियों के आत्मीय स्वागत के साथ हुई। बैठक की अध्यक्षता दिल्ली पब्लिक स्कूल, बोकारो के प्राचार्य एवं सहोदया अध्यक्ष डॉ. ए. एस. गंगवार ने की। सभा को संबोधित करते हुए डॉ. गंगवार ने कहा कि सहोदया मंच सभी विद्यालयों के बीच आपसी सहयोग, नए विचारों और शैक्षणिक अनुभवों के आदान-प्रदान का एक सशक्त माध्यम है। उन्होंने विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षकों की भूमिका को रेखांकित करते हुए सामूहिक प्रयासों पर विशेष बल दिया। इस बैठक के दौरान सीबीएसई के नवीनतम परिपत्रों पर विस्तृत चर्चा हुई। साथ ही, आगामी दिनों में आयोजित होने वाले 'गुरूवशिष्ठ सम्मान' तथा मेधावी छात्र-छात्राओं को सामूहिक रूप से सम्मानित करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। इसके अलावा, शैक्षणिक सुधारों को ध्यान में रखते हुए आगामी प्री-बोर्ड परीक्षाओं के लिए एक समान प्रश्नपत्र तैयार करने पर सहमति बनी,आंतरिक मूल्यांकन, परीक्षा प्रणाली और नए शैक्षणिक कैलेंडर से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई, विद्यालयों में नई शिक्षण पद्धतियों को अपनाने और विद्यार्थियों में रचनात्मकता विकसित कर परीक्षा परिणामों को बेहतर बनाने के उपायों पर जोर दिया गया। बैठक में क्षेत्र के कई दिग्गज शिक्षाविदों ने अपनी सक्रिय भागीदारी दर्ज कराई। इसमें सहोदया उपाध्यक्ष पी. शैलजा जैयकुमार (प्राचार्या, अयप्पा विद्यालय, बोकारो), महासचिव ब्रिज मोहन लाल दास (प्राचार्य, पिट्स मॉडर्न स्कूल, गोमिया), संयुक्त सचिव डॉ. करूणा प्रसाद (प्राचार्या, पेंटाकॉस्टल असेंबली स्कूल, बोकारो) और कोषाध्यक्ष अभिषेक कुमार (जी जी पी एस स्कूल, सेक्टर 5) मुख्य रूप से उपस्थित रहे। बैठक के अंत में उपस्थित सभी सदस्यों ने भविष्य में भी ऐसे आयोजनों को नियमित रूप से आयोजित करने और आपस में सहयोग को और अधिक मजबूत बनाने का संकल्प लिया।

जूनियर इंजीनियर को पुलिस ने किया बरामद, अपहरण की घटना से इंकार

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। चिरा चास थाना क्षेत्र में रहने वाले ग्रामीण विकास विभाग के जूनियर इंजीनियर राम सुंदर दास को घंटों की मशक्कत के बाद सकुशल बरामद कर लिया। उनकी पत्नी अर्चना कुमारी ने थाने में पति के अपहरण की शिकायत की थी। परंतु चौंकाने वाला तथ्य तब सामने आया, जब जेई ने बरामद किए जाने के बाद अपहरण की घटना से सीधा इंकार कर दिया। जेई को सिटी थाना क्षेत्र इलाके से बोकारो व्यवहार न्यायालय के पास से कथित ठेकेदार अनिल सिंह के साथ बरामद कर थाने लाया गया। प्रारंभिक पूछताछ में पता चला कि है जेई व ठेकेदार के बीच पैसे के लेनदेन का मामला था। जेई ने बताया कि वो ठेकेदार के साथ कोर्ट में एग्रीमेंट के लिए गए थे। परंतु चिरा चास थाने में अब भी जेई व ठेकेदार से गहन पूछताछ जारी है। पत्नी अर्चना कुमारी ने बताया कि पति सुबह से ही गायब थे एक अनजान नंबर से फोन आया और बताया गया कि अनिल सिंह ने उन्हें किडनैप कर रखा है। इसीलिए पुलिस को सूचना दी। लेकिन थाने आने के बाद पति ने बताया कि अनिल सिंह उनके मित्र है। वहीं थाना प्रभारी रवि नारायण झा ने बताया कि पत्नी की सूचना के बाद पुलिस ने जब पीड़ित को फोन किया तो उन्होंने बताया कि बोकारो कोर्ट के पास है जब मैं वहां पहुंचा तो देखा कि अनिल सिंह के साथ विभाग के एग्जीक्यूटिव इंजीनियर और अन्य दो लोग उनके साथ खड़े हैं । इस दौरान पीड़ित और आरोपियों को थाने लाया गया। मामले की जांच की जा रही है। अभी तक लिखी आवेदन नहीं दिया गया है। पीड़ित ने अपहरण से इनकार किया है। जबकि पुलिस ने माना है कि दोनों के बीच लेनदेन का मामला था।

संक्षिप्त समाचार

सदर अस्पताल के फिजियोथैरेपिस्ट ने की आत्महत्या

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो सदर अस्पताल से एक दुखद खबर सामने आई है। सदर अस्पताल में कार्यरत फिजियोथैरेपिस्ट डॉ. वीरेंद्र महतो ने बीती रात करीब 10 से 11 बजे के बीच कथित तौर पर पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद पूरे अस्पताल परिसर में सनसनी फैल गई। मौके से एक सुसाइड नोट भी बरामद हुआ है, जिसे सिटी थाना पुलिस ने अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। वहीं, परिजनों ने आत्महत्या पर सवाल उठाते हुए अस्पताल में साजिश की आशंका जताई है और मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। जानकारी के अनुसार, डॉ. वीरेंद्र महतो का शव अस्पताल परिसर में फंदे से लटका मिला। सूचना मिलते ही सिटी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नीचे उतारकर अपने कब्जे में लिया। पुलिस को घटनास्थल से एक सुसाइड नोट भी मिला है, जिसकी जांच की जा रही है। फिलहाल पुलिस आत्महत्या के कारणों का पता लगाने में जुटी है। इधर, मृतक के परिजनों का कहना है कि घर में किसी प्रकार की कोई परेशानी नहीं थी और डॉ. वीरेंद्र महतो के आत्महत्या करने जैसी कोई स्थिति नहीं थी। उनका आरोप है कि अस्पताल में ही उनके साथ किसी तरह की साजिश हुई है। परिजनों ने पूरे मामले की निष्पक्ष और गहन जांच की मांग करते हुए दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है। घटना के बाद से अस्पताल परिसर में लोगों की भीड़ जुटी रही। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं, घटना के काफी समय बाद तक सदर अस्पताल के सिविल सर्जन या उपाधीक्षक के मौके पर नहीं पहुंचने से परिजनों में नाराजगी भी देखी गई। फिलहाल सिटी थाना पुलिस सुसाइड नोट समेत सभी पहलुओं की जांच कर रही है। पुलिस को पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार है।

बीएसएल से सेवानिवृत्त कर्मियों को दी गई विदाई

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो इस्पात संयंत्र में 31 जुलाई 2026 को सेवानिवृत्त हो रहे 66 कर्मियों के सम्मान में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य महाप्रबंधक (तकनीकी सेल) एवं कार्यकारी अधिशासी निदेशक (संकार्य) उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान मुख्य महाप्रबंधक (सामग्री सेल) तथा मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन) के साथ संयंत्र के विभिन्न विभागों के वरीय अधिकारी एवं सेवानिवृत्त होने वाले कार्मिकों के परिजन भी बड़ी संख्या में सम्मिलित हुए। समारोह के शुभारंभ में मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन) ने सभी सेवानिवृत्त कर्मियों को उनकी निष्ठा, समर्पण एवं उत्कृष्ट सेवाओं के लिए बधाई दी तथा उनके सुखद एवं समृद्ध भविष्य की मंगलकामनाएँ व्यक्त कीं। जुलाई 2026 में बोकारो स्टील प्लांट से कुल 12 अधिशासी एवं 54 अनधिशासी कर्मी सेवानिवृत्त हो रहे हैं। समारोह के दौरान सहायक महाप्रबंधक (मानव संसाधन-सेवाएँ) द्वारा प्रत्येक सेवानिवृत्त कर्मचारी के बायो-डाटा का प्रस्तुतिकरण किया गया। बोकारो स्टील प्लांट के यातायात/कच्चा माल विभाग में कार्यरत मुख्य महाप्रबंधक (यातायात/कच्चा माल) मनोज कुमार ह्यांकी के लिए आयोजित एक अन्य विदाई समारोह में बोकारो स्टील प्लांट के निदेशक प्रभारी एवं अधिशासी निदेशक सहित विभिन्न विभागों के मुख्य महाप्रबंधक एवं विभागाध्यक्ष उपस्थित रहे. सभी ने बोकारो स्टील प्लांट में उनके उल्लेखनीय योगदान की सराहना की तथा उनके भावी जीवन के लिए शुभकामनाएँ दीं.

नई नीति के विरोध में जीएफसीआई मजदूरों का आंदोलन तेज

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। धनबाद जिले के विभिन्न प्रखंडों में स्थित जीएफसीआई गोदामों में कार्यरत मोटिया मजदूर नई अनाज वितरण नीति के विरोध में पिछले सात दिनों से रणधीर वर्मा चौक पर अनिश्चितकालीन धरना पर बैठे हैं। नई व्यवस्था के तहत अब एफसीआई गोदाम से सीधे पीडीएस दुकानदारों तक अनाज पहुंचाया जाएगा। इससे प्रखंड स्तर के जीएफसीआई गोदामों में अनाज की लोडिंग-अनलोडिंग और परिवहन का कार्य करने वाले सैकड़ों मजदूरों के सामने बेरोजगारी का संकट खड़ा हो गया है।

धरना स्थल पर पहुंचे डुमरी विधायक जयराम महतो ने मजदूरों का समर्थन करते हुए कहा कि संबंधित विभाग के अधिकारियों को तत्काल मजदूरों से बातचीत करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार को इस नई नीति पर पुनर्विचार करना चाहिए। यदि मजदूरों की समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो वे इस मुद्दे को झारखंड विधानसभा में मजबूती से उठाएंगे। वही धरना पर बैठे मजदूर दामोदर यादव ने बताया कि वे वर्षों से जीएफसीआई गोदामों में एफसीआई से आने वाले अनाज की अनलोडिंग, गोदाम से पीडीएस दुकानदारों के लिए लोडिंग और आपूर्ति का कार्य करते रहे हैं। नई नीति लागू होने से उनका रोजगार छिनने की स्थिति बन गई है। मजदूरों ने सरकार से पुरानी व्यवस्था बहाल करने की मांग करते हुए कहा कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होतीं, उनका अनिश्चितकालीन आंदोलन जारी रहेगा। धर्म स्थल पर दामोदर यादव मोटीयां मजदूर से मदन राम, उपाध्यक्ष झामुमो भी मिलने पहुंचे।

फायर सेफ्टी और पार्किंग उल्लंघन पर अशर्फी हॉस्पिटल पर कार्रवाई, सीलिंग की चेतावनी

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। धनबाद नगर निगम ने असर्फी हॉस्पिटल के खिलाफ बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई की है। भवन वाद संख्या 05/2025 में विस्तृत जांच और सभी पक्षों की सुनवाई के बाद निगम ने अस्पताल पर तीन करोड़ 27 लाख 64 हजार 750 रुपये जमा करने का आदेश दिया है। इसके साथ ही स्वीकृत मानचित्र से अधिक बने 1335.30 वर्ग मीटर अवैध निर्माण को हटाने, पार्किंग व्यवस्था बहाल करने और फायर सेफ्टी मानकों का पालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। निगम ने स्पष्ट किया है कि आदेश का पालन नहीं होने पर ध्वस्तीकरण, सीलिंग और अन्य वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

धनबाद नगर निगम के अनुसार झारखंड नगरपालिका अधिनियम, 2011 और झारखंड भवन उपविधि, 2016 के तहत असर्फी हॉस्पिटल की विस्तृत जांच, संयुक्त निरीक्षण और पुनः मापन कराया गया। जांच में स्वीकृत भवन मानचित्र से अधिक निर्माण, अतिरिक्त तल और क्षेत्रफल का अनधिकृत निर्माण, पार्किंग व्यवस्था का उल्लंघन तथा भवन उपविधियों के अन्य उल्लंघनों की पुष्टि हुई। पारित आदेश के तहत अस्पताल प्रबंधन को कुल 3 करोड़ 27 लाख 64 हजार 750 रुपये निगम में जमा करने, 1335.30 वर्ग मीटर असमायोज्य अवैध निर्माण को निर्धारित समय सीमा के भीतर हटाने और स्वीकृत पार्किंग व्यवस्था को बहाल करने का निर्देश दिया गया है। साथ ही भवन की ऊंचाई 15 मीटर से अधिक होने के कारण आवश्यक फायर सेफ्टी एनओसी और अन्य अग्नि सुरक्षा मानकों का अनुपालन सुनिश्चित करने को भी कहा गया है। नगर निगम ने चेतावनी दी है कि यदि निर्धारित अवधि में आदेश का पालन नहीं किया गया तो अवैध निर्माण पर ध्वस्तीकरण, भवन की सीलिंग, बकाया राशि की वसूली और अन्य कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मैं भी स्वदेशी समर्थक : 5 करोड़ लोगों को स्वदेशी विचारधारा से जोड़ने का लक्ष्य

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से स्वदेशी जागरण मंच एवं स्वावलंबी भारत अभियान के संयुक्त तत्वावधान में 1 अगस्त से 20 अगस्त तक देशव्यापी 'मैं भी स्वदेशी समर्थक' अभियान चलाया जाएगा। राष्ट्रव्यापी पहल का लक्ष्य देशभर में 5 करोड़ लोगों को स्वदेशी विचारधारा से जोड़कर आत्मनिर्भर भारत के अभियान को नई गति देना है। अभियान के तहत युवाओं, महिलाओं, विद्यार्थियों, उद्यमियों, व्यापारियों तथा समाज के सभी वर्गों को स्वदेशी के महत्व से जोड़ने के लिए व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाया जाएगा। स्वदेशी जागरण मंच के कार्यकर्ता गांव-गांव, शहर-शहर, मोहल्लों और बाजारों में पहुंचकर लोगों को स्वदेशी अपनाने तथा अभियान का समर्थक बनने के लिए प्रेरित करेंगे।यह अभियान पूरी तरह डिजिटल होगा। अभियान से जुड़ने के लिए किसी प्रकार का कोई शुल्क नहीं रखा गया है। इच्छुक लोग क्यूआर कोड अथवा ऑनलाइन लिंक के माध्यम से स्वयं को पंजीकृत कर सकेंगे। पंजीकरण के तुरंत बाद डिजिटल माध्यम से ही उन्हें प्रमाण-पत्र भी उपलब्ध कराया जाएगा। स्वदेशी जागरण मंच ने कहा कि स्वदेशी केवल आर्थिक नीति नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण, आर्थिक आत्मनिर्भरता और राष्ट्रीय संप्रभुता को मजबूत करने का सशक्त माध्यम है। स्थानीय उत्पादों के उपयोग, लघु एवं कुटीर उद्योगों को बढ़ावा देने तथा भारतीय उद्यमियों के समर्थन से ही मजबूत, सक्षम और आत्मनिर्भर भारत का निर्माण संभव है। मंच के पदाधिकारियों के अनुसार प्रत्येक तीन वर्ष पर इस तरह का राष्ट्रव्यापी अभियान चलाया जाता है। इस बार भी कार्यकर्ता घर-घर संपर्क कर स्वदेशी-विदेशी विषयक जानकारी देने के साथ लोगों से डिजिटल माध्यम से अभियान का समर्थक बनने का आग्रह करेंगे, ताकि स्वदेशी को जन आंदोलन का स्वरूप दिया जा सके।

05 अगस्त को चलेगा न्यू वोटर्स अभियान, मतदाता सूची में नाम जोड़ने का अंतिम अवसर

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, झारखंड द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्राप्त निर्देशों के आलोक में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त अजय नाथ झा ने शनिवार को समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में सभी संबंधित पदाधिकारियों के साथ बैठक कर आगामी 05 अगस्त को पूर्वाह्न 11 बजे से 12 बजे तक आयोजित होने वाले न्यू वोटर्स अभियान को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। डीईओ सह डीसी ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत पात्र मतदाताओं को मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने का यह अंतिम अवसर है। ऐसे सभी नागरिक जिनका नाम एएसडीडी में है अथवा ड्राफ्ट मतदाता सूची में उनका नाम शामिल नहीं है, वे और नये मतदाता 05 अगस्त से 04 सितंबर तक प्रपत्र-06 भरकर अपने संबंधित बीएलओ के पास जमा करें, ताकि उनका नाम मतदाता सूची में जोड़ा जा सके। उन्होंने सभी निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों, सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों, प्रखंड विकास पदाधिकारियों, बीएलओ एवं संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि न्यू वोटर्स अभियान का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करें।

सरकारी विद्यालयों में आधार कार्ड व जन्म प्रमाण पत्र के लिए लगेगा विशेष शिविर

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। स्कूली बच्चों का आधार कार्ड तथा जन्म प्रमाण पत्र बनाने के लिए हर सरकारी विद्यालय में विशेष शिविर लगाए जाएंगे। इसके सफल क्रियान्वयन के लिए उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन ने आज यूआईडी, शिक्षा व समाज कल्याण विभाग के साथ बैठक कर कार्यक्रम की सफलता के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उपायुक्त ने कहा कि इस पहल का मुख्य उद्देश्य स्कूली बच्चों के आवश्यक दस्तावेज समय पर बनवाना और उनका अपडेशन सुनिश्चित करना है, ताकि किसी भी छात्र को सरकारी योजनाओं, छात्रवृत्ति और नामांकन में किसी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि शिविर के दौरान छात्रों के लिए नया आधार कार्ड, पुराने आधार कार्ड का अपडेशन तथा छात्रों के जन्म प्रमाण पत्र पंजीकरण से संबंधित प्रक्रिया विद्यालय परिसर में ही पूरी की जाएगी। उपायुक्त ने कहा कि इस प्रक्रिया की जिला स्तर से निगरानी करने के लिए टास्क फोर्स का गठन किया जाएगा। शिविर आयोजन करने की तिथि की शीघ्र घोषणा की जाएगी। उपायुक्त ने सभी माता-पिता और अभिभावकों से अनुरोध किया है कि वे अपने बच्चों का आधार कार्ड और जन्म प्रमाण पत्र बनवाने के लिए आवश्यक दस्तावेजों के साथ विद्यालय में उपस्थित रहें, ताकि प्रक्रिया सुचारू रूप से पूरी हो सके। उन्होंने जिला शिक्षा अधीक्षक तथा जिला समाज कल्याण पदाधिकारी को सभी संबंधित विद्यालय प्राचार्यों, शिक्षकों, बाल विकास परियोजना पदाधिकारी को शिविर के सफल संचालन के लिए दिशा-निर्देश जारी करने को कहा है। उपायुक्त ने कहा कि जिला प्रशासन का लक्ष्य है कि जिले के सरकारी विद्यालय के शत-प्रतिशत विद्यार्थियों के आवश्यक दस्तावेज इस अभियान के तहत पूरे किए जाएं। बैठक में उपायुक्त आदित्य रंजन, उप विकास आयुक्त सन्नी राज, जिला परियोजना पदाधिकारी यूआईडी सह ई-जिला प्रबंधक अमित कुमार सिंह, जिला शिक्षा अधीक्षक शालिनी डुंगडुंग, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी स्नेह कश्यप, एमआईएस पदाधिकारी अशोक रवानी, सतीश सिंह व अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

स्कूल में मिड डे मील बनाते समय गैस सिलेंडर में लगी आग

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बलियापुर प्रखंड स्थित नया प्राथमिक विद्यालय हरिबोल थान (मुकुंदा) में मिड डे मील तैयार करने के दौरान गैस सिलेंडर में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते सिलेंडर से तेज लपटें उठने लगीं और पूरे विद्यालय में अफरातफरी मच गई। बच्चों की चीख-पुकार के बीच प्रधानाध्यापक, पंचायत समिति सदस्य और ग्रामीणों की सूझबूझ से सभी बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। जलते सिलेंडर को विद्यालय परिसर से बाहर कर आग पर काबू पा लिया गया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। शुक्रवार को हरिबोल थान स्थित नया प्राथमिक विद्यालय में मध्याह्न भोजन बनाया जा रहा था। इसी दौरान गैस सिलेंडर में अचानक आग लग गई। आग की लपटें उठते ही विद्यालय परिसर में भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। बच्चे डरकर कक्षाओं से बाहर निकलने लगे। सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण भी मौके पर पहुंच गए। प्रधानाध्यापक गिरधारी महतो ने तत्काल सभी बच्चों को सुरक्षित बाहर निकालना शुरू किया। इसी बीच मुकुंदा पंचायत समिति सदस्य हीरालाल मोदक मौके पर पहुंचे और साहस दिखाते हुए डंडे की सहायता से जलते गैस सिलेंडर को विद्यालय परिसर से बाहर कर दिया। इसके बाद ग्रामीणों ने पानी, बालू और भीगे हुए बोरे की मदद से आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। राहत की बात यह रही कि सिलेंडर में विस्फोट नहीं हुआ, जिससे एक बड़ी दुर्घटना टल गई। एहतियात के तौर पर बिना मध्याह्न भोजन कराए ही बच्चों की छुट्टी कर दी गई। हीरालाल मोदक ने कहा कि जैसे ही सूचना मिली, मैं तुरंत विद्यालय पहुंचा। वहां देखा कि एमडीएम बनाते समय गैस सिलेंडर में आग लगी हुई थी और बच्चे डरे हुए थे। सबसे पहले सभी बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। इसके बाद जलते सिलेंडर को बाहर कर ग्रामीणों की मदद से आग बुझाई गई। यह सिलेंडर आज ही मंगाया गया था। आग लगने के कारणों की जांच होनी चाहिए। समय रहते आग पर काबू पा लिया गया, नहीं तो बड़ा हादसा हो सकता था। विद्यालय में समय रहते आग पर काबू पा लेने से सभी बच्चों की जान सुरक्षित बच गई। हालांकि इस घटना ने स्कूलों में गैस सिलेंडर के सुरक्षित उपयोग और अग्नि सुरक्षा व्यवस्था पर कई सवाल खड़े कर दिए हैं।

बीएसएल में फॉरवर्ड थीम पर लार्ज ग्रुप इंटरेक्शन का आयोजन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो इस्पात संयंत्र द्वारा 'फॉरवर्ड - फोर्जिंग ऑपरेशनल रिजल्ट्स विद अकाउंटेबिलिटी, रिस्पॉन्सिबिलिटी एंड डिसिप्लिन' विषय पर एक लार्ज ग्रुप इंटरेक्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें संयंत्र के 290 कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में बीएसएल के निदेशक प्रभारी, अधिशासी निदेशक सहित अन्य वरीय अधिकारी भी उपस्थित रहे। इस लार्ज ग्रुप इंटरेक्शन कार्यक्रम के माध्यम से बीएसएल शीर्ष प्रबंधन और कर्मचारियों के बीच पारदर्शी संवाद, विश्वास तथा जवाबदेही और अनुशासन की संस्कृति को और सुदृढ़ बनाने हेतु एक सशक्त मंच प्रदान किया गया । अपने उद्बोधन में शीर्ष प्रबंधन ने सुरक्षा, गुणवत्ता, लागत और समयबद्ध आपूर्ति की अहमियत को रेखांकित किया और कहा कि संसाधनों के इष्टतम उपयोग, निरंतर नवाचार और टीम वर्क के माध्यम से ही सतत परिचालन उत्कृष्टता प्राप्त की जा सकती है। कर्मचारियों को व्यक्तिगत प्रयासों को सांगठनिक लक्ष्यों के साथ प्लांट परफॉर्मेंस में एक्टिव रूप से योगदान देने के लिए लिए भी प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के दौरान ह्लफॉरवर्डह्व थीम के मूल तत्वों झ्र वार्षिक व्यवसाय योजना 2026-27 के लक्ष्यों पर फोकस, संसाधनों का इष्टतम उपयोग, नवाचार व टीम वर्क, सुरक्षा व गुणवत्ता के प्रति जवाबदेही तथा निष्पादन में अनुशासन झ्र पर विस्तार से चर्चा की गई। इस संवाद सत्र के माध्यम से कर्मियों ने शीर्ष प्रबंधन के साथ सीधे जुड़कर अपने सुझाव साझा किए तथा उत्पादकता एवं कार्यस्थल उत्कृष्टता से जुड़े विषयों पर मार्गदर्शन प्राप्त किया। यह आयोजन बोकारो इस्पात संयंत्र की सहभागितापूर्ण कार्य संस्कृति को बढ़ावा देने तथा कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी के माध्यम से वार्षिक व्यावसायिक लक्ष्यों को हासिल करने की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। संवाद और सामूहिक स्वामित्व को प्राथमिकता देने की यह पहल संयंत्र के मानव संसाधन को एकजुट कर परिचालन दक्षता, अनुशासित निष्पादन और सतत प्रगति के मार्ग पर आगे बढ़ाने में सहायक सिद्ध होगी।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा नवबिहार टाइम्स प्रिंटिंग प्रेस बियाडा परिसर, जसोइया, औरंगाबाद से मुद्रित तथा प्लॉट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल
फोन नंबर- 9431145865 7295863300
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या : JHAHIN/2017/72655
E-mail- nbtimesbihar@gmail.com